शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

www.lagatar.in | शुक्रवार, 09 फरवरी 2024 ● माघ अमावस्या, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 5 ● वर्ष : 1, अंक : 292 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	26.5	14.5
जमशेदपुर	28.1	14.4
डालटनगंज	25.9	10.2

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

जेएसएससी प्रश्न लीक मामले को लेकर राजभवन के समीप भाजयुमो ने दिया एकदिवसीय धरना

बड़ा घोटाला कर झारखंड के युवाओं का भविष्य बर्बाद किया जा रहा : बाबूलाल

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजयुमो ने गुरुवार को जेएसएससी प्रश्न लीक मामले को लेकर राजभवन के समीप एकदिवसीय धरना दिया. धरना में शामिल भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि, यह भ्रष्टाचार सिर्फ नौजवानों के साथ ही नही पूरे प्रदेश के साथ भ्रष्टाचार है. जेएसएससी परीक्षा की तिथि की घोषणा से दो-तीन दिन पहले से ही लोग मेरे पास आए, कहा कि सीट 35 लाख से लेकर 50 लाख तक मे सीट बेचा जा रहा है. अभ्यर्थियों की बात सुन कर मन में बेचैनी होती थी कि क्या हो रहा है झारखंड राज्य में. यह सरकार सिर्फ बच्चो नौजवानों का भविष्य ही नही झारखंड का भी भविष्य बर्बाद करने में लगी है. राज्य सरकार के संरक्षण में जेएसएससी के कुकर्म का सजा युवा ही नही पूरा प्रदेश भुगत रहा है.

लगाए आरोप

- पूर्व सीएम हेमंत सोरेन हैं घोटाले में शामिल
- सीबीआई जांच कराने के लिए संघर्ष करे भाजयुमो

धरने में ये रहे मौजूद : धरना कार्यक्रम में मुख्यरूप से शशांक राज, अशोक बड़ाइक, वरुण साहू, रमेश सिंह, संजीव विजयवर्गीय , रूपेश सिन्हा, भूपेंद्र सिंह, सूर्यप्रभात, नीरज सिंह, जितेंद्र सिंह पटेल, राजू सिंह, रोहित सिंह रॉनी, पवन पासवान, पूजा सिंह, सुरेश शर्मा, रंजीत नाथ सहदेव, कुंदन कुमार, सचिन साहू, धर्मवीर सिंह, साहित्य पवन, सुभम जैसवाल,अमित अग्रवाल, राजेश साहू, रविंद्र सिंन्हा, विनोद कुमार, विवेकानंद जैसवाल, अमन यादव, तुषार आरव, उज्ज्वल मिश्रा, राजू पांडे, बसंत पांडे, सनी सिंह, समुंद्र मिर्धा, मदन साहू, सूरज भान सिंह, राहुल गुप्ता, आयुष सिंह, सिद्धांत राम, तन्मय झा आदि शामिल हुए.

होनहार बच्चों के साथ राज्य सरकार कर रही है आघात

अगर कोई पैसा देकर युवा पदाधिकारी या कर्मचारी बनता है तो यह स्पष्ट है की करप्शन की बुनियाद पड़ेगी और उससे करप्शन ही फले फूलेगा. यह सरकार होनहार बच्चों के साथ आघात कर रही है. पहले भी ऐसी कई तरह की परीक्षाओ में गड़बड़ी सामने आई थी, लेकिन हेमंत सरकार मानने को तैयार नहीं थी. छात्रो ने जब सड़क पर उतर कर विरोध किया और सारा सबूत दिखाया तो सरकार को स्वीकार करना पड़ा. जब छात्र अपने अधिकार को लेकर सड़क पर उतरते है तो उसके ऊपर लाठी चार्ज कर घायल किया जाता है. संगीन धाराओं के साथ केस कर डराने की कोशिश की जाती है. इतना बड़ा पेपर लीक का घोटाला मुख्यमंत्री कार्यालय की संलिप्तता के बगैर नहीं हो सकता है. आज यह बात साबित हो रही है. मुख्यमंत्री से मांग करते हैं कि बिना विलंब के जेएसएससी घोटाले की की जांच सीबीआई से कराने की अनुशंसा करें.

समीर उरांव का 10 करोड़ का यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट जमा नहीं

राज्यसभा के सभी 6 सांसदों का उपयोगिता प्रमाण अपडेट नहीं

खास बातें

- सांसद अब तक कर चुके हैं 92 .11 फीसदी राशि खर्च
- धीरज साहू का प्रमाण पत्र तीन वर्ष का जमा नहीं

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड से राज्यसभा के सभी छह सांसदों को क्षेत्र विकास योजनाओं के लिए मिली राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र अब तक अपडेट नहीं है. सांसद समीर उरांव को मिली 10 करोड़ राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र अब तक जमा नहीं हो पाया है. सांसद धीरज प्रसाद साहू के तीन वित्तीय वर्ष का यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट अब तक जमा नहीं हो पाया है. सभी छह सांसद अबतक क्षेत्र विकाय योजनाओं के लिए मिली राशि का 92.11 फीसदी खर्च भी कर चुके हैं.

सांसदों के लिए और 15 करोड़ रुपए का मिलना है फंड : राज्यसभा के सभी छह सांसदों के लिए क्षेत्र विकास योजनाओं के मद में और 15 करोड़ रुपए रिलीज किया जाना है. वहीं महुआ माजी अब तक मिली राशि का 92 फीसदी खर्च कर चुकी वहैं. शिबू सोरेन 57.74 फीसदी, धीरज साहू 98.44 फीसदी, दीपक प्रकाश 82.48 फीसदी, आदित्य साहू 96.65 फीसदी और समीर उरांव 89.69 फीसदी राशि खर्च कर चुके हैं.

किस राज्यसभा सांसद को कब मिली कितनी राशि

नाम	तिथि	कितनी राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र जमा नहीं
धीरज प्रसाद साहू	5-07-2018	2.50 करोड़
धीरज प्रसाद साहू	3-09-2019	2.50 करोड़
धीरज प्रसाद साहू	3-09-2019	2.50 करोड़
धीरज प्रसाद साहू	13-072021	2.50 करोड़
आदित्य प्रसाद	14-09-2022	2.50 करोड़
दीपक प्रकाश	16-09-2022	2.00 करोड़
समीर उरांव	30-09-2018	2.50 करोड़
समीर उरांव	26-03-2020	2.50 करोड़
समीर उरांव	30-03-2021	2.50 करोड़
समीर उरांव	02-11-2022	2.50 करोड़
समीर उरांव	31-01-2023	2.00 करोड़
समीर उरांव	29-03-2023	2.50 करोड़
शिबू सोरेन	14-03-2022	2.00 करोड़
महुआ माजी	14-09-2022	2.50 करोड़

विश्वविद्यालयों में थर्ड-फोर्थ ग्रेड के कर्मियों की कमी

संवाददाता। रांची

झारखंड के विश्वविद्यालयों में थर्ड और फोर्थ ग्रेड के कर्मचारियों की भारी कमी है. 2015 के पहले विश्वविद्यालय में कर्मचारियों की बहाली रांची विश्वविद्यालय अपने स्तर से करता था. 2015 में बनाये गये नियम के अनुसार विश्वविद्यालय अपने स्तर से थर्ड व फोर्थ ग्रेड के कर्मचारियों की बहाली नहीं कर सकता. बहाली राज्य सरकार ही करेगी. इसका जिम्मा झारखंड कर्मचारी चयन आयोग को दे दिया गया. लेकिन इतने साल बीत जाने के बाद भी आयोग ने एक बार भी बहाली नहीं की है. इस कारण विश्वविद्यालय कर्मचारियों की कमी से जूझ रहे हैं. रांची विश्वविद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार 1986 से इस विश्वविद्यालय में थर्ड और फोर्थ ग्रेड के कर्मचारियों की बहाली नहीं हुई है. जो भी कर्मचारी रिटायर होते हैं, उन्हें फिर से विवि में अनुबंध पर रख लिया जाता है. विश्वविद्यालय में कई ऐसे विभाग हैं, जो रिटायर कर्मचारी के भरोसे चल रहे हैं. झारखंड के सभी विश्वविद्यालयों का यही हाल है. 2017 में बने नये विश्वविद्यालयों में एक बार भी कर्मचारियों की बहाली नहीं हुई है. इस कारण से आउट सोर्सिंग द्वारा खाली स्थानों को भरा जा रहा है. वर्तमान में विश्वविद्यालयों में जितने भी कर्मचारी हैं, वे सभी पूर्व के हैं या फिर अनुकंपा के आधार पर कार्य कर रहे हैं.

हाईकोर्ट में पंकज मिश्रा की बेल पर सुनवाई पूरी, आदेश सुरक्षित

रांची। हाईकोर्ट में गुरुवार को पंकज मिश्रा के बेल पिटिशन पर सुनवाई हुई. यह सुनवाई जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की अदालत में हुई. दोनों पक्षो की सुनवाई पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है. बताते चलें कि ईडी की विशेष अदालत ने पंकज मिश्रा की जमानत याचिका खारिज कर दी थी. इसके बाद पंकज मिश्रा ने हाईकोर्ट में बेल पिटीशन दाखिल किया था. ईडी ने पिछले साल जुलाई में पंकज मिश्रा को गिरफ्तार किया था.

राजभवन मार्च : राष्ट्रपति के नाम राजभवन को सौंपा ज्ञापन

माकपा ने केंद्र के खिलाफ खोला मोर्चा

प्रमुख संवाददाता। रांची

केंद्र सरकार द्वारा विपक्षी राज्यों की आर्थिक नाकेबंदी, केंद्रीय एजेंसियों का दुरूपयोग और देश के फेडरल चरित्र को दरकिनार कर विपक्ष शासित राज्यों में राज्यपालों की संविधान विरोधी भूमिका के खिलाफ गुरुवार को सीपीआईएम ने झारखंड में केरल एकजुटता दिवस आयोजित किया. राजधानी रांची में राजभवन मार्च आयोजित कर केरल सरकार के खिलाफ आर्थिक नाकेबंदी और वहां के राज्यपाल की संविधान विरोधी भूमिका का विरोध किया. राष्ट्रपति के नाम राजभवन को ज्ञापन सौंपा. राजभवन पर आयोजित विरोध सभा की अध्यक्षता पार्टी के राज्य कमेटी सदस्य सुरेश मुंडा ने की. सभा को पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव सहित पार्टी के जिला सचिव सुखनाथ लोहरा, सुफल महतो, सुभाष हेम्ब्रम, प्रफुल्ल लिंडा, सीपीआई के अजय सिंह और भाकपा (माले) के विनोद लाहरी ने भी संबोधित किया.

आठ चीफ सेक्रेट्री और 10 प्रमोटी आईएएस हैं शामिल

सूबे में इस साल राजीव गौबा समेत 18 आईएएस हो जाएंगे रिटायर

- जनवरी 2024 में चार आइएएस हो चुके हैं रिटायर

रवि भारती। रांची

इस साल यानि 2024 में रिकॉर्ड 18 आइएएस रिटायर हो जाएंगे. इसमें आठ चीफ सेक्रेट्री रैंक के अफसर शामिल हैं. केंद्रीय कैबिनेट सेक्रेटरी राजीव गौबा, एनएन सिन्हा, सुखदेव सिंह, एल खियांग्यते, मुखमित सिंह भाटिया, एसकेजी रहाटे, सुरेंद्र सिंह और राजीव अरुण एक्का शामिल हैं. सुखदेव सिंह और राजीव अरुण एक्का 31 मार्च को रिटायर होंगे. वहीं इस साल जनवरी में सुनील कुमार, रवि रंजन मिश्रा, इंदु रानी और संजय बिहारी अंबष्ठ 31 जनवरी 2024 को रिटायर हो गए.

कौन अफसर कब होंगे रिटायर

नाम	कब होंगे रिटायर
राजीव गौबा	30-08-2024
एनएन सिन्हा	31-07-2024
सुखदेव सिंह	31-03-2024
एल खियांग्यते	31-10-2024
मुखमित सिंह भाटिया	30-09-2024
एसकेजी रहाटे	30-04-2024
सुरेंद्र सिंह	30-06-2024
राजीव अरुण एक्का	31-03-2024

प्रमोटी आईएएस कब होंगे रिटायर

नाम	कब होंगे रिटायर
आलोक त्रिवेदी	31-08-2024
संजय सिन्हा	31-05-2024
अनिल सिंह	29-02-2024
दिनेशचंद्र दास	29-02-2024
गायत्री कुमारी	31-03-2024
अंजनी कुमार दूबे	30-04-2024
अमित प्रकाश	31-12-2024
अरविंद कुमार	29-02-2024
अनिल कुमार	30-06-2024

ये चीफ सेक्रेटरी अफसर कब होंगे रिटायर

नाम	कब होंगे रिटायर
अलका तिवारी	30-09-2025
शैलेश सिंह	31-03-2026
निधि खरे	28-02-2028
अविनाश कुमार	31-08-2029

10 प्रमोटी आईएएस भी होंगे रिटायर

इस साल 10 प्रमोटी आइएएस भी रिटायर हो जाएंगे. इनमें आलोक त्रिवेदी, संजय सिन्हा, अनिल सिंह, दिनेश चंद्र दास, गायत्री कुमारी, अंजनी दूबे, अमित प्रकाश, अरविंद कुमार, राजू रंजन राय और अनिल कुमार शामिल हैं. इसमें से तीन अफसर 29 फरवरी को रिटायर होंगे.

CLASSIFIED

सर्राफा

सोना (बिक्री)	58,900
चांदी (किलो)	75,000

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

फ्रेंच कप के मौजूदा सत्र में एमबापे ने अपना 30वां गोल दागा

पेज 10

www.lagatar.in शुक्रवार, 09 फरवरी 2024 ● माघ अमावस्या, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 1, अंक : 292 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

2014-24 का ब्लैक पेपर VS श्वेत पत्र 2004-14 का

10 साल अन्याय काल

कांग्रेस ने बताई भाजपा की 4 जातियों की हकीकत, गिनाईं सरकार की नाकामियां

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ गुरुवार को एक ब्लैक पेपर जारी किया. इस पेपर में कांग्रेस ने तमाम मुद्दों के अलावा पीएम मोदी द्वारा बताई गईं 4 जातियों (गरीब, महिलाएं, युवा और किसान) पर फोकस किया है. अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 57 पेज का ब्लैक पेपर जारी करते हुए इसे 10 साल, अन्याय काल नाम दिया है. कांग्रेस ने पीएम मोदी पर विफलताएं छिपाने का आरोप लगाया. खरगे ने कहा कि ऐसे में इस सरकार के खिलाफ ब्लैक पेपर लाने का फैसला किया गया. कांग्रेस ने यह ब्लैक पेपर ऐसे समय जारी किया, जब केंद्र यूपीए के 10 साल के कार्यकाल पर श्वेत पत्र जारी किया. कांग्रेस ने अपने इस ब्लैक पेपर में मोदी सरकार के 10 साल में युवाओं, अल्पसंख्यकों, महिलाओं, किसानों और श्रमिकों पर हुए अन्याय का जिक्र किया है.

मोदी ने ब्लैक पेपर को बताया काला टीका : कांग्रेस के ब्लैक पेपर पर चुटकी लेते हुए पीएम मोदी ने कहा, यह उनकी सरकार द्वारा किए गए अच्छे कामों के लिए काला टीका है. विपक्षी सदस्यों के बांह पर काली पट्टी बांध कर आने पर मोदी ने कहा हमने देखा कि कुछ सदस्य काले कपड़े पहन कर आए हैं और फैशन परेड चल रही है.

बेरोजगारी रिकॉर्ड स्तर पर

कांग्रेस ने आंकड़े देते हुए कहा कि इस काल में बेरोजगारी 45 वर्षों में सबसे अधिक है. 2012 में बेरोजगारी 1 करोड़ थी, जो 2022 में 4 करोड़ हो गई है. 10 लाख स्वीकृत पद खाली हैं. ग्रेजुएट्स के मामलों में बेरोजगारी दर 33% है. हर 3 में से 1 युवा नौकरी तलाश रहा. हर घंटे दो बेरोजगार आत्महत्या कर रहे हैं.

किसानों के साथ किया धोखा

किसानों के संकट पर कांग्रेस ने कहा, सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था. लेकिन एमएसपी में वृद्धि हुई और पीएम के मित्रों की समृद्ध करने के लिए संसद से तीन कृषि कानूनों को पारित किया गया. इन काले कानूनों के खिलाफ आवाज उठाते हुए 700 किसान शहीद हुए. पीएम फसल बीमा योजना के तहत बीमा कंपनियों ने 40 हजार करोड़ रुपए का मुनाफा किया है, जबकि हर घंटे एक किसान आत्महत्या कर रहे हैं.

हर रोज हो रहे 86 रेप, बढ़ रहे मामले

महिलाओं से अन्याय पर कांग्रेस ने कहा कि 2022 में कुल 31,516 रेप के मामले दर्ज हुए हैं. यह रोज के हिसाब से औसतन 86 का आंकड़ा है. रेप के मामले बढ़ते जा रहे हैं. जबकि सजा की दर 27.4% है. आज चीन ने हमारी सैकड़ों किमी भूमि पर कब्जा कर लिया, लेकिन सरकार चुप है. अग्निपथ योजना लाकर सेना को कमजोर कर दिया. 2013 की तुलना में 2022 में एससी-एसटी के खिलाफ अपराध 48% तक बढ़ गए हैं.

खड़गे ने बताया, क्यों लाए ब्लैक पेपर

खड़गे ने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है, लेकिन मोदी ने उसकी कभी बात ही नहीं की. यहां तक कि जहां भाजपा का शासन नहीं है, वहां मनरेगा का पैसा भी नहीं देती और बाद में कहती है कि पैसा रिलीज हुआ, लेकिन खर्च नहीं हुआ. सरकार आजादी से पहले की बात करती रहती है. महंगाई पर क्या कदम उठाए जा रहे, इस पर बात नहीं होती. मोदी की गारंटी पर कहा कि पिछले वादे पूरे किए नहीं और नई गारंटियां दे रहे हैं. उन्होंने सरकार पर लोकतंत्र के खतरे का आरोप भी लगाया. कहा कि भाजपा लोकतंत्र खत्म करने की कोशिश में. लोगों को डरा कर अपने पक्ष में कर रही. कांग्रेस नेताओं को भी डराने की कोशिश हो रही है. हम डरेंगे नहीं. हम जनता की भलाई के लिए ब्लैक पेपर लेकर आए हैं.

10 साल में 15 घोटाले

यूपीए सरकार की आर्थिक नीतियां थीं औसत, हमने खोले विकास के द्वार

एजेंसी। नयी दिल्ली

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र संसद में पेश किया. इसमें में कहा गया है कि एनडीए सरकार ने यूपीए सरकार से मिली चुनौतियों पर पिछले 10 वर्षों में सफलतापूर्वक काबू पाया है. साथ ही भारत को उच्च वृद्धि के रास्ते पर लाने के लिए कड़े फैसले किए हैं. 59 पृष्ठ के श्वेत पत्र में कहा गया कि 2014 में मोदी सरकार ने सत्ता संभाली, तो यह नाजुक स्थिति में थी, वित्त हालत खराब थी. साथ ही आर्थिक कुप्रबंधन, वित्तीय गड़बड़ियों व घोटालों का बोलबाला था. यूपीए सरकार के दौरान देश में 15 बड़े घोटाले हुए.

पेश दस्तावेज में कहा गया है, यह एक संकटपूर्ण स्थिति थी. अर्थव्यवस्था को सुधारने और व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी बड़ी थी. यूपीए सरकार अर्थव्यवस्था को सुचारू रूप देने में विफल रही. इसके बजाय उसने बाधाएं पैदा कीं, जिससे अर्थव्यवस्था पीछे रह गई. दस्तावेज में साथ ही यह भी कहा गया कि 2014 में एनडीए सरकार को विरासत में बेहद कमजोर अर्थव्यवस्था मिली थी. मोदी ने बेहतरी के लिए कई कठोर निर्णय लिए. मौजूदा दौर को कर्तव्य काल बताते हुए कहा गया कि अभी मीलों चलना है और 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है.

श्वेत पत्र में यूपीए के 10 साल बनाम एनडीए

- **जब** 2014 में एनडीए ने सत्ता संभाली, तो अर्थव्यवस्था संकट में थी. हमें एक दशक से कुप्रबंधित अर्थव्यवस्था को ठीक करने और इसे सुदृढ़ रूप से बहाल करने की चुनौती का सामना करना पड़ा. तब, हम नाजुक 5 अर्थव्यवस्थाओं में से एक थे. अब, हम शीर्ष 5 अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं, जो वैश्विक विकास में तीसरा सबसे बड़ा योगदान देते हैं.
- **तब, दुनिया का भारत की क्षमता से भरोसा उठ गया था. अब, अपनी आर्थिक स्थिरता और विकास की संभावनाओं के साथ, हम दूसरों में आशा जगाते हैं.**
- यूपीए शासन में हमारे यहां घोटालों से भरे राष्ट्रमंडल खेल हुए. अब, हमने 2023 में जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी की, जिसमें भारत ने सामग्री, सर्वसम्मति और लॉजिस्टिक्स के मामले में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए, वैश्विक समस्याओं के स्वीकार्य समाधान प्रदान किए.
- **तब, हमारे पास 2जी घोटाला था. अब, हमारे पास सबसे कम दरों और सबसे तेज़ 5जी रोलआउट के साथ 4जी के तहत आबादी का व्यापक कवरेज है.**
- **तब,** हमारे सामने कोलगेट था. अब, अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक वित्त को बढ़ावा देने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के लिए पारदर्शी नीलामी का सिस्टम बनाया है.
- **यूपीए काल में सरकार ने कुछ चुने हुए लोगों को सोना आयात लाइसेंस प्रदान किया. अब, हमने गिफ्ट आईएफएससी में आयात के लिए एक पारदर्शी तंत्र के साथ एक बुलियन एक्सचेंज स्थापित किया है.**
- **तब,** हमारी अर्थव्यवस्था दोहरी बैलेंस शीट समस्या का सामना कर रही थी. अब, हमने अर्थव्यवस्था और कंपनियों के साथ-साथ बैंकिंग क्षेत्र को भी दोहरे बैलेंस शीट से लाभ की ओर मोड़ दिया है, जिसमें निवेश और ऋण बढ़ाने और रोजगार पैदा करने की पर्याप्त क्षमता है.
- **तब, महंगाई दर दोहरे अंक में थी. अब, मुद्रास्फीति को घटा कर 5 प्रतिशत के पास कर दिया गया है.**
- **तब,** हमारे सामने विदेशी मुद्रा संकट था. अब, हमारे पास 620 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का रिकॉर्ड विदेशी मुद्रा भंडार है.
- **तब, हमारे पास पॉलिसी पैरालिसिस थी, बुनियादी ढांचा प्राथमिकता नहीं थी. अब, अधिक निवेश और उत्पादकता की ओर ले जाने वाले ''निवेश, विकास, रोजगार, उद्यमिता और बचत'' के पहिए हैं जो हमें तेजी से आगे ले जा रहे हैं.**
- **तब,** हमारे यहां विकास कार्यक्रमों की छिटपुट कवरेज थी. अब, हमारे यहां बुनियादी आवश्यकताएं प्रदान करते हुए आम लोगों को सशक्त बनाया जा रहा है.
- **संक्षेप में, हमारी सरकार के 10 वर्षों में हासिल की गई प्रगति ने यूपीए सरकार के पिछले 10 वर्षों के आर्थिक कुप्रबंधन से हुई गड़बड़ियों को दूर कर दिया है. 2024 में, आत्मविश्वास और उद्देश्य ने 2014 के अविश्वास और नकारात्मकता की जगह ले ली है.**

ब्रीफ खबरें

मोदी ने मनमोहन को बताया प्रेरक

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को देश के लिए पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की सराहना करते हुए उन्हें प्रेरक उदाहरण बताया और कहा कि जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी, तो उनके योगदान को याद किया जाएगा. मनमोहन सिंह सहित उच्च सदन के 68 सदस्य फरवरी से मई महीने के बीच सेवानिवृत्त हो रहे हैं.

आरक्षण में अधिकार पर फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को उस कानूनी सवाल पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया कि क्या किसी राज्य सरकार को दाखिले और सरकारी नौकरियों में आरक्षण देने के लिए अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) में उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है.

बांग्लादेश को हराकर भारत बना चैंपियन

ढका। बांग्लादेश के ढाका में सम्पन्न बालिका सैफ अंडर 19 फुटबॉल प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने बंगलादेश को पराजित कर खिताब जीता. पहले हॉफ में 1 गोल शिवानी देवी के द्वारा और दूसरे हाफ के अतिरिक्त समय मे बांग्लादेश ने गोल किया इस तरह से दोनों टीम एक-एक गोल से बराबर पर रही. इसके बाद टाइ ब्रेकर में भी दोनो टीमें बराबरी पर रहीं और अंतिम में टॉस के द्वारा हार जीत की फैसला किया गया.

मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता

5 चरणों में खेल खत्म ...पर नहीं बंटी किट

बिना किट के ही खेले खिलाड़ी, कुछ जिलों में अब शुरू हुई टेंडर प्रक्रिया

शुभम किशोर। रांची

राज्यस्तरीय मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल 12 जनवरी को संपन्न हुआ. लेकिन प्रतियोगिता समाप्त होने के एक महीने बाद भी खिलाड़ियों के बीच खेल किट का वितरण नहीं हो सका है. खेल कैलेंडर के अनुसार 1 नवंबर 2023 से पांच स्तर (पंचायत, प्रखंड, जिला,जोनल, एवं राज्य) पर प्रतियोगिता शुरू हुई. पंचायत से लेकर प्रखंड, जिला व जोनल स्तर की प्रतियोगिता चरणबद्ध पूरी होती गयी, लेकिन खिलाड़ियों को किट मिली ही नहीं. राज्य स्तरीय प्रतियोगिता तक पहुंची टीमों के खिलाड़ियों को उम्मीद थी कि प्रतियोगिता शुरू होने से पहले उन्हें किट मिल जाएगी, लेकिन एक माह बाद भी नहीं मिली. बता दें कि पूर्व सीएम हेमंत सोरेन ने पंचायत से लेकर जिला स्तर पर खेल और खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत की थी, लेकिन अफसरों की लापरवाही की वजह से खिलाड़ियों को बिना किट के ही प्रतियोगिता में हिस्सा लेना पड़ा. हालांकि इस मामले में जिम्मेवारों ने चुप्पी साध रखी. कोई कुछ बोलने को तैयार नहीं है.

जिला स्तर पर ही खरीदनी थी किट

प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ियों को खेल विभाग द्वारा खेल किट दी जानी थी. किट में खिलाड़ियों को जर्सी सेट, टी- शर्ट, बूट, मोजे, शीन गार्ड और गोलकीपर ग्लव्स देना था. खेल विभाग ने जिला स्तर पर ही जिला खेल पदाधिकारियों को किट खरीदारी की जिम्मेवारी सौंपी थी. कुछ जिलों ने जिला स्तर पर टेंडर के माध्यम से किट की खरीदारी की, लेकिन ज्यादातर जिले एक महीने बाद भी अब भी टेंडर के मकड़जाल में फंसे हुए हैं.

सभी डीएसओ से मांगा गया खर्च का ब्योरा

खेल निदेशक सुशांत गौरव ने सभी जिला खेल पदाधिकारी (डीएसओ) को पत्र भेजा है, जिसमे मुख्यमंत्री आमंत्रण फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए जिला स्तर पर टेंडर कर खेल किट की खरीदारी के लिए भुगतान की गई राशि का पूरा ब्योरा मांगा है. प्रतियोगिता के लिए जिला स्तर पर टेंडर के माध्यम से हजारों किट की खरीदारी की गई थी. जिलावार भुगतान की जानेवाली राशि में अंतर देख खेल निदेशालय ने सभी जिलों के खेल पदाधिकारियों को पत्र भेजकर विस्तृत जानकारी मांगी है.

तीन जिला ने बांटा है खेल किट

खेल विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, प्रतियोगिता समाप्ति के बाद भी केवल तीन जिने में पंचायत स्तर के खिलाड़ियों के बीच किट बंटी है,.इनमें रांची, चाईबासा और गिरिडीह शामिल है. वहीं चतरा ने खेल किट की खरीदारी तो कर ली है, लेकिन अबतक बांट नहीं सका है. वहां बड़े व व्यापक स्तर पर पर आयोजन कर किट बांटने की तैयारी है. कई जिले ऐसे भी हैं, जहां अब भी किट और जर्सी की खरीदारी के लिए टेंडर प्रक्रिया ही चल रही है. सभी जिलों को अब तक 20 प्रतिशत राशि लगभग 3 करोड़ रुपये का आवंटन हो सका है. पिछले साल किट खरीदारी के लिए लगभग 15 करोड़ का आवंटन हुआ था.

कुछ जिलों में दोगुनी दर पर किट खरीदी गई

कुछ जिलों में किट की खरीदारी डेढ़-दोगुना ज्यादा रेट पर की गयी है. यही नहीं एक ही क्वालिटी और ब्रांड और एक ही वेंडर रहने के बावजूद जिलों में खरीदी गई सामानों की दर अलग-अलग है. जिलावार तुलनात्मक विवरणी मिलने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो जाएगी.

तीन कंपनियां ने ग्रुप बनाकर टेंडर में भाग लिया था

जानकारी के मुताबिक राज्य के ज्यादातर जिलों में किट सप्लाई का ठेका एपी एंटरप्राइजेज रांची, कमला स्टोर बालूमाथ और टेक्नो रांची नामक फर्म ने लिया था. इन तीनों फर्म ने ग्रुप बनाकर टेंडर में भाग लिया था. तीनों कंपनियों के इस ग्रुप ने कट मनी के हिसाब से एक ही ब्रांड और क्वालिटी का सामान अगल-बगल के जिलों में ही अलग- अलग रेट पर सप्लाई की है.

चुनाव से पहले झारखंड पुलिस के लिए बड़ी चुनौती

राज्य में 71,618 वारंट पेंडिंग रांची की स्थिति सबसे खराब

सौरभ सिंह। रांची

झारखंड पुलिस के पास 71,618 वारंट पेंडिंग है. इसमें 67,475 गिरफ्तारी वारंट है और 4143 कुर्की जब्ती के. 31 दिसंबर 2023 तक के इस आंकड़े से यह पता चलता है कि विभिन्न जिलों की पुलिस आरोपियों व अपराधियों को गिरफ्तार करने और फरार अपराधियों के घरों को कुर्क करने में दिलचस्पी नहीं दिखाती. यह भी समझ बनती है कि पुलिस के सीनियर अफसरों ने लंबे समय से इन आंकड़ों को देखना या तो छोड़ दिया है या फिर देख करके भी आंख बंद कर ले रहे हैं. करीब ढाई माह बाद लोकसभा चुनाव होने हैं. ऐसे में पुलिस को वारंट निष्पादन के लिए तेजी से कार्रवाई करनी होगी. आंकड़े के मुताबिक रांची पुलिस के पास 18,600 गिरफ्तारी वारंट और 3199 कुर्की जब्ती वारंट पेंडिंग है. सबसे खराब स्थिति राजधानी रांची की है.

जानकारी के मुताबिक झारखंड पुलिस में वह वक्त भी था,,जब मुख्यालय स्तर पर हर सोमवार इस तरह के आंकड़ों की समीक्षा होती थी. प्रमंडल स्तर पर डीआईजी समीक्षा करते थे. अदालत से जारी गिरफ्तारी वारंट व कुर्की जब्ती वारंट की समीक्षा रिपोर्ट नियमित रूप से मुख्यालय भेजते थे. एसपी के स्तर पर भी थाना प्रभारियों को कार्रवाई के लिए कहा जाता था. लंबित वारंट के निष्पादन के लिए एस ड्राइव चलाया जाता था. पर, आंकड़े देखने से स्पष्ट होता है कि नीचे से उपर तक किसी को कोई मतलब नहीं.

किस जिले में वारंट व कुर्की के कितने मामले हैं पेंडिंग

जिला	वारंट	कुर्की
रांची	18600	3199
खूंटी	494	21
गुमला	1785	03
सिमडेगा	321	00
लोहरदगा	688	08
चाईबासा	2669	32
सरायकेला	1538	12
जमशेदपुर	2683	06
पलामू	2671	68
लातेहार	1698	18
गढ़वा	712	02
हजारीबाग	3407	136
रामगढ़	312	74
गिरिडीह	549	23
धनबाद	16303	201
बोकारो	1015	70
दुमका	728	03
गोड्डा	562	00
जामताड़ा	727	01
देवघर	2664	15
साहिबगंज	3168	122
पाकुड़	1121	03
रेल धनबाद	45	01
रेल जमशेदपुर	72	00
कुल	67475	4143

राजनीति के दो अनमोल रतन

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

> जब वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ उद्वेलन का प्रयास हो रहा है. इसके विरुद्ध भी एक राजनीतिक जुगाली की कोशिश जारी है

प्रसंगवश

भारत सरकार ने इस वर्ष दो विभूतियों को भारत रत्न देने का निर्णय लिया है. पहले कर्पूरी ठाकुर के नाम की घोषणा हुई और दस दिन बाद लालकृष्ण आडवाणी के नाम की. इन दोनों महानुभावों को भारत का सर्वोच्च सम्मान ऐसे समय में देने की घोषणा हुई है, जब वंशवादी राजनीति और भ्रष्टाचार के खिलाफ एक उद्वेलन का प्रयास हो रहा है. इस प्रयास के विरुद्ध भी स्वाभाविक रूप से एक राजनीतिक गोलबंदी और बौद्धिक जुगाली की कोशिश जारी है. ऐसे में भारत सरकार ने कर्पूरी जी और आडवाणी जी के माध्यम से यह संदेश देने का प्रयास किया है कि उसके लिए पूज्य वही है, जो काजल की कोठरी में कैसे हू सयानो जाय, एक लीक काजल की लागिहैं पे लागिहैं का प्रतिलोम या प्रतिउत्तर हो. जिसका सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन चुनौती भरे लहजे में हुंकार भर रहा हो कि बताओ हमने कब, कहां, कैसे रत्ती भर भी अपने या अपनों के लिए जोड़ा.

घर-परिवार को अपनी राजनीतिक लाठी नहीं पकड़ाई : जैन हवाला कांड में आडवाणी जी पर आरोप लगा तो उन्होंने तुरंत संसद से इस्तीफा दे दिया और तब तक चुनाव नहीं लड़े, जब तक वह बाइज्जत बरी नहीं हो गये. वर्तमान राजनीति में ऐसी कोई मिसाल मिलना नामुमकिन है. इन दोनों महानायकों ने घर-परिवार, खानदान के किसी सदस्य को अपनी राजनीतिक लाठी नहीं पकड़ाई जो उनके तमाम संघर्षों से पोढ़ हुई थी. बावजूद इसके इन दोनों ने सर्वाधिक आलोचनाएं और अभद्र टिप्पणियां झेलीं. इसका कारण यह था कि एक ने राजनीति की चौखट पर खड़े होकर गांव, गरीब, मजदूर, मजलूम को हांक लगाई और उनके हकों की रहनुमाई की. वहीं दूसरे ने झीने परदे से झांकते राष्ट्रवाद के दर्शन कराये. यह वही सांस्कृतिक राष्ट्रवाद था, जिस पर स्वाधीनता समर के तीन योद्धाओं लाल (लाला लाजपत राय), बाल (बाल गंगाधर तिलक), पाल (विपिन चंद्र पाल) के बाद एक आवरण पड़ गया था. आडवाणी जी ने वह आवरण हटा दिया और छद्म धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ अभियान छेड़ दिया. आज जिस जमीन पर भाजपा की फसल लहलहा रही है, उसे आडवाणी जी ने अपने परिश्रम के खाद-पानी से उर्वरा बनाया है. कर्पूरी जी संत थे, फकीर थे, तो आडवाणी जी राष्ट्रवाद के पक्ष में संघर्षरत योद्धा. कर्पूरी जी समाजवाद के झंडाबरदार थे. वे जन्मना व कर्मणा बिहारी थे. वो वहां की पगडंडी, खेत-खलिहान, दुआर और वहां के सरोकारों से वाकिफ थे. उन्होंने सामंतवादी दबाव को बड़ी शिद्दत से महसूस किया और उसके शमन के लिए उपाय भी किये. वहीं आडवाणी जी ने खुली आंखों से पाकिस्तान में विघटनकारी राजनीति और विद्वेष का विस्तार देखा था. इसने उनके हृदय पर राष्ट्रवाद का एक चित्र उकेरा, जिसे लेकर वह भारत आये और राष्ट्र को परम वैभवशाली बनाने के लिए परंपरागत राजनीति को चुनौती दे डाली.

-शेष पेज 7 पर

हेमंत सोरेन के दिल्ली आवास से मिली बीएमडब्ल्यू के तार कांग्रेस सांसद से जुड़े

संवाददाता। रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के दिल्ली स्थित आवास पर बीते 29 जनवरी को ईडी की टीम ने रेड की थी. इस दौरान ईडी की टीम ने एक हरियाणा नंबर की बीएमडब्ल्यू कार को जब्त किया था. सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, ईडी की टीम ने जिस बीएमडब्ल्यू को बरामद किया था, वो कार कांग्रेस के सांसद धीरज साहू के हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर के आवास के पते पर रजिस्टर्ड थी.

वहीं ईडी की टीम गुरुवार को धीरज साहू के मानेसर स्थित आवास पर भी पहुंची और पड़ताल की. इस मामले में ईडी ने धीरज साहू को पूछताछ के लिए समन भेजा है. ईडी ने धीरज साहू को शनिवार को पूछताछ के लिए बुलाया है. सूत्रों ने दावा किया कि ईडी हेमंत सोरेन के साथ कथित संबंधों और एक बीएमडब्ल्यू एसयूवी के संबंध में धीरज साहू से पूछताछ करना चाहती है. सूत्रों ने बताया कि ईडी ने बुधवार (7 फरवरी) को गुरुग्राम के करदारपुर गांव में उस परिसर पर छापा मारा, जिसके पते पर यह हरियाणा नंबर प्लेट वाली स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) रजिस्टर्ड थी. ईडी को संदेह है कि यह वाहन कथित तौर पर किसी बेनामी तरीके से साहू से जुड़ा हुआ है. बता दें कि पिछले साल 2023 दिसंबर में आईटी ने कांग्रेस नेता व सासंद धीरज साहू के झारखंड स्थित ओडिशा स्थित ठिकानों पर रेड की थी.

धीरज साहू को ईडी ने कल किया तलब

कोलकाता में योगेश अग्रवाल के ठिकाने पर ईडी ने की थी रेड

बता दें कि झारखंड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में रांची ईडी की टीम ने बुधवार को कोलकाता में छापेमारी की थी. ईडी की टीम ने कोलकाता मुदियाली में योगेश अग्रवाल नाम के कारोबारी के घर दबिश दी थी.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ संजय कुमार सिंह
- ऑर्थोपेडिकः डॉ जीके गुप्ता
- कार्डियोलॉजीः डॉ पीजी सरकार
- टीबी एवं चेस्टः डॉ ब्रजेश मिश्रा
- नेत्रः डॉ सुनिल कुमार
- ऑब्स गायनीः डॉ किरण त्रिवेदी
- ईएनटीः डॉ आरके चौधरी
- सीटीवीएसः डॉ विनीत महाजन
- नेफ्रोलॉजीः डॉ प्रज्ञा घोष पंत
- सायकेट्रीः डॉ अजय बाखला
- न्यूरोलॉजीः डॉ सुरेंद्र कुमार-डॉ रूपेश प्रसाद

सदर ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम

- मेडिसिनः डॉ बीएन पोद्दार, डॉ लक्ष्मीकांता सोय
- ऑब्स एंड गायनीः डॉ रश्मि प्रसाद, डॉ रानी सिंह
- पीडियाट्रिक(शिशु रोग): डॉ दयानंद
- हेमाटोलॉजीःडॉ अभिषेक रंजन
- यूरोलॉजीः डॉ शैलेंद्र शुक्ला

शहर में आज

1. रांची विश्वविद्यालय में दीक्षांत समारोह, आरयू, समय : 10 बजे2. जनजातीय सुरक्षा मंच का धरना, राजभवन, समय : दिन के 11 बजे
3. फाइलेरिया विलोपन के लिए प्रेस वार्ता, असैनिक शल्य चिकित्सक कार्यालय, समय : 3.30 बजे
4. एक्सआईएसएस में कार्यक्रम, पुरुलिया रोड, समय : 4 बजे
5. खेलगांव में साइकिलिंग प्रतियोगिता, समय : सुबह 8 बजे
6. शहर में विभिन्न कार्यक्रम

सूचनाः शहर में होनेवाले कार्यक्रम, सेमिनार, प्रतियोगिता सहित अन्य गतिविधियों और खबरों से संबंधित जानकारी दैनिक शुभम संदेश के वाट्स ऐप नं 8102917469 पर दे सकते हैं.

ब्रीफ खबरें

अस्थायी कर्मचारी के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू

रांची। गुरुवार को एचईसी प्रबंधन के साथ एचईसी संयुक्त संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधियों ने वार्ता की. लगभग दो घंटे की वार्ता में प्रबंधन ने स्पष्ट किया कि ठेका कामगार का सितंबर 2023 से फरवरी 2024 तक नौकरी अविलम्ब नियमित की जायेगी. इसके साथ आगे के लिए संविदा (टेंडर) भी प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है. वहीं कर्मचारियों के वेतन भुगतान के लिए भी प्रबंधन प्रयासरत है.

अन्याय के विरुद्ध कांग्रेस ने प्रारंभ किया राष्ट्रव्यापी जय जवान अभियान, महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष पहुंचीं रांची

अग्निवीर योजना से देश के 1.5 लाख युवाओं के सपने हुए चकनाचूर : नेट्टा डिसूजा

खास बातें

- भाजपा ने करोड़ों युवाओं को धोखा दिया, बेरोजगारी उच्चतम स्तर पर
- मोदी सरकार ने अचानक सशस्त्र बलों पर अग्निपथ योजना थोपी

विशेष संवाददाता। रांची

महिला कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष नेट्टा डिसूजा ने कहा कि अग्निवीर योजना के जरिए मोदी सरकार ने उन 1.5 लाख युवाओं के सपनों को चकनाचूर कर दिया, जिन्हें नियमित भर्ती के तहत कठिन मानसिक और शारीरिक परीक्षण के बाद सेना में भर्ती होना था. कहा कि भाजपा ने करोड़ों युवाओं को धोखा दिया है. बेरोजगारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर है.

पूर्व सेना प्रमुख नरवणे ने भी अग्निपथ योजना की साजिश का किया खुलासा

डिसूजा ने बताया कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे के अनुसार अग्निपथ योजना सशस्त्र बलों के लिए अचानक वज्रपात बनकर आयी है. इसे केवल भारतीय सेना में लागू किया जाना था, लेकिन बाद में इसे भारतीय नौसेना और भारतीय वायुसेना पर भी लागू कर दिया गया. चार साल बाद रोटेशन 75 प्रतिशत था, जिसे बाद में बदल कर 25 प्रतिशत कर दिया गया.

राहुल ने शुरू किया है जय जवान, युवा न्याय अभियान

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कांग्रेस, 31 जनवरी को बिहार में राहुल गांधी द्वारा शुरू किये गये राष्ट्रव्यापी अभियान जय जवान.. अन्याय के विरुद्ध न्याय का युद्ध के माध्यम से युवा न्याय सुनिश्चित करेगी. कहा कि यह अभियान 1.5 लाख युवाओं की दुर्दशा पर प्रकाश डालता है, कहा कि इन युवाओं को कठोर चयन प्रक्रिया से गुजरने के बाद 2019 और 2022 के बीच एक नियमित भर्ती अभियान के तहत हमारे तीन गौरवशाली सैन्य बलों भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में स्वीकार किया गया था. लेकिन उन्हें सारी प्रक्रियाओं के बाद भी भर्ती से वंचित कर दिया गया, क्योंकि मोदी सरकार ने अचानक सशस्त्र बलों पर अग्निपथ योजना थोप दी.

जय जवान अभियान की दो महत्वपूर्ण मांगें

- अग्निपथ योजना लागू होने से 1.5 लाख युवाओं से क्रूरतापूर्वक छीनी गयी नौकरियां वापस हो
- सैन्य बलों के लिए पिछली भर्ती प्रणाली को बहाल करें.

तीन चरणों में चलेगा जय जवान अभियान

राष्ट्रव्यापी जय जवान अभियान तीन चरणों में आयोजित किया जा रहा है. 31 जनवरी से शुरू हुआ यह अभियान 20 मार्च तक चलेगा. प्रथम चरण के तहत 30 लाख परिवारों तक पहुंचा जायेगा. इस क्रम में सेना में भर्ती की तैयारी कर रहे युवाओं को आंदोलन में शामिल होने का अनुरोध किया जायेगा. दूसरे चरण में सत्याग्रह चलेगा. इसके तहत अधिक से अधिक युवाओं और उनके परिवारों तक पहुंचना, जानकारी इकट्ठा करना और उन्हें चल रहे अभियान के बारे में जागरूक करना शामिल है, तीसरे चरण में सभी जिलों में 50 किमी पदयात्रा होगी. यह यात्रा संयोजक समिति और न्याय योद्धाओं के नेतृत्व में निकाली जायेगी.

कांग्रेस भवन में आयोजित एक प्रेस वार्ता में डिसूजा ने कहा कि राहुल गांधी ने 31 जनवरी को युवाओं को न्याय मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए अन्याय के विरुद्ध जय जवान... अभियान शुरू किया है. इस मौके पर मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, संगठन महासचिव अमूल्य नीरज खलखो, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष गुंजन सिंह, सैनिक विभाग के अध्यक्ष सुबेदार एचएन यादव, प्रदेश प्रवक्ता जगदीश सा्, ऋषिकेश सिंह उपस्थित थे.

कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर लागू करना प्राथमिकता

निर्धारित लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा करें : राजेश्वरी बी

विशेष संवाददाता। रांची

मनरेगा आयुक्त राजेश्वरी बी ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल रूप लागू करना हमारी प्राथमिकता है. लंबित योजनाओं को ससमय पूरा करें ताकि निर्धारित लक्ष्य को जल्द से जल्द पूरा किया जा सके. यह निर्देश उन्होंने गुरुवार को वर्चुअल माध्यम से मनरेगा अंतर्गत विभिन्न योजनाओं की समीक्षा करने के दौरान दिया.

बिरसा सिंचाई कूप योजना में पीछे रह गये जिले अपने कार्य में तेजी लायें : मनरेगा आयुक्त ने बिरसा सिंचाई कूप योजना की समीक्षा करते हुए योजना के अंतर्गत लाभुकों के चयन और स्वीकृति की विस्तार से जानकारी ली. इस क्रम में बिरसा सिंचाई कूप योजना(मनरेगा) के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध किये गये कार्यों की प्रस्तुतिकरण के माध्यम से जानकारी दी गयी. बैठक में उपस्थित सभी डीडीसी को निर्देश दिया गया कि प्रखंडवार और पंचायतवार सिंचाई कूप के निर्धारित लक्ष्य को ससमय पूरा किया जाये.

उन्होंने अपेक्षाकृत कम प्रगति करने वाले जिलों को कार्य में तेजी लाने का निदेश दिया. मनरेगा आयुक्त ने कहा कि सभी कार्यों का धरातल पर उचित अनुश्रवण/पर्यवेक्षण आवश्यक है. उन्होंने सभी प्रखंडों के वरीय पदाधिकारियों एवं बीडीओ को सभी एक्टिव साईट व मनरेगा के तहत किये जा रहे कार्यों का निरंतन अनुश्रवण करने का निर्देश दिया. कहा कि आमजन के हित के लिए संचालित इन कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर सफल बनाना हमारा मुख्य उद्देश्य है. इसके लिए सभी अधिकारी सक्रिय रूप से प्रयासरत रहें.

कोई भी लाभुक वंचित न रहे

मनरेगा आयुक्त ने बिरसा सिंचाई कूप योजना मनरेगा से दिये जाने वाले सिंचाई कूप की जानकारी ली. उन्होंने कहा कि कोई भी सुयोग्य लाभुक बिरसा सिंचाई कूप योजना के लाभ से वंचित नहीं हो. उन्होंने उप विकास आयुक्तों को ऐसे लाभुकों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया, जिन्हें सिंचाई कूप की आवश्यकता है. उन्होंने जिले के उप विकास आयुक्तों को ससमय रॉयल्टी जमा करवाने का निर्देश किया.

सरकारआपके द्वार कार्यक्रम में आये आवेदनों को अस्वीकृत किये जाने की वजह जरूर बताएं

मनरेगा आयुक्त ने आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर पिछले वर्ष 24 नवंबर से 26 दिसंबर तक आयोजित शिविरों में मनरेगा योजना से संबंधित जो आवेदन मिले, उसकी अद्यतन जानकारी ली. उन्होंने इस क्रम में निष्पादित, अस्वीकृत और लंबित आवेदनों के बारे में जानकारी ली. उन्होंने कहा कि आवेदन लंबित नहीं रहे, इसे हर हाल में सुनिश्चित करें. जिन आवेदनों को अस्वीकृत किया गया है, उसकी वजह भी बताई जानी चाहिए. बैठक में सभी जिलों के डीडीसी और परियोजना पदाधिकारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे.

तीसरा दिन : 12 फरवरी तक गार्डन में सैर कर सकेंगे आम लोग

15524 लोग पहुंचे राजभवन उद्यान

संवाददाता। रांची

आम लोगों के लिए राजभवन खुलने के तीसरे दिन गुरुवार को 15524 लोगों ने किया उद्यान का दीदार. बच्चों ने भी खूब मस्ती की. पहले दिन की तुलना में तीसरे दिन तीन गुणा लोग राजभवन पहुंचे. उन्होंने गुलाब की कई किस्मों के साथ देशी-विदेशी कई तरह के फूल देखे. स्कूली बच्चों के अलावा कॉलेज के छात्र और परिवार के लोग भी उद्यान घूमने पहुंचे. नेहरू उद्यान, अशोक उद्यान, फूलो-झानो उद्यान, मूर्ति गार्डेन, बुद्धा गार्डेन, औषधि गार्डेन, बिरसा गार्डेन के अलावा किचन गार्डेन में लगे पेड़-पौधे और फूलों के साथ फव्वारों का भी आनंद लिया. परिसर में कुल आठ फव्वारे लगे हैं, जिनमें से एक म्यूजिकल फाउंटेन है. देशभक्ति गीतों के साथ बदलते पानी के पैटर्न को लोग अपने कैमरे में कैद करते रहे. बड़े तालाब में रंगीन मछलियों को देख कर लोग उत्साहित हुए.

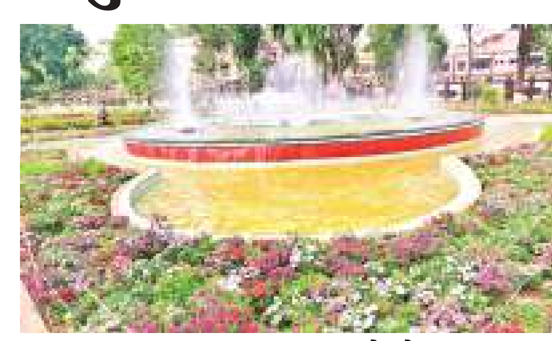

40 प्रकार के औषधीय पौधे

राजभवन के उद्यान सहयोगी नीलेश ने बताया कि उद्यान में औषधीय पौधे भी हैं, जिनमें 40 से अधिक किस्म के औषधीय पेड़-पौधे लगे हुए हैं. भृंगराज, शतावर, अश्वगंधा, एलोवेरा, लेमनग्रास आदि शामिल हैं.

फूलों को छूना सख्त मना

उद्यान में किसी भी प्रकार के बैग, हेलमेट, खाने पीने के सामान आदि साथ लेकर जाने पर रोक है, लेकिन उद्यान के भीतर पीने के पाने का इंतज़ाम किया गया हैं. फूलो को छूना एवं तोड़ना सख्त मना हैं.

परिवार के साथ क्वालिटी टाइम : परिवार के साथ राजभवन उद्यान में क्वालिटी टाइम स्पेंड करने के लिए पहुंचे लोगों में उत्साह देखते बनता था. बहुत सारे लोग अपने परिवार के साथ वहां पहुंचे थे. छोटे-छोटे बच्चों के साथ पहुंची माताओं के चेहरे पर अद्भुत खुशी देखी जा रही थी.

राज्य में सार्वजनिक स्थलों से धार्मिक झंडे हटाने की मांग

संवाददाता। रांची

झारखंड जनाधिकार महासभा के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को मुख्य सचिव एल. खियांग्ते से मिलकर राज्य में सार्वजनिक स्थलों से धार्मिक झंडों को हटाने की मांग की. मुख्य सचिव ने कार्यवाही का आश्वासन दिया. सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे से अधिक धार्मिक झंडे लगे हैं. प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य सचिव से कहा कि राज्य के विभिन्न शहरों, प्रखंडों, बस्तियों, गावों व कस्बों के सार्वजानिक स्थलों, रोड, बिजली पोल, मोबाइल टावर, सरकारी दफ्तरों, थाना, पुलिस व अर्धसैनिक बल कैंप आदि में धार्मिक झंडों, बैनर व प्रतीक को लगाने का प्रचलन बढ़ता जा रहा है. हाल में 22 जनवरी के धार्मिक कार्यक्रम के लिए पूरे राज्य में सार्वजानिक स्थलों पर धर्म विशेष के झंडे लगाये गए, जिसमें से अधिकांश आज तक नहीं उतारे गए हैं. यह अत्यंत दुख की बात है कि गणतंत्र दिवस में भी ये झंडे नहीं हटाए गए और सार्वजनिक स्थलों पर तिरंगे से कहीं ज़्यादा संख्या में धार्मिक झंडे दिख रहे थे. प्रतिनिधिमंडल में भरत भूषण चौधरी, एलिना होरो, ज्योति कुजूर, प्रभाकर बाग, टॉम कावला, सुनील कुमार उरांव और सिराज दत्ता शामिल थे.

कम मिल रही बिजली, पीक आवर में राजधानी समेत पूरे राज्य में लोड शेडिंग

रांची । झारखंड में पीक आवर में सुबह व शाम में प्रतिदिन बिजली की लोड शेडिंग हो रही है. इस दौरान अहले सुबह पांच बजे से दिन के 10 बजे तक एक-एक घंटे पर लोड शेडिंग की जा रही है. राजधानी रांची में सुबह व शाम के समय पिछले तीन दिनों से लगातार शेंडिग हो रही है. बताया गया कि झारखंड को इस समय 1400-1500 मेगावाट बिजली मिल रही है, जबकि जरूरत 1700 से 1800 मेगावाट की है. जेबीवीएनएल द्वारा पावर एक्सचेंज से अतिरिक्त बिजली की मांग की गयी. पर वहां भी बिजली की उपलब्धता नहीं थी. जिसके कारण सुबह व शाम के समय राजधानी रांची, जमशेदपुर, गढ़वा, पलामू, चाईबासा में प्रतिदिन लोड शेडिंग हो रही है. सुबह छह बजे के करीब हरमू-हटिया 33 केवी लाइन ब्रेकडाउन हो गयी. जिसके कारण हरमू, किशोरगंज, न्यू मधुकम इलाकों में तीन से चार घंटे तक बिजली गुल रही. दिन के 11 बजे के बाद लाइन ठीक की गयी.

छात्रवृति फॉर्म में अन्य कॉलम हटाने के विरोध में पैदल मार्च

संवाददाता। रांची

आदिवासी विकास परिषद के बैनर तले गुरुवार को विभिन्न आदिवासी संगठनों ने जैक द्वारा निकाली गई छात्रवृत्ति फार्म में अन्य धर्म कॉलम हटाने के विरोध में मोरहाबादी की बापू वाटिका से राजभवन तक पैदल मार्च निकाला गया. इस दौरान पूर्व शिक्षा मंत्री गीताश्री उरांव ने कहा कि देश के असली मालिक आदिवासी समाज है और इसकी पहचान को भाजपा की सरकार खत्म करने में जुटी हुई है और धर्मांतरण का पूरा खाका तैयार कर लिया जा रहा है, ताकि देश से आदिवासियों को खत्म किया जा सके और देश को हिदू राष्ट्र घोषित कर सके.

अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद के अध्यक्ष कुंदरसी मुंडा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निकाले गये छात्रवृत्ति फॉर्म में अन्य धर्म कॉलम हटा दिया गया है, जिससे

आदिवासी समाज में आक्रोश देखा जा रहा है, क्योंकि राज्य के आदिवासी समाज अन्य धर्म कॉलम में अपना धर्म दर्ज कराते थे और इसका असर बच्चे पर बुरा प्रभाव पड़ रहा है और आदिवासी बच्चे छात्रवृति फॉर्म नहीं भर पा रहे हैं. केद्र सरकार द्वारा लगातार आदिवासियों के विकास के नाम पर उनकी पहचान और संवैधानिक अधिकारों पर हमला किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों को केंद्र सरकार नजरअंदाज कर देश का विकास करना चाहती है, जिसे आदिवासी समाज कभी भी बर्दास्त नहीं करेगा. केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि जैक द्वारा अन्य धर्म कालम हटा दिया गया है. आदिवासीयो को नेश्तनाबूद करने का षडयंत्र किया जा रहा है, जिसका आदिवासी जोरदार तरीके से विरोध करेंगे.

औघड़ भगवान राम आश्रम में धूमधाम से मना अनन्य दिवस

संवाददाता। रांची

श्री सर्वेश्वरी समूह शाखा रांची में गुरुवार को धूमधाम से अनन्य दिवस मनाया गया. इस अवसर पर प्रातः प्रभात फेरी निकाली गयी. इसके पश्चात पूजन आरती, सफल योनी सद्ग्रन्थ का पाठ और विचार गोष्ठी आयोजित की गयी. विचार गोष्ठी की अध्यक्षता समूह शाखा के वरिष्ठ सदस्य मनमथ नाथ देवघरिया और विषय प्रवेश रामचंद्र नाथ शाहदेव ने किया. गोष्ठी में नयनमंजरी देवी, नागदमनी शाहदेव और कीर्तिमान शाहदेव ने अपने विचार रखे. मंच संचालन नवीन और धन्यवाद ज्ञापन शाखा के मंत्री राधेश्याम सिंह ने किया. सामूहिक प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. मौक़े पर कई श्रद्धालु मौजूद रहे.

बता दें कि हर वर्ष अनन्य दिवस पर्व धूमधाम से मनाया जाता है. इस दिन की विशेष मान्यता है. आज के दिन ही समूह के संस्थापक परम पूज्य अघोरेश्वर भगवान राम को प्रयाग

कुम्भ में एक बूढ़ी माता ने एक मुठ्ठी अन्न दान में दिया था. उसके बाद से उन्हें कभी किसी चीज की कमी नहीं हुई. उन्होंने मानवता की सेवा के लिए श्री सर्वेश्वरी समूह की स्थापना की. उन्होंने श्री सर्वेश्वरी समूह के माध्यम से उन्नीस सूत्री कार्यक्रम चलाकर अनेक जनकल्याणकारी कार्य संचालित किये, जो आज भी सतत जारी है. आज भी यह समूह अपनी अनेक शाखाओं के माध्यम से देश-विदेश में जनकल्याणकारी 19 सूत्री कार्यक्रम आयोजित कर रहा है.

आश्वासन परिवहन मंत्री गडकरी से मिले सांसद चंद्रप्रकाश, कई सड़कों के शीघ्र निर्माण को मिलेगी मंजूरी

रांची से देवघर जाने में लगेगा कम समय : लंबोदर

विशेष संवाददाता। रांची

आजसू पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह विधायक डॉ लंबोदर महतो ने कहा कि अब रांची से देवघर जाना आसान होगा. कम समय में यह दूरी तय होगी. उन्होंने कहा कि सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) के तहत बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड अंतर्गत गझंडी मोड़ से हुरलुंग भाया चतरोचट्टी 27 किमी, ललपनिया रजरप्पा मोड़ से रजरप्पा रोड तक 20 किमी एवं रामगढ़ जिले के फोरलेन रोड में एनएच 33 पर सांडी मोड़ से बिजुलिया (ओल्ड एनएच 33) 12.8 किलोमीटर सड़क निर्माण की प्रशासनिक मंजूरी जल्द मिलने की संभावना है. इस दिशा में केंद्रीय सड़क परिवहन व राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के सकारात्मक पहल करने के मिले आश्वासन का स्वागत किया है. उन्होंने कहा कि पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष सह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मिलकर इस विषय को उनके समक्ष विस्तारपूर्वक रखा. उन्होंने प्रशासनिक मंजूरी देने की दिशा में शीघ्र आवश्यक प्रक्रिया को पूरा कर लेने को लेकर आश्वस्त किया. डॉ लंबोदर महतो ने आशा जताया कि सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी का यह प्रयास सार्थक होगा. इसका लाभ बोकारो व रामगढ़ जिले के साथ-साथ अन्य जिलों को भी मिलेगा. विशेष कर कई ग्रामीण इलाके इस सड़क से जुड़ेंगे. उन्होंने कहा कि अब रांची से देवघर जाने में भी लोगों को काफी आसानी होगी. साथ ही समय भी कम लगेगा. सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी के प्रयास से 440 करोड़ की लागत से गिरिडीह बाईपास निर्माण की प्रशासनिक मंजूरी मिल गई है। इस सड़क का निर्माण गिरिडीह-डुमरी पथ पर जोड़ा पहाड़ी से लेकर गिरिडीह- बेंगाबाद पर महुआर (24 किलोमीटर) तक होगी. लोगों को जाम से भी छुटकारा मिल सकेगा. उन्होंने इसके लिए केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार भी जताया.

प्रधानमंत्री आवास योजना तीसरे फेज के अंतर्गत दो लाभुकों को मिले घर

रांची। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तीसरे फेज के तहत बिरसा मुंडा स्मृति पार्क के पास निर्मित आवासों के लिए 11आवेदकों के बीच लॉटरी का आयोजन किया गया. गुरुवार को निगम कार्यालय में 11 चयनित लाभुकों में से लालू महली और रानी कुमारी को ए और ई ब्लॉक में आवास आवंटित किये गये.उप प्रशासक रवींद्र कुमार की अध्यक्षता में आवेदकों के लिए ई-लॉटरी की प्रक्रिया ऑनलाइन की गयी. यह प्रक्रिया लाभुकों को लाइव दिखाई जा रही थी. ई-लॉटरी प्रक्रिया में सर्वप्रथम वहां मौजूद लाभुकों के नाम रेंडमाइज किये गये. फिर फ्लैट संख्या रेंडमाइज की गयी. फिर दोनों सूची को जोड़ कर फाइनल आवंटन सूची तैयार की गयी. मौके पर सहायक प्रशासक शीतल कुमारी, नगर प्रबंधक एवं शाखा के कर्मी उपस्थित थे.

अपने वादे से इतर भ्रष्ट इरादे दिखा रही झारखंड सरकार : सुदेश महतो

प्रमुख संवाददाता। रांची

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर जो आरोप लगे हैं, अब उन आरोपों का सच सामने आने का समय आ गया है. जल्द ही आरोपों की सच्चाई से पर्दा हटेगा. सरकार और शासन में भयमुक्त अराजकता का पटाक्षेप होना तय है. भ्रष्ट आचरण राजनीतिक सुचिता का परिचायक नहीं है. जनादेश पाना और सत्ता में आना एक बात है. आज झारखंड में अराजकता का माहौल है. उक्त बातें आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने रांची स्थित अपने आवासीय कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में कही. इस अवसर पर पार्टी में शामिल हुए लोगों का स्वागत करते हुए सुदेश महतो ने कहा कि आज युवा बेहतर भविष्य के

निर्माण में भागीदारी सुनिश्चित करना चाहते हैं. सुदेश कुमार ने झारखंड सरकार पर हमलावर होते हुए कहा कि यह सरकार अपने वादे से इतर भ्रष्ट इरादे दिखा रही है. कहा कि राज्य और राज्यवासियों के प्रति समर्पण नहीं होने की वजह से अकसर निर्णय गलत हो जाते हैं.

आजसू पार्टी में हुए शामिल : मिलन समारोह में मयंक पराशर, आकाश भाटिया, सुमित शर्मा, अभय पासवान, यश कुमार, शुभम कुमार, आकाश तिवारी, संकेत सिंह, दीपक कुमार सिंह समेत कई युवाओं ने आजसू पार्टी की सदस्यता ग्रहण की.

खोया-पाया

मैं मुन्नी सिंह, पति स्व. नथुनी सिंह, सेक्टर-2, धुर्वा, जगन्नाथपुर थाना, जिला रांची निवासी हूं। दिनांक 7.1.24 को करीब शाम 5 बजे मेरा लिंक डीड जिसका दस्तावेज संख्या 2533/2409, दिनांक 17.03.93 एवं दस्तावेज संख्या 2532/2408, दिनांक 17.03.93 फोटो कॉपी कराने हेतु मोटरसाइकिल से सेक्टर 2 मार्केट, धुर्वा के लिए निकली थी। रास्ते में कहीं मेरी लिंक डीड गिर गया। काफी खोजबीन के बाद भी कहीं नहीं मिला। इसको लेकर मैंने जगन्नाथपुर पुलिस थाना में सनहा दिनांक 04.02.24 को दर्ज कराया है। किन्हीं को मिले या जानकारी प्राप्त हो, तो कृपया संपर्क करें।

अधिवक्ता
Ranjeet Kumar Singh
LIC HFL, Ranchi
Mob. : 7488059747, 9308754904

तापमान
23.0° | 12°
अधिकतम | न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | शुक्रवार, 09 फरवरी 2024 ● माघ अमावस्या, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 292 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

पेज 09

निगम ने प्रस्ताव तैयार किया, विभाग ने चुप्पी साधे रखी

रांची नगर निगम ने 2017 में पानी के अवैध करोबार को रोकने के लिए प्रस्ताव तैयार किया था. उस प्रस्ताव को नगर विकास विभाग को भेजा था, मगर सात साल गुजरने के बाद भी प्रस्ताव पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सका. प्रस्ताव में बताया गया था कि शहर के वाटर प्लांटों में वाटर मीटर लगाया जाए, जिससे पता चल सके कि कितने पानी का इस्तेमाल प्लांट/ दुकानों द्वारा किया जा रहा है. इसके अलावा जल संरक्षण के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की सलाह थी, जिससे ग्राउंड वाटर की भरपाई हो सके.

लाखों का पानी नाले में बहाते हैं प्लांट संचालक

रांची में संचालित वाटर प्लांट हर दिन लाखों लीटर पानी का उपभोग करते हैं. डीप बेरिंग के सहारे भूगर्भ जल का दोहन करते हैं. मगर ऐसे प्लांट, जो जल का दोहन कर बेच रहे हैं, इनसे फूटी कौड़ी भी सरकार को नहीं मिलती है. इसी का नतीजा है कि ये जितना पानी जार में भरते हैं, उतने ही पानी को नाली में भी बहा देते हैं. प्लांटों को चलाने के लिए प्लांट संचालक और कंपनियों द्वारा तीन से चार बोरिंग कराकर रखी गयी. वहीं एचईसी और मेकॉन क्षेत्र में जलापूर्ति वाले पानी को ही बोतल में बंद कर बेचा जा रहा है.

गाइडलाइन की ऐसी तैसी, लाखों की कमाई
झारखंड में पानी का चोखा धंधा

तरुण चौबे । रांची

राजधानी सहित राज्य भर में गाइडलाइन की अनदेखी कर वाटर प्लांट चला रहे कारोबारी पानी हमें ही मनमानई कीमत पर बेच कर रोज लाखों की कमाई कर रहे. दरअसल प्रदेश भर में ग्राउंड वाटर प्रदूषित हो गया है. इसके प्रदूषित होने से लोगों को पेटजनित बीमारियां हो रही हैं. इससे बचने के लिए रोजाना लोग बोतलबंद पानी खरीद कर पी रहे हैं. बोतल बंद पानी हमारे ही हिस्से का है. बोरिंग/ डीप बोरिंग कर हमारे हिस्से के पानी को बोतल/जार में अवैध संचालित वाटर प्लांट के संचालक बेच रहे. प्रदेश में तेजी से पानी का कारोबार बढ़ा है. सरकारी निर्देशों की अनदेखी कर धड़ल्ले से शहरों के साथ ही साथ गली-मुहल्लों में भी बॉटलिंग प्लांट लगा कर पानी की बिक्री मनमानी कीमतों पर की जा रही है. आम लोगों को पानी के लिए जद्दोजहद करनी पड़ती है, लेकिन धंधेबाज मर्जी से बिना अनुमति के ही प्लांट लगाकर कमाई कर रहे हैं.

क्या है नियम

वाटर प्लांट के लिए केंद्र सरकार ने नियम लागू किए है. केंद्र के नियम की बात करें, तो प्लांट के लिए क्वालिटी कंट्रोल से लाइसेंस, नगरपालिका से अनुमति प्रमाण-पत्र, अस्पताल से अनुमति प्रमाण-पत्र व पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए लैब का प्रमाण पत्र होना चाहिए. साथ ही साथ सारी रिपोर्ट प्लांट की दीवार पर लगाना है, जहां ग्राहक देख सकें. इसके साथ ही प्लांट में पानी की नियमित चेकिंग के लिए एक लैब और टेक्नीशियन होने चाहिए. लेकिन रांची सहित राज्य भर के किसी भी प्लांट में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है.

1 हमारा पानी हमें ही बेच कर मालामाल हो रहे प्लांट संचालक

2 1 लीटर पानी फिल्टर करने में 3.5 लीटर पानी होता है बर्बाद

गर्मी शुरू होते ही हो जाती है पानी की किल्लत

राजधानी रांची सहित प्रदेश के कई हिस्सों में गर्मी शुरू होते ही पानी की किल्लत से हर रोज हजारों लोगों को जूझना पड़ता है. शहर के कई क्षेत्रों में जलस्तर नीचे जाने के कारण लोग प्राइवेट वेंडर्स से पानी खरीदने के लिए मजबूर हैं. ऐसे में शुद्ध पेयजल की लोगों की डिमांड के चलते शहर के हर गली-मुहल्ले में आरओ वाटर प्लांट सह दुकान खुल रही है. राजधानी के ही अलग-अलग हिस्सों में फिलहाल 1000 से ज्यादा आरओ वाटर प्लांट संचालित हैं. यह सभी प्लांट अवैध तरीके से चल रहे हैं. बिना किसी गाइडलाइन के ही संचालित हो रहे हैं. ऐसे प्लांट/ दुकान 20 से 30 रुपये में 20 लीटर पानी बोतल में भर कर खुलेआम बेच रहे हैं.

हर माह 1.5 करोड़ बोतल बंद पानी पर खर्च कर रहे लोग

बोतल/जार बनाने व स्पलाई करनेवाली कंपनियों की मानें, तो रांची में ही हर रोज 5 लाख के बोतल बंद पानी की खपत है. यानी लोग हर माह 1.5 करोड़ बोतल/जार बंद पानी पर खर्च कर रहे. यह कमाई प्लांट संचालकों की जेब में जा रहा है. इससे सरकारी कोष में फूटी कौड़ी भी नहीं जा रही है. सरकार को कोई फायदा नहीं हो रहा है. एक तरह से प्लांट संचालक सरकार से बचते हुए करोड़ों की अवैध कमाई कर रहे हैं. इसके अलावा 20 लीटर जार के पानी का कारोबार है. जार के पानी पर रोजाना 50 लाख रुपए लोग खर्च कर रहे हैं. दूसरी तरफ रांची सहित प्रदेशभर में पेयजल विभाग और नगर निकाय द्वारा रोजाना जलापूर्ति की जाती है, जो पर्याप्त नहीं है.

एक्शन में सीएम : विभिन्न खनिज ब्लॉकों की नीलामी संबंधित कार्य प्रगति की जानकारी ली

खनन में रुचि नहीं लेने वाली कंपनियों का करें आवंटन रद्द

रवि भारती। रांची

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा है कि खनन कार्य संचालित करने वाली वैसे कंपनियां जो कार्य में रुचि नही दिखा रही हैं उन्हें स्पष्टीकरण (शोकॉज) कर उनका आवंटन रद्द करें. सीएम ने गुरुवार को अधिकारियों से राज्य के विभिन्न खनिज ब्लॉकों की नीलामी करने संबंधित कार्य प्रगति की जानकारी ली तथा फरवरी के अंत तक खनन विभाग द्वारा चिन्हित 10 विभिन्न खनन ब्लॉक की नीलामी अथवा आवंटन प्रक्रिया को पूरा करने का निर्देश अधिकारियों को दिया. मुख्यमंत्री ने गुरुवार को प्रोजेक्ट भवन में खनन एवं भूतत्व विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के कार्य प्रगति की समीक्षा की.

खनन विभाग राजस्व का है मुख्य स्रोत : मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि खनन विभाग राजस्व का एक मुख्य स्रोत माना जाता है. अधिकारियों को निर्देश दिया कि वैसे खनन ब्लॉक जिनकी पहले से नीलामी अथवा आवंटन हो चुका है उन खनन ब्लॉकों को जल्द से जल्द चालू किया जाए. खनन कार्य का जिम्मा जिस कंपनी या संस्थान को आवंटित किया गया है उनके साथ बैठक कर खनन कार्य शीघ्र प्रारंभ कराएं.

विभाग द्वारा चिन्हित 10 विभिन्न खनन ब्लॉक को जल्द चालू करें

खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया शीघ्र पूरा करें

सीएम ने अधिकारियों से कहा कि मार्च तक मेजर तथा माइनर खनिज ब्लॉक की नीलामी प्रक्रिया से संबंधित कार्यवाही पूरी कर लें. निर्देश दिया कि वैसे कोल ब्लॉक जिनकी नीलामी हो चुकी है और अबतक खनन शुरू नहीं हुआ उन सभी कोल ब्लॉकों में कार्य चालू कराएं. विलंब होने से राजस्व का नुकसान होता है. वैसे कोल ब्लॉक जिनका फॉरेस्ट क्लीयरेंस नहीं हो सका, उनके क्लीयरेंस हेतु प्रधान सचिव वन विभाग के साथ बैठक कर समन्वय स्थापित करते हुए सभी प्रक्रिया पूरा करें ताकि खनन कार्य जल्द से जल्द प्रारंभ हो सके.

बालू घाटों के ऑक्सन की भी ली जानकारी

बैठक में सीएम ने बालू घाट ऑक्शन की भी जानकारी ली और निर्देश दिया कि लोगों को बालू आसानी से और उचित कीमत पर मिल सके इसके लिए विभाग मॉनिटरिंग करे ताकि कोई असुविधा न हो. बालूघाट के टेंडर प्रक्रिया में कोई बाधा उत्पन्न हो रही है तो उसका निराकरण जल्द कर लें. निर्देश दिया कि खनन विभाग में जियोलॉजिस्ट के स्वीकृत पद के आलोक में कार्यहित को देखते हुए संविदा पर नियुक्ति करें तथा नियमित नियुक्ति के लिए जेपीएससी को लिखें.

अमन साहू गिरोह से कनेक्शन मिलने के बाद एनआईए का भागलपुर में छापा

1.32 करोड़ की संपत्ति जब्त, काउंटिंग जारी

रांची। गैंगस्टर अमन साहू उर्फ अमन साव गैंग से कनेक्शन मिलने के बाद गुरुवार की सुबह एनआईए ने बिहार में छापेमारी की. एनआईए की टीम भागलपुर जिले के बरारी हाउसिंग कॉलोनी स्थित जमीन कारोबारी शंकर यादव के घर पहुंची. एनआईए की टीम के साथ आयकर विभाग की टीम भी थी. यह छापेमारी एक बड़े गिरोह से जुड़े होने और अपराध के पैसे को अपने कारोबार में इस्तेमाल करने के साथ-साथ आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में की गई है. मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार रात करीब 8 बजे तक छापेमारी के दौरान करीब 1.32 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की गई है. इसके अलावा अमन साहू गिरोह से जुड़े कई दस्तावेज भी एनआईए के हाथ लगे हैं. हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है. छापेमारी के दौरान उस समय चर्चाओं ने जोर पकड़ लिया जब छापेमारी कर रही टीम ने शंकर यादव के घर पर नोट गिनने की मशीन मंगायी. इस छापेमारी में एनआईए के अधिकारी व पदाधिकारियों के साथ- साथ पटना और रांची से आयकर विभाग की सात सदस्यीय टीम शामिल थी.

जेएसएससी पेपर लीक मामला

अफसरों ने आईजी आवास में एसआईटी पर प्रताड़ित करने का लगाया आरोप, सीएस को लिखा पत्र

रजनीश प्रसाद। रांची

पेपर लीक मामला में जेएसएससी के पदाधिकारियों ने रांची आईजी आवास में एसआईटी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है. इसे लेकर पदाधिकारियों ने गुरुवार को मुख्य सचिव को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि 28 जनवरी को जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा ली गई थी. जिसमें पेपर लीक हुआ था. जिसके बाद परीक्षा रद्द कर दी गई. अनियमितता में सरकार के द्वारा गठित एसआईटी द्वारा जांच की जा रही है. जांच में आयोग के सभी पदाधिकारी / कर्मी पूर्ण रूप से सहयोग के लिए तैयार हैं, लेकिन पदाधिकारियों को अपराधियों की भांति जोनल आईजी के कार्यालय, रांची में बुलाया गया. जिसमें उक्त दोनों पदाधिकारियों द्वारा जांच में सहयोग के लिए उपस्थिति दर्ज कराई गई. परंतु पुलिस अधिकारियों द्वारा पूछताछ के क्रम में परीक्षा में पेपर लीक के मामले में संदिग्ध अपराधी का नाम बताने के लिए दबाव बनाया गया तथा अमर्यादित व्यवहार हुआ. इससे आयोग कार्यालय के सभी पदाधिकारी एवं कर्मी जो आयोग में प्रतिनियुक्त हैं, डरे हुए हैं एवं कार्य करने में असहज महसूस कर रहे हैं.

इस कदाचार में आयोग के किसी पदाधिकारी/कर्मी की संलिप्तता नहीं : मुख्य सचिव को लिखे पत्र में कहा गया है कि आयोग के अध्यक्ष द्वारा मुख्य सचिव, कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग और प्रेस मीडिया को स्पष्ट सूचना दी गई कि इसमें उसके पदाधिकारी/कर्मी की संलिप्तता नहीं है. स्पष्ट किया गया है कि आयोग के तत्वावधान में आयोजित परीक्षाओं में ऑनलाइन आवेदन पत्र प्राप्त करने से लेकर परीक्षाफल तैयार करने तक की सारी प्रकिया आउटसोर्सिंग से संचालित होती हैं. किसका परीक्षा केंद्र कौन-सा होगा, परीक्षा प्रश्नों का चयन कौन करेंगे, प्रश्न क्या होंगे, उत्तर क्या होंगे, किसको कौन सा प्रश्न सेट दिया जाएगा, ऐसी कोई भी जानकारी संबंधित परीक्षा की समाप्ति तक आयोग के किसी भी स्तर के कर्मी या पदधारी को नहीं होती है.

पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग लोकसभा में उठी

रांची/नयी दिल्ली। झारखंड में संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच सीबीआई से कराने की मांग गुरुवार को लोकसभा में की गई. भाजपा के सांसद संजय सेठ ने जेएसएससी की विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं के प्रवेश-पत्र पूर्व सीएम हेमंत सोरेन के एक सहयोगी विनोद सिंह के घर से कथित तौर पर बरामद होने और अधिकारियों के तबादले एवं तैनाती से संबंधित व्हाट्सऐप चैट सामने आने की घटना का जिक्र किया. उन्होंने कहा कि परीक्षाएं रद्द होने से नौ लाख विद्यार्थियों का भविष्य अंधकारमय हो गया है.

34 वां राष्ट्रीय खेल घोटाला | नहीं मिला ठोस सबूत

सीबीआई ने दाखिल की क्लोजर रिपोर्ट

संवाददाता। रांची

34वें राष्ट्रीय खेल घोटाले के एक मामले में सीबीआई ने विशेष अदालत में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है. इसमें कहा गया कि मामले में छानबीन की गई, मगर कोई ठोस साक्ष्य नहीं मिले. इसलिए इस मामले को बंद कर दिया जाए. कोर्ट में रिपोर्ट जमा कर दी गई है. हाइकोर्ट के आदेश पर सीबीआई ने 25 अप्रैल 2022 को राष्ट्रीय खेल घोटाले को लेकर दो केस दर्ज किए थे. पहले में स्पोर्टस कांप्लेक्स निर्माण में हुई गड़बड़ी का मामला था. मामले में सीबीआई ने अज्ञात पब्लिक सर्वेंट्स एवं अज्ञात प्राइवेट पर्संस के खिलाफ जांच प्रारंभ की थी. इसी मामले में सीबीआई ने डेढ़ साल से अधिक समय तक जांच की. वही, दाखिल क्लोजर रिपोर्ट पर अदालत 20 फरवरी को सुनवाई करेगी.

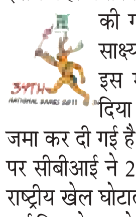

28.38 करोड़ घोटाले का है आरोप

खेल घोटाले को लेकर वर्ष 2010 में निगरानी कांड संख्या 49/2010 के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी, लेकिन 12 साल बीतने के बाद भी जांच पूरी नहीं हुई तो ऐसी स्थिति में मामले की जांच झारखंड हाइकोर्ट ने संबंधित जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान 2022 में सीबीआई को सौंप दिया. 34वें राष्ट्रीय खेल में 28 करोड़ 38 लाख रुपए के घोटाले का आरोप है.

खेल घोटाले के दूसरे मामले में जारी है तफ्तीश : राष्ट्रीय खेल घोटाले में सीबीआई ने दो प्राथमिकी दर्ज की है. प्राथमिकी आरसी 2/2022 मामले की जांच जारी है. सीबीआई ने आयोजन समिति के तत्कालीन कार्यकारी अध्यक्ष राम कुमार आनंद, कोषाध्यक्ष मधुकांत पाठक, सचिव एसएम हाशमी, पीसी मिश्रा समेत अन्य पर प्राथमिकी दर्ज की है. मामले की जांच जारी है.

हेमंत ने खुद राजभवन आकर सौंपा था इस्तीफा: राज्यपाल

- इस पूरे प्रकरण में राजभवन की कोई भूमिका नहीं : राधाकृष्णन

प्रमुख संवाददाता। रांची

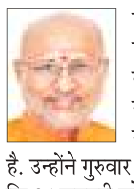

राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने पहली बार पूर्व सीएम हेमंत सोरेन की इस्तीफे पर गुरुवार को बात रखी है. उन्होंने गुरुवार को बातचीत में कहा कि 31 जनवरी को पूर्व सीएम के साथ जो लोग आए थे, वे जानते हैं कि हेमंत ने 31 जनवरी को राजभवन आकर खुद इस्तीफा सौंपा था. मैंने इस्तीफा देने को नहीं कहा. इस पूरे प्रकरण में राजभवन की कोई भूमिका नहीं है. राज्यपाल ने कहा कि ईडी ने हेमंत को हिरासत में ले लिया था. इस बात का जिक्र खुद हेमंत सोरेन ने अपने इस्तीफे में किया है. जिसमें इस बात का जिक्र है कि उन्हें ईडी ने हिरासत में ले लिया है. और इसलिए मैं इस्तीफा देना चाहता हूं. मैंनें कहा, तो ठीक है मैं मानने को तैयार हूं. हम तीन घंटे से तत्कालीन सीएम हेमंत सोरेन इंतजार कर रहे थे. और जब वह आए तो हमने इस्तीफा स्वीकार कर लिया. राजभवन पर लग रहे आरोपों पर कहा कि राजभवन क्यों और कहां शामिल है. क्या राजभवन कदाचार में शामिल है. यह तो हेमंत सोरेन के बाहर आने के बाद ही साबित हो पाएगा.

आईएएस शशि रंजन ही नहीं कई और ब्यूरोक्रेट्स के लिए पावर ब्रोकर विनोद सिंह ने किया काम!

सौरभ सिंह। रांची

पावर ब्रोकर विनोद सिंह का वाट्सएप चैट इन दिनों चर्चा में हैं. 7 फरवरी को आईएएस शशि रंजन समेत तीन अफसरों की पोस्टिंग के लिए भेजे गये मैसेज का चैट वायरल हुआ था. इस बीच एक सूत्र ने दावा किया है कि विनोद सिंह कई और ब्यूरोक्रेट्स की पोस्टिंग को लेकर भी सक्रिय था. इनमें कई आईएएस व आईपीएस शामिल हैं. ईडी ने कोर्ट में जो रिपोर्ट सौंपी है, उसमें दावा किया है कि विनोद सिंह अफसरों की ट्रांसफर-पोस्टिंग में शामिल था. हालांकि जो चैट सामने आयी हैं, वह वर्ष 2020 की हैं और एकतरफा भेजा गया मैसेज है. इस बात की जांच हो रही है कि उसके चैट में जिन अफसरों के नाम हैं, उनकी पोस्टिंग हुई या नहीं.

मोबाइल में ऑडियो व वीडियो भी मिले हैं

सूत्रों ने बताया है कि जांच के दौरान ईडी को विनोद सिंह के मोबाइल में कई ऑडियो-वीडियो मिले हैं. जिसकी पड़ताल की जा रही है. यह जांच की जा रही है कि ऑडियो वीडियो का संबंध किन-किन अफसरों या दूसरे लोगों से है. माना जा रहा है कि इसी के आधार पर ईडी की आगे की कार्रवाई शुरू होगी.

विनोद सिंह के घर मिले थे कई दस्तावेज : ईडी ने 7 फरवरी को विनोद सिंह से पूछताछ की थी. इससे पहले विनोद सिंह के घर पर रेड की थी. रेड में ईडी को कई तरह के दस्तावेज मिले थे. विनोद सिंह के ठिकानों से जेएससीसी द्वारा ली गयी परीक्षाओं में शामिल होने वाले अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड की फोटो कॉपी भी मिली है. उल्लेखनीय है कि ईडी ने तीन दिन पहले राज्य पुलिस को पत्र लिख कर जेएससीसी द्वारा ली गयी परीक्षा के पेपर लीक मामले को लेकर दर्ज प्राथमिकी के बारे में जानकारी मांगी है.

अच्छी खबर गिरिडीह में कुल 41 मेगावाट है बिजली की खपत, तीन मेगावाट सोलर पावर से लक्ष्य हासिल किया

गिरिडीह 2025 तक पूर्ण रूप से बन जाएगा सोलर सिटी

- देश में झारखंड एक ऐसा राज्य है जहां पर 1-3 किलोवाट तक रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाया जा रहा है बिल्कुल फ्री

कौशल आनंद। रांची

पायलट प्रोजेक्ट के रूप में सेंट्रल मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूबल एनर्जी द्वारा चिह्नित गिरिडीह शहर आगामी 2025 तक पूर्ण रूप से सोलर सिटी के बन जाएगा. झारखंड ज्रेडा की ओर से इस दिशा में तेजी से कार्य किया जा रहा है. गिरिडीह शहर में कुल खपत 41 मेगावाट बिजली में से अब तक कुल 3 मेगावाट सोलर पावर का लक्ष्य हासिल कर लिया है. शेष बचे 39 मेगावट का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में कार्य तेजी से जारी है. ज्रेडा ने आगामी 2025 तक गिरिडीह शहर को पूर्ण रूप से सोलर सिटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा है.

धार्मिक व औद्योगिक एरिया के कारण गिरिडीह को चुना गया : केंद्र सरकार द्वारा धार्मिक व औद्योगिक एरिया को देखते हुए गिरिडीह शहर को सोलर सिटी के रूप में चयन किया गया. गिरिडीह में देश-दुनिया का सबसे पवित्र तीर्थ स्थल पारसनाथ पहाड़ी है, जो जैन धर्मियों का महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल भी है. इसके अतिरिक्त गिरिडीह को औद्योगिक सिटी के रूप में जाना जाता है. इसके तहत इस शहर में कुल बिजली खपत का ग्रीन एनर्जी या रिन्यूबल एनर्जी के रूप में हासिल करना है.

1-3 किलोवाट तक रूफ टॉप सोलर प्लांट लगाने पर पूरी तरह है फ्री

देश में झारखंड ही ऐसा राज्य है जहां गिरिडीह शहर में 1-3 किलोवाट तक सोलर रूफ टॉप लगाने के पर कोई चार्ज कंज्यूमर को नहीं देना होगा. केंद्र सरकार 40 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है, शेष 60 प्रतिशत राशि पूरी तरह से झारखंड सरकार वहन कर रही है. 1 किलोवाट के रूफ टॉप प्लांट पर 55000 रुपये की खर्च आता है. यह पूरी तरह से बैटरी लेस ग्रिड कनेक्टेड प्लांट रहेगा, यानि की खपत के बाद शेष बचे बिजली को ग्रिड के जरिये बेची जा सकती है. 3 किलोवाट से ऊपर के प्लांट लगाने पर 30 प्रतिशत राशि आम कंज्यूमर को वहन करना पड़ेगा. 3 किलोवाटर से ऊपर की खपत अधिकांशतः कॉमर्शियल या औद्योगिक क्षेत्र के कंज्यूमर करते हैं.

यह है पूरी योजना

- सेंट्रल मिनिस्ट्री ऑफ न्यू एंड रिन्यूबल एनर्जी द्वारा पारसनाथ धार्मिक स्थल के कारण गिरिडीह शहर सोलर सिटी के रूप को चुना गया
- झारखंड में ज्रेडा के द्वारा इस कार्य को 2022 में शुरू किया. 5 जुलाई को पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से इस योजना का शिलान्यास किया
- इसके तहत कुल खपत बिजली का ग्रीन एनर्जी यानि कि सोलर पावर से उसे पूरी करनी है
- इसके तहत तीन तरह के कार्य होना है, रूफ टॉप सोलर प्लांट, सोलर स्ट्रीट लाइट व ग्राउंड माऊटेंट सोलर प्लांट के तहत सोलर बिजली उत्पादन करना.
- इससे 15 करोड़ रुपये की मासिक थर्मल बिजली की बचत होगी
- इससे उपभोक्ता बिजली खपत के बाद बिजली को बेच कर अपने बिजली बिल को जीरो कर सकते हैं.

*हम गिरिडीह शहर को सोलर सिटी के रूप में विकसित करने की दिशा में से बढ़ रहे हैं. 2025 तक इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए कार्य तेजी से जारी है. देश में झारखंड ऐसा राज्य है, जहां पर 1-3 किलोवाट रूफ टॉप सोलर प्लांट के लिए केंद्रीय 40% के सब्सिडी के अलावे शेष राशि सरकार वहन कर रही है. यानी 1-3 किलोवाट रूफ टॉप के लिए लोगों को एक पैसा नहीं देना होगा. - **केके वर्मा, निदेशक ज्रेडा***

63.98 लाख ठगने वाले दो साइबर अपराधियों को सीआइडी ने दबोचा

संवाददाता। रांची

63.98 लाख रुपए की ठगी करने वाले दो साइबर अपराधियों को सीआईडी ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार साइबर अपराधियों ने यूपी के लखनऊ के रहने वाले राहुल त्रिपाठी और देव प्रकाश शामिल हैं. सीआईडी ने गुरुवार जानकारी देते हुए बताया कि सात दिसंबर 2023 को साइबर क्राइम थाना कांड 105/2023 दर्ज किया गया था. दर्ज कराए गए मामले में वादिनी ने कहा था कि, साइबर अपराधी ने उनसे टेलीग्राम के माध्मय से संपर्क किया था. जिसमें लूडो और फिशडोम को लाइक कर स्क्रिन शॉट भेजने का पार्ट टाइम जॉब ऑफर किया गया. जिसके बाद वीडियो लाइक करने का काम दिया गया.

विभिन्न बैंक खाताओं में पैसे डालने को बोला गया : टेलीग्राम प्रोफाइल के माध्यम से दिए गए टास्क को करने के लिए इन्हें विभिन्न बैंक खाताओं में पैसे डालने को बोला गया. फिर उनसे यह कहा गया कि, पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में इन्वेस्ट कर दिया जाएगा. जिससे मिलने वाले लाभ को ग्लोबल कम्पनी की साइट global-171.in पर दिखाया जायेगा. इसके बाद वादिनी को इन्वेस्ट किये हुए पैसे फेक अकाउंट में दिखना शुरू हो गया, जिससे वह झांसे में आ गई. झांसा में लेने के लिए इनके अकाउंट में कुछ पैसे डाले गये, लेकिन बाद में पैसे डालना बंद कर दिया गया और इस तरह से इनके साथ कुल 63.98 लाख रुपयों की साइबर ठगी कर ली गयी.

परीक्षा में अच्छे प्रदर्शन के लिए छात्रों को तनाव मुक्त रहना जरूरी: डॉ किरण

पियूष गौतम। रांची

सीबीएसई की 10वीं - 12वीं बोर्ड की परीक्षा 15 फरवरी से शुरू हो रही है.

परीक्षा शुरू होने में 6 दिन शेष हैं. बोर्ड परीक्षा को लेकर छात्रों में तनाव को लेकर डीएवी नीरजा सहाय स्कूल की प्राचार्य डॉ. किरण यादव ने महत्वपूर्ण बातें साझा की है. उन्होंने बताया कि परीक्षा का समय विद्यार्थी, अभिभावक और शिक्षक सभी के लिए वर्ष का सबसे कठिन समय होता है. विद्यार्थी चाहे वह कितना भी मेधावी हो, अभिभावक चाहे कितने भी सजग हों, पर परीक्षा का ताप ज्वर बनकर सबके मनोमस्तिष्क पर आच्छादित हो जाता है. बेहतर करने की होड़, अव्वल आने की ललक और प्रतिस्पर्धा विद्यार्थी को कुंठा, निराशा और तनाव से आवृत्त कर देता है.

परीक्षा के दौरान तनाव होने पर कभी भी बेहतर परिणाम नहीं आ सकता. बेहतर प्रदर्शन के लिए परीक्षा के समय केवल बच्चों को ही नियम कायदे को ध्यान में रखने की आवश्यकता नहीं होती, बल्कि अभिभावकों को भो अपनी भूमिका के प्रति सतर्क रहना चाहिए. बच्चों को तनाव मुक्त रखने के लिए अभिभावक रखें इन बातों का ख्याल. अभिभावकों को चाहिए कि वे अपने बच्चों पर भरोसा जतायें और उनके निर्णयों पर विश्वास करें. घर के माहौल को खुशनुमा बनाये रखें. अभिभावकों की यह जिम्मेदारी बनती है कि वे बच्चों के पढ़ने के अनुरूप माहौल बनायें.

तैयारी और आयोजन की सफलता को लेकर हुआ विचार-विमर्श

वेलेंटाइन डे के दिन ही होगा भगवान भोले बाबा का तिलक

राजन बॉबी । रांची

हुई बैठक

- गणमान्य लोगों के साथ आम भक्तों को भी निमंत्रण
- भगवान शंकर और मां पार्वती का विवाह रचाया जाएगा

बसंत पंचमी और वेलेंटाइन डे संग इस बार बाबा का तिलकोत्सव भी मनाया जायेगा. इसको लेकर जोर-शोर से तैयारी की जा रही है. तिलकोत्सव और भव्य रूप में शिव बरात निकालने को लेकर गुरुवार को श्रीबारात आयोजन महासमिति की बैठक हुई. इसमें तैयारी और आयोजन की सफलता को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गयी. अध्यक्षता कर रहे समिति के संस्थापक अध्यक्ष राजेश कुमार साहू राजू भैया ने बताया कि 14 फरवरी को पहाड़ी बाबा का तिलक भक्तगण चढ़ायेंगे. इस अवसर पर बाबा का शृंगार-पूजन के साथ वृहत रूप में श्रद्धालुओं द्वारा भंडारे का आयोजन भी किया जायेगा.

उन्होंने बताया कि महाशिवरात्रि के मौके पर आठ मार्च को शिव बरात निकाली जायेगी. कई तरह के गाजे-बाजे, भूत-वेताल और देवी-देवताओं की जीवंत मनोहारी झांकी बारात में लुभायेगी. यात्रा के दौरान रास्ते भर छऊ नर्तक और भजन गायक रंग जमायेंगे. दोपहर बाद पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार से यात्रा निकलेगी. परंपरानुसार सीएम चंपाई सोरेन आरती उतार बाराती बने भक्तों को विदा करेंगे. बारात नगर भ्रमण कर विश्वनाथ शिव मंदिर, पिस्का मोड़ पहुंचेगी. यहां भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह रचाया जायेगा. इसके लिए मंदिर समिति के शैलेश्वर दयाल सिंह के नेतृत्व में तैयारी की जा रही है. उन्होंने बताया कि समय पूर्व समिति के पदाधिकारी मुख्यमंत्री को न्यौता देने जायेंगे. शहर के गणमान्य संग आम भक्तों को भी निमंत्रण बांटा जायेगा. राजू ने शहर के लोगों से यथासंभव मदद की अपील की है. इस दौरान बैठक में जितेंद्र सिंह, दीपक लाल, विनय सरावगी, राजकुमार तलेजा, नवनीत सिंह, राम सिंह, बादल सिंह, मेहूल प्रसाद, दीपक नंदा, सुमित सिंह, गगन कुमार, मीरा गुप्ता, नीतू बजाज, आकृति सिंह, वैष्णवी, आकांक्षा वर्मा, उर्मिला चौधरी, अर्चना मिर्द्धा, बेबी बाड़ी, पूनम जायसवाल आदि शामिल थे.

गाजे-बाजे के साथ निकलेगी शोभायात्रा

श्रीश्री शिव बरात आयोजन समिति भी बसंत पंचमी के दिन देवाधिदेव महादेव का तिलकोत्सव भव्य रूप में मनोगी. अध्यक्ष रमेश सिंह के नेतृत्व में इसकी तैयारी जोर-शोर से की जा रही है. मीडिया प्रभारी नमन भारतीय ने बताया कि हरिओम मंदिर, कृष्णा नगर कॉलोनी से गाजे-बाजे के साथ देवाधिदेव महादेव की तिलकोत्सव शोभायात्रा निकाली जायेगी. इसमें शामिल श्रद्धालु नाचते-झूमते कॉलोनी का भ्रमण कर माउंट मोटर गली के रास्ते शिव मंदिर, इंद्रपुरी आयेंगे. यहां भोले बाबा का तिलक पूजन पुरोहितों द्वारा कराया जायेगा. रमेश सिंह ने श्रद्धालुओं से इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लेने की अपील की है.

आर्यपुरी के शिव मंदिर से आयेगा तिलक

आर्यपुरी के पंच देव शिव मंदिर से सराती बन श्रद्धालु गाजे-बाजे के साथ पहाड़ी बाबा का तिलक चढ़ाने आयेंगे. मंदिर पहुंचने पर श्रीशिव बारात आयोजन महासमिति के पदाधिकारी और सदस्य बाराती बन सभी का स्वागत करेंगे. मुख्य मंदिर में पुजारी मनोज मिश्रा, कबीर बाबा पिंटू पांडेय विधिवत तिलक पूजन करायेंगे. शिव मंदिर समिति के संरक्षक दीपक गुप्ता, पुरोहित श्रीनंद कुमार पाठक, पूर्व पार्षद सुनीता देवी रितेश पाठक, प्रेम साहू, अशोक बजाज, नवीन पपनेजा, संदीप जैन पप्पू और आरती मंडल की महिला समिति की सदस्य मुख्य रूप से बाराती की भूमिका निभायेंगी.

ईसाइयों का चालीसा काल 14 से

जयंती कच्छप। रांची

ईसाई समुदाय का चालीसा काल 14 फरवरी को प्रारंभ हो जाएगा. चालीसा काल को महाउपवास काल (लेंट) भी कहा जाता है. इस चालीसा काल में किसी भी तरह उत्सव कार्यक्रम नहीं किया जाता है. चालीसा काल रविवार को छोड़ 40 दिनों का होता है. गुड़ फ्राइडे के दिन उपवास समाप्त हो जाता है. लेंट के पहले दिन राख बुधवार मनाया जाता है. इस मौके पर सभी गिरजाघरों में विशेष आराधना-अनुष्ठान का आयोजन किया जाएगा. रोमन कैथोलिक कलीसिया के लोग अपने माथे पर राख का आशीष लगाते हैं. विशेष आशीष प्रदान करने के बाद श्रद्धालुओं के मस्तक पर क्रूस चिह्न

के रूप में राख लगाया जाता है. 40 दिनों तक उपवास रख कर प्रभु यीशु से प्रार्थना और बाइबल के अध्यायों का अध्ययन करते हैं.

18 फरवरी को चालीसा का पहला रविवार 22 फरवरी, संत पेत्रुस के धर्मासन का पर्व 25 फरवरी, चालीसा का दूसरा रविवार एवं 27 फरवरी को संत गाब्रिएल का पर्व मनाया जाएगा. चालीसा काल पर रांची के पुरुलिया रोड स्थित संत मरिया महागिरजा घर के पल्ली पुरोहित फादर आनंद डेविड खलखो ने कहा कि चालीसा काल में सभी विश्वासी यीशु के दुख भोग काल का स्मरण करते है . यीशु ख्रीस्त के दुखभोग, मृत्यु एवं पूर्ण उत्थान, दुखभोग में हम सभी स्मरण करते हैं. इसकी शुरुआत राख बुध से होती हैं. यह राख हम सभी को यह याद दिलाता है कि हम सभी मिट्टी से बने है,और एक दिन मिट्टी में मिल जाएंगे. हमारा शरीर नश्वर है. राख के द्वारा कलीसिया दुखभोग में सम्मलित हो जाते हैं. पापों के लिए बलिदान के रूप में इस दिन विशेष रूप से विश्वासी कलीसिया एवं पुरोहित उपवास करते हैं. यह राख खजूर पर्व के खजूर डाली के जले हुए अवशेष से बनाते हैं.

अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद का प्रशिक्षण शिविर

रांची । अंतर्राष्ट्रीय मैथिली परिषद के तत्वावधान में दो दिवसीय मिनी कार्यकर्ता प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ. अंतरराष्ट्रीय मैथिली परिषद के संस्थापक सह राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. धनाकर ठाकुर के तुपुदाना स्थित आवास पर प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन पूरे राज्य से पच्चीस प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण लिया. इस अवसर पर डॉ. ठाकुर ने कहा कि झारखंड में मैथिली को नियोजन नीति में सम्मिलित करने के लिए आंदोलन तेज करना होगा. इसके लिए सभी संगठनों के भाषा प्रेमी को आगे आना होगा. वहीं इस दौरान विधानसभा सत्र के समय एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करने का निर्णय लिया गया.

रांची विमेंस कॉलेज में 7 दिनी शिविर का हुआ समापन

संवाददाता। रांची

रांची विमेंस कॉलेज के एनएसएस द्वारा आयोजित 7 दिवसीय शिविर का आयोजन गुरुवार को समापन हुआ. शिविर के आखिरी दिन सभी कार्यकर्ताओं ने रांची विमेंस कॉलेज के साइंस ब्लॉक के सभागार में एकत्रित होकर अपने शिविर के अनुभवों को साझा किया. कार्यकर्ताओं ने नृत्य संगीत व नुक्कड़ नाटक के माध्यम से अपने विचारों को अभिव्यक्त किया.

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर उपप्राचार्या डॉ विनीता सिंह थी. प्राचार्या डॉ सुप्रिया द्वारा सभी 50 कार्यकर्ताओं को सात दिवसीय विशेष शिविर के समापन पर प्रमाण पत्र दिया गया. मौके पर उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास तथा समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के लिए कार्य करना है. सात दिवसीय विशेष शिविर में कार्यकर्ताओं ने प्रत्येक दिन भाषण , पोस्टर, नुक्कड़ नाटक, नृत्य प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया था. इन सभी प्रतिभागी छात्राओं को प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान का प्रमाण पत्र दिया गया. राष्ट्रीय सेवा योजना रांची विमेंस कॉलेज इकाई एक की टीम लीडर आकांक्षा और तनिष्क मिश्रा को उनके कुशल संयोजन के लिए पुरस्कृत किया गया.

टीआरएल संकाय में प्रफुल्ल राय की 98वीं जयंती मनाई गई

रांची। संवाददाता

रांची विश्वविद्यालय के नागपुरी भाषा विभाग के तत्वावधान में गुरुवार को नागपुरी भाषा के प्रसिद्ध साहित्यकार प्रफुल्ल कुमार राय की जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर मुख्य अतिथि झारखंड राज्य मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो त्रिवेणी नाथ ने प्रफुल्ल कुमार राय के बहुआयामी व्यक्तित्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज का दिन संकल्प लेने का दिन है. नागपुरी भाषा साहित्य के उतरोत्तर विकास में नागपुरी भाषा के मूर्धन्य साहित्यकार प्रफुल्ल कुमार राय का बहुत ही बहुमूल्य योगदान रहा है. भाषा के प्रति उनकी जो श्रद्धा और सोच थी उस सपने को हम सभी को मिलकर, बगैर किसी भेदभाव के निःस्वार्थ भाव के साथ साकार रूप देने की आवश्यकता है. अतिथियों का स्वागत एवं विषय प्रवेश कराते हुए नागपुरी विभाग की अध्यक्ष डॉ. सविता केशरी ने प्रफुल्ल कुमार राय के साहित्यिक व सांस्कृतिक परिदृश्य

लिया संकल्प

- नि :स्वार्थ भाव के साथ साकार रूप देने की आवश्यकता है
- प्रफुल्ल दा गायन, वादन के साथ सामाजिक चिंतक भी थे

को उजागर करते हुए कहा कि हम नागपुरी भाषा-भाषी ऐसे महान व्यक्ति को पाकर धन्य हैं. उन्हें जो सम्मान मिलना चाहिए, वह सम्मान आज तक नहीं मिल पाना बहुत ही दुखद है. उन्होंने झारखंड आंदोलन में भाषायी व सांस्कृतिक अगुवाई कर आंदोलन को गति प्रदान की. संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए टीआरएल संकाय के समन्वयक डॉ. हरि उरांव ने कहा कि आज का दिन अविस्मरणीय है.

हम ऐसे विद्वान की जयंती मना रहे हैं, जिनकी बदौलत, जिनके संघर्ष का ही परिणाम है कि यह टीआरएल विभाग की स्थापना संभव हो पाया और आज हम इस मुकाम पर पहुंच पाये. उन्होंने कहा कि प्रफुल्ल दा गायन, वादन, लेखन के साथ साथ सामाजिक चिंतक भी थे. विशिष्ट अतिथि डॉ. खालिक अहमद ने कहा कि प्रफुल्ल कुमार राय की कविता आब नागपुर चुप नइ रही, आब नागपुर बोली, को रेखांकित करते हुए कहा कि प्रफुल्ल दा जैसे शख्स का मिलना मुश्किल है. चूंकि ऐसे महापुरुष हमारे बीच कभी कभार ही जन्म लेते हैं. उनके संघर्षों को हमारी नयी पीढ़ी को जानना व समझना चाहिए.

इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. गीता कुमारी सिंह, मनय मुंडा, डॉ. रामकिशोर भगत, डॉ. बीरेन्द्र कुमार महतो, डॉ. रीझू नायक, तारकेश्वर मुंडा, डॉ किशोर सुरीन, करम सिंह मुंडा, डॉ. बंदे खलखो, डॉ. दिनेश कुमार दिनमणि, डॉ. सरस्वती गागराई, डॉ नरेंद्र कुमार दास, जयप्रकाश उरांव, गुरुचरण पूर्ति, युगेश प्रजापति, आलोक कुमार मिश्रा, प्रवीण कुमार सिंह, रवि कुमार, युवराज साहु, श्रीकांत गोप, संदीप कुमार महतो, सुखराम उरांव, सरिता, जगदीश, चन्द्रिका कुमारी, श्यामसुंदर, बब्लू कुमार साहु, विष्णु पदा महतो, रवि कुमार, प्रवीण कुमार के अलावे बड़ी संख्या में भाषा प्रेमी, साहित्यकार, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं मौजूद थे.

बरियातू में निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का हुआ आयोजन

रांची। संवाददाता

रांची पेयजलापूर्ति योजना फेज 2 ए के तहत गुरुवार को जुड़को के द्वारा बरियातू के मस्जिद कालोनी में स्थानीय लोगो का निःशुल्क हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया था. इस हेल्थ चेकअप में कई स्थानियों लोगों ने आकर अपना हेल्थ चेकअप करवाया. इस कैंप में लोगों को सुगर, बिपी, हार्ट समेत कई अन्य बीमारी के इलाज के लिए परामर्श दिए गए तथा जांच की गई. साथ ही जुड़को के अधिकारियों के द्वारा वाटर कनेक्शन के प्रोत्साहन कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया. जिसमें लोगो को वाटर कनेक्शन जल्द से जल्द लगवाने और इस प्रक्रिया के बारे में प्रेरित किया गया. इसमें आयोजन में एजेंसी एनसीसी, पीएमयू और झारखंड हेल्थ एमिसन ट्रस्ट द्वारा हिस्सा लिया गया.

समारोह में पांच पुस्तकों का हुआ लोकार्पण

संवाददाता । रांची

नागपुरी भाषा परिषद के तत्वावधान में गुरुवार को नागपुरी दिवस मनाया गया. इस दौरन पांच पुस्तकों का विमोचन किया गया. उन पुस्तकों में क्षितीश कुमार राय द्वारा लिखित रुपु, डॉ. उमेश नंद तिवारी द्वारा संपादित पारम्परिक औषधीय ज्ञान, डॉ. अंजु कुमारी साहु द्वारा लिखित नागपुरी नाट्य साहित्य का उद्भव और विकास, नागपुरी एवं हिंदी का रूप और वैज्ञानिक अध्ययन और डॉ. राम कुमार तिवारी द्वारा लिखित नागपुरी काव्य कर विविध आयाम शामिल हैं. यह कार्यक्रम डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण एवं शोध संस्थान में आयोजित किया गया. नागपुरी के वरिष्ठ साहित्यकार पार्थनंद तिवारी एवं नागपुरी की लोकप्रिय गायिका जानकी देवी को प्रफुल्ल सम्मान से सम्मानित किया गया.इस कार्यक्रम में शामिल नागपुरी के लेखक और साहित्यकारों ने अपने अपने गीतों को प्रस्तुत किया. मुख्य अतिथि के तौर

पर पद्मश्री मुकुंद नायक और विशिष्ट अतिथि के तौर पर पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख, रणेन्द्र, अवधमणि पाठक, डॉ. शकुन्तला मिश्र, डॉ. उमेश नंद तिवारी , डॉ. राम कुमार तिवारी, अंतु तिर्की समेत अन्य शामिल रहे.

पद्मश्री मुकुन्द नायक ने कहा कि नागपुरी भाषा झारखंड की सम्पर्क भाषा है. इसकी पढ़ाई प्राथमिक स्तर से होनी चाहिए. बच्चे अपनी मातृभाषा में पढ़ेंगे तभी साक्षरता दर भी बढ़ेगी. डॉ . उमेश नंद तिवारी ने कहा कि प्रफुल्ल कुमार राय नागपुरी साहित्य के पुरोधा ही नहीं, नागपुरी साहित्य को नई दिशा और दशा देने वाले साहित्यकार थे, जिन्होंने नागपुरी की पहली कहानी ही नहीं लिखी, बल्कि आधुनिक नागपुरी साहित्य का बीजारोपण भी किया है.

रणेन्द्र ने कहा कि साहित्य से ही समाज की पहचान होती है. नागपुरी साहित्य विकास सीढ़ी चढ़ता जा रहा है, यह गर्व की बात है. साहित्यकारों को उनके जलाए लौ को हमेशा प्रज्वलित करके रखना चाहिए.

57,700 मानदेय के लिए वीसी को दी बधाई

संवाददाता। रांची

रांची विश्वविद्यालय में वर्ष 2015 से कार्यरत अतिथि शिक्षक समान कार्य समान वेतन की मांग को लेकर पिछले कई दिनों से रांची विश्वविद्यालय परिसर में धरने पर थे. उनकी मांगों को लेकर रांची विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचना जारी कर दी गई है. अब इन्हें भी 57,700 मानदेय का भुगतान किया जाएगा. विवि के निर्णय के बाद शिक्षकों के प्रतिनिधिमंडल ने कुलपति से मुलाकात कर उन्हें पौधा देते हुए धन्यवाद दिया. संघ के अध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने कहा कि कुलपति अजीत कुमार सिन्हा ने हमें हमारा सम्मान लौटाया, जिसके लिए हम सभी शिक्षक उनके आभारी हैं. संघ के उपाध्यक्ष अमित कुमार ने कहा कि राज्य सरकार के निर्देशन के अनुरूप विश्वविद्यालय अब हमें भी समान कार्य समान वेतन प्रदान कर रहा है, जिस कारण अब हम

आर्थिक चिंताओं से मुक्त होकर विश्वविद्यालय की सेवा करने में अपनी सारी क्षमता लगा देंगे. मौके पर विश्वविद्यालय के कुल सचिव विनोद नारायण, डीएसडब्ल्यू डॉक्टर सुदेश कुमार साहू व प्रॉक्टर मुकुंद कुमार मेहता को भी पौधा देकर धन्यवाद दिया गया.

बता दें कि राज्य सरकार का निर्देशन है कि आवश्यकता आधारित सहायक अध्यापकों के अनुरूप ही पहले से कार्यरत अतिथि शिक्षकों को भी मानदेय का भुगतान किया जाना था. इसी के आधार पर सभी शिक्षक अपनी मांगों को लेकर धरना पर बैठे थे. इस अवसर पर अंकित कुमार शर्मा, विकास कुमार, डॉ राजू हजाम, डॉ जमील, डॉ रंजू कुमारी, डॉ ज्योति डुंगडुंग, अभिषेक आर्यन, निहारिका महतो, चक्षु पाठक, निशा कुमारी, मनमोहन टुडू आदि भी उपस्थित थे.

पेपर लीक: राज्य में शिक्षा माफिया सक्रिय हैं : देवेंद्र

संवाददाता। रांची

छात्र नेता देवेंद्र महतो ने कहा कि राज्य में शिक्षा माफिया सक्रिया हैं और जेएसएससी परीक्षा में एक साजिश के तहत पेपर लीक कराया गया है. देवेंद्र महतो गुरुवार को मोरहाबादी में आयोजित प्रेसवार्ता में यह बात कही और जेएसएससी द्वारा छात्रों पर दर्ज प्राथमिकी वापस लेने कली मांग की. उन्होंने कहा कि जिस प्रकार कोयला, बालू, जमीन कारोबारी फल फूल रहे हैं, वैसे ही अब शिक्षा विभाग में नये माफिया का गिरोह चल रहा है, जो शिक्षा का पूरा सिस्टम खोखला करने में लगा हुआ है. उसे छात्र कभी बर्दास्त नहीं करेंगे. उन्होंने कहा कि 10 साल से विद्यार्थी विभिन्न परीक्षाओं की तैयारी में जुटे हुए हैं. सरकार के बजट से दोगुना बजट परीक्षा की तैयारी में लगा है, क्योंकि झारखंड में 7 लाख विद्यार्थी

परीक्षा में बैठे थे औऱ 10 साल से जेएसएससी की तैयारी कर रहे थे. छत्र नेता योगेश कुमार ने कहा आज शिक्षा सिस्टम पर भरोसा टूट चुका है और अधिकारियो के मिली भगत के कारण बाहर के लोग यहां अधिकारी बन रहे हैं. यही हाल रहा तो आने वाले समय में स्थानीय लोगों की नौकरी बाहरी लोग ले लेंगे. मौके पर अभ्यर्थी चंदन कुमार, योगेश कुमार समेत अन्य कई छात्र नेता शामिल थे.

क्राउन पब्लिक स्कूल में पढ़ा रही हैं गोल्ड मेडलिस्ट सादिया

रांची । बचपन से ही पढ़ाई में अव्वल रही गोल्ड मेडलिस्ट सादिया आफरीन अध्यापिका बन चुकी हैं. वह हरमू निवासी चौधरी इफ्तेखार अहमद की पुत्री है. सादिया आफरीन ने 2015 में बीए इंग्लिश ऑनर्स की परीक्षा मारवाड़ी कॉलेज रांची से 68.8 % अंक के साथ पास की थी. इस परीक्षा में वह कॉलेज टॉपर व गोल्ड मेडलिस्ट बनीं. 2017 में एमए इंग्लिश रांची विश्वविद्यालय (लिंगाविस्टिक व लैंगवेज टिचिंग) सीजीपीए में 6.44 फीसदी, 66.38 फीसदी अंक प्राप्त किया. वर्तमान समय में सादिया रांची के क्राउन पब्लिक स्कूल में शिक्षिकि के रूप में कार्यरत अपनी सेवा दे रही हैं. सादिया आफरीन इस बात का उदाहरण है कि यदि लड़कियों की पढ़ाई-लिखाई पर ध्यान दिया जाये तो वे बहुत अच्छा कर सकती हैं और यह साबित कर सकती हैं कि वे किसी से कम नहीं हैं.

विहिप का 15 दिनी धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान 10 से

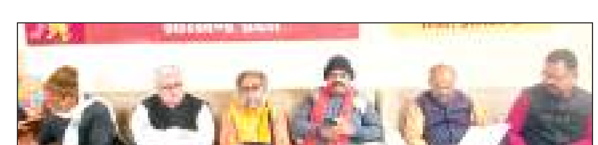

संवाददाता। रांची

विश्व हिंदू परिषद झारखंड प्रांत कार्यकारिणी बैठक गुरुवार को प्रांत कार्यालय शक्ति आश्रम, हरमू में हुई. इसमें दस फरवरी से 15 दिनी धर्म रक्षा निधि समर्पण अभियान चलाने को लेकर विचार-विमर्श किया गया. साथ ही इसके लिए प्रांत उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद यादव ने चंद्रकांत का नाम प्रस्तावित किया, जिसे सभी ने ॐ कार ध्वनि से पारित किया. प्रांत सहमंत्री रंगनाथ महतो ने बताया कि वर्ष में एक बार पूरे देश में परिषद सेवा कार्यों के संचालन के लिए हिंदू समाज के मध्य सहयोग अभियान चलाता है. इसमें सभी कार्यकर्ता सहभागी होते हैं. इसके माध्यम से प्रांत के 20 से 25000 राम भक्तों तक पहुंचने की योजना है. समर्पण के लिए पांच सौ रुपये और एक हजार रुपये के कूपन तैयार कराए गए हैं. इससे अधिक की राशि चेक के माध्यम से स्वीकार की जाएगी. उन्होंने बताया कि सेवा के साथ संस्कार और सांस्कृतिक धरोहर को समृद्ध करने के लिए अनेक कार्य किए जाते हैं. उसके क्रियान्वयन में धन की आवश्यकता होती है.

बोर्ड परीक्षा सीबीएसई ने मधुमेह टाइप-1 से पीड़ित छात्रों को परीक्षा में कुछ छूट दी है

डायबिटीज पीड़ित छात्र ले जा सकेंगे जरूरत के सामान

- सीबीएसई द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवेदन करना होगा
- कुछ सामान एक पारदर्शी बॉक्स में रख सकते हैं परीक्षा दे रहे स्टूडेंट्स

संवाददाता। रांची

सीबीएसई ने मधुमेह टाइप-1 से पीड़ित 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों की समस्याओं पर विचार करते हुए उन्हें कुछ छुट दी हैं. विशेषज्ञों की मदद से ऐसे छात्रों को दी जाने वाली सुविधाओं की समीक्षा करने के बाद सीबीएसई ने बोर्ड के विद्यार्थियों को परीक्षा हॉल में पारदर्शी थैली या बॉक्स में कुछ सामान ले जाने की छूट दी है.

लाभ उठाने के लिए छात्रों को करना होगा तय प्रक्रिया का पालन

निम्न सामान ले जाने की है अनुमति

1. चीनी की गोलियां/चॉकलेट/कैंडी
2. स्नैक आइटम जैसे सैंडविच और कोई भी उच्च प्रोटीन आहार
3. केला/सेब/संतरा जैसे फल
4. डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन के अनुसार दवा
5. पानी की बोतल (500 मिली)
6. सतत ग्लूकोज मॉनिटरिंग (सीजीएम) मशीन, फ्लैश ग्लूकोज मॉनिटरिंग (एफजीएम) मशीन और इंसुलिन पंप.
7. ग्लूकोमीटर और ग्लूकोज परीक्षण स्ट्रिप्स

- छात्र एलओसी के पंजीकरण/जमा करने के दौरान यह जानकारी प्रदान करेंगे कि वे टाइप -1 मधुमेह से पीड़ित हैं.
- बोर्ड परीक्षाओं में सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए निम्नलिखित दस्तावेजों को पोर्टल पर अपलोड करना आवश्यक है:
- ए) सीजीएम/एफजीएम/इंसुलिन पंप के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ की सिफारिशें
- बी) माता-पिता का वचन कि छात्रों को सीजीएम/एफजीएम/इंसुलिर पंप प्रदान किया जाता है और यह किसी भी तरह से संचार उपकरण नहीं है जो परीक्षाओं की सुरक्षा में बाधा डाल सकता है.
- इन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए, स्कूल/छात्र/अभिभावक को सीबीएसई द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवेदन करना होगा.
- स्कूल/छात्र/अभिभावक परीक्षा शुरू होने से कम से कम एक दिन पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचेंगे और केंद्र अधीक्षक को सूचित करेंगे.
- शरीर से जुड़े उपकरणों को छोड़कर, बाकी सामान एक पारदर्शी बॉक्स/थैली में सहायक अधीक्षक (निरीक्षक) के पास रखा जाएगा और जरूरत पड़ने पर छात्र इसे ले सकते हैं.

छात्रों ने 25वें वार्षिक खेलों में दिखाया दम

संत माइकल पब्लिक स्कूल में 25वें वार्षिक खेलकूद का आयोजन

संवाददाता। रांची

अरगोड़ा कटहल मोड़ रोड स्थित संत माइकल पब्लिक स्कूल में 25वां वार्षिक खेल-कूद का आयोजन हुआ. मुख्य अतिथि हटिया विधायक नवीन जायसवाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में डिप्टी मेयर संजीव विजयवर्गीय कार्यक्रम में शामिल हुए. कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा शांति के प्रतीक कबूतर उड़ाकर किया गया. प्रतियोगिता में विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन हुआ जैसे 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर रेस एवं बाधा रेस, रिले रेस, बैलून रेस, थ्री लेग रेस, खो-खो, कबड्डी, बैडमिंटन, जैवलिन थ्रो, शॉट पुट थ्रो, डिस्कस थ्रो, हाई जंप, लॉन्ग जंप, ट्रिपल जंप, स्लो साइकिल रेस, इत्यादि समेत कुल 127 इवेंट्स में बच्चों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया. विधायक नवीन जायसवाल ने बच्चों के क्रिया-कलाप, प्रस्तुति एवं अनुशासन की जमकर प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि हमारे जीवन में खेल का महत्वपूर्ण योगदान होता है. खेल के माध्यम से बच्चों के जीवन में सहयोग और अनुशासन की भावना का विकास होता है. खेलकूद से न सिर्फ शारीरिक विकास होता है बल्कि बच्चे मानसिक रूप से भी सुदृढ़ बनते हैं. विद्यालय के निदेशक डॉ. दीपक कुमार सिन्हा ने कहा कि चुकी स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है इसलिए विद्यार्थी के जीवन में पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद जरूरी है. वहीं मौके पर विजयी प्रतिभागियों को मेडल, ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष कार्य में मन लगेगा. अचानक और अप्रत्याशित लाभ हो सकता है. किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी. भाग्य का साथ मिलेगा. पुराना रोग उभर सकता है. विवाद से क्लेश संभव है. समय का लाभ लें.

वृषभ कोई धार्मिक यात्रा होगी. दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी. कार्य पूर्ण होगा. पारिवारिक चिंता दूर रहेगी. कीमती वस्तुओं का लाभ होगा. जुबान पर नियंत्रण आवश्यक है. किसी परिचित से कोई बड़ा लाभ होगा.

मिथुन समय सामान्य है. किसी से बहस नहीं हो, इसका प्रयास करें. डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. भाग्य का साथ रहेगा. व्यापार में वृद्धि के योग हैं. निवेश शुभ रहेगा. आय होगी.

कर्क आय के लिए दिन बहुत अच्छा है. नई योजना बनेगी. कारोबार में वृद्धि होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. नए व्यापारिक अनुबंध होंगे. धनार्जन होगा. लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी. अन्न का दान करें.

सिंह मौसमी बीमारियों से बचना चाहिए. परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा. आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार अच्छा चलेगा. नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे. मंदिर में सेवा करें.

कन्या क्रोध पर काबू जरूरी है. वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें. किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे. आय में निश्चितता होगी. ऐश्वर्य पर व्यय होगा.

तुला समय सामान्य है. माता के स्वास्थ्य पर खर्च हो सकता है. कोई पुराना रोग उभर सकता है. भागदौड़ रहेगी. विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा. किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा. अन्न का दान करें.

वृश्चिक समय बहुत ही अच्छा है. कोई अच्छा समाचार मिल सकता है. पर किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है. व्यर्थ भागदौड़ होगी. कार्य में विलंब होगा. चिंता तथा तनाव रहेंगे. गणेश का मन्त्र जप करें.

धनु समय बहुत ही उत्तम है. धन का आगमन होगा. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में चैन रहेगा. आय में वृद्धि होगी. मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा. माता की सेवा करें.

मकर समय अच्छा है. मानसिक और आर्थिक लाभ होगा. कोई बड़ा लाभ हो सकता है. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें. चोट व रोग से बचें. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी.

कुंभ खर्च पारिवारिक या सामाजिक कार्य में होगा. किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा. कारोबार में वृद्धि होगी. नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी. शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा. चोट व रोग से बचें.

मीन आय और नया कार्य के लिए दिन बहुत ही अच्छा है. कारोबार में वृद्धि होगी. निवेशादि शुभ रहेंगे. नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे. स्त्री पक्ष से लाभ होगा. अनजान और अज्ञात भय रहेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. तेल का दान करें.

सूबे के मुख्य विपक्षी दल भारतीय जनता पार्टी ने झारखंड सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

मेधा घोटाले में सीएमओ की संलिप्तता, सीबीआई जांच होः कुणाल षाड़ंगी

संवाददाता। रांची

झारखंड में कथित जमीन घोटाला मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की जा रही है. अब राज्य में मेधा घोटाला की बात सामने आ रही है. जमीन, खनिज, शराब के बाद अब मेधा घोटाले की बात उजागर होने पर राज्य की मुख्य विपक्षी पार्टी भाजपा ने झारखंड सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है. भाजपा प्रदेश प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने गुरुवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि 8.46 एकड़ जमीन के मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को ईडी ने हिरासत में लिया है. जिस दिन हेमंत सोरेन अपने आवास से ईडी अधिकारियों के आने के पहले 40 घंटे तक रहस्यमय तरीके से गायब रहे थे, उसी दिन उन्होंने राजस्व विभाग से 8.46 एकड़ की विवादास्पद जमीन की जमाबंदी रद्द कर दी थी. अब मेधा घोटाला के सामने आने से लाखों युवाओं में निराशा और रोष का माहौल है. कुणाल षाड़ंगी ने कहा कि कोर्ट में जमा की गयी 539 पन्नों की व्हाट्सएप चैट में राज्य में पिछले दिनों आयोजित जेएसएससी सीजीएल की परीक्षा में हुए प्रश्न पत्र लीक के मामले में सीधे तौर पर मुख्यमंत्री कार्यालय की संलिप्तता पायी गयी है. उन्होंने इस मामले की सीबीआई जांच की मांग की है.

क्या कहा
- मेधा घोटाला के सामने आने से लाखों युवाओं में निराशा
- प्रशन पत्र लीक मामले में सीएम कार्यालय सीधे तौर से संलिप्त

कुणाल षाड़ंगी ने उठाये सवाल
- पुलिस सेवा के किसी भी पदाधिकारी को जेएसएससी का चेयरमैन बनाने की बाध्यता क्यों है?
- प्रश्नपत्र लीक होने पर आंदोलन कर रहे और वर्षों से तैयारी करने वाले छात्रों पर मुकदमा क्यों किया गया?
- जेएसएससी के चेयरमैन पर मुकदमा दर्ज क्यों नहीं हुआ?
- अपने ही कार्मिक विभाग द्वारा एजेंसी के ब्लैकलिस्ट होने की खबर के बाद भी उसी एजेंसी को जेएसएससी द्वारा परीक्षा कराने की अनुमति क्यों दी गयी?
- पूछे गये प्रश्नों का स्तर चतुर्थ विभाग द्वारा पूछे गये प्रश्न से भी निम्न क्यों ?
- 80 अंक पाने वाले सामान्य वर्ग के छात्र का लैब टेक्नीशियन में चयन व गृहनगर में पोस्टिंग और 130 अंक लाने वाले छात्र का चयन नहीं, ऐसा क्यों?
- 9वीं , 10वीं व 11वीं जेपीएससी को छोड़ कर सीधे 12वीं जेपीएससी के चुनाव के समय 17 मार्च को परीक्षा क्यों?
- आनन-फानन में सिर्फ डीएसपी रैंक के अपने ही पुलिस अधिकारी द्वारा प्रश्न पत्र लीक के मामले की जांच क्यों?

जेएसएससी एडमिट कार्ड पूर्व सीएम के करीबी के यहां बरामद होना गंभीर विषयः संजय सेठ

रांची। पूर्व सीएम हेमंत सोरेन और उनके करीबी विनोद सिंह के व्हाट्सएप चैट के खुलासे का मामला गुरुवार को सांसद संजय सेठ ने लोस में शून्यकाल के दौरान उठाया. सेठ ने लोकसभा में कहा कि झारखंड में झामुमो और कांग्रेस की सरकार को लेकर रोज़ नए-नए खुलासे हो रहे हैं. पूर्व की जो सरकार झारखंड में चल रही थी, वह व्हाट्सएप पर चलती थी. ट्रांसफर, पोस्टिंग जैसे कार्य व्हाट्सएप पर किए जाते थे. सांसद ने कहा कि इससे भी गंभीर विषय है कि मुख्यमंत्री के करीबी विनोद सिंह के यहां जेएसएससी की परीक्षा के एडमिट कार्ड बरामद हुए हैं. यह बहुत गंभीर मामला है. राज्य के 9 लाख युवा सड़कों पर हैं. न्याय मांग रहे हैं.

ट्रेन में सवार अपराधी बना रहे थे लूटपाट की योजना, दो महिला भी शामिल

पलामू एक्सप्रेस लूट की योजना बनाते 15 अपराधी हुए गिरफ्तार

आशीष टैगोर ।लातेहार

पुलिस की तत्परता से पलामू एक्सप्रेस के यात्री लुटने से बचे

पुलिस ने सड़क व रेलमार्ग मे लूटपाट करने वाले एक गिरोह का सफाया कर दिया है. सात फरवरी की रात पुलिस ने योजनाबद्ध तरीके से छापामारी कर दस अपराधियों को गिरफ़्तार किया. ये सभी बरवाडीह-बरकाखाना रेलवे स्टेशन में चलने वाली पलामू एक्सप्रेस ट्रेन में लूटपाट की योजना बना रहे थे. इन्हें लातेहार रेलवे स्टेशन के दक्षिण दिशा में तूपू जाने वाले सड़क में पास से गिरफ्तार किया गया है. इनकी निशानदेही पर पांच अन्य अपराधियों की गिरफ्तारी की गयी है. इसमें दो महिला भी शामिल है. लूटेरों के पास से तीन देसी पिस्टल व दो देशी कारबाइन समेत कई हथियार व कारतूस बरामद किया गया है. इसके अलावा लूटे गये सोने व चांदी के जेवर, 49 हजार रुपये नगद तथा दो बोलेरो व आठ मोटरसाइकिल बरामद किया है. इसी गिरोह ने गत 23 सितंबर की रात बरवाडीह-बरकाकाना रेलखंड में जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन में लूटपाट की थी. इसके अलावा 22 जनवरी की रात सासंद प्रतिनिधि विनित मधुकर से लूटपाट की थी. पुलिस ने मधुकर से लूटी गयी जैकेट को भी बरामद कर लिया है. पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन ने इस आशय की जानकारी पुलिस मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में दी. एसपी ने बताया कि उन्हें सात फरवरी की रात तकरीबन 07:20 बजे सूचना मिली कि लातेहार रेलवे स्टेशन के दक्षिण दिशा में तूपू ग्राम जाने वाली सड़क में एक पुटुस की झाड़ीनुमा निर्जन स्थान में करीब 14-15 आपराधिक प्रवृति के लोग एकत्रित हुए हैं. सूचना की सत्यापन के बाद एक टीम बना कर रात में ही छापामारी की गयी. पुलिस को देखते ही वे लोग भागने लगे. लेकिन पुलिस ने खदेड़ को दस लोगों को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार लोगों ने बताया कि वे देर रात इस रेलखंड से गुजरने वाली पलामू एक्स्प्रेस ट्रेन में लूटपाट की योजना बना रहे थे. इस प्रकार पुलिस की तत्परता से पलामू एक्स्प्रेस ट्रेन लूटने से बच गयी.

खास बातें
- सितंबर माह में जम्मूतवी एक्सप्रेस में हुई थी लूटपाट
- जनवरी मे सांसद प्रतिनिधि विनित से की थी लूटपाट

गिरफ्तार आरोपी व अभियान में शामिल टीम

गिरफ्तार आरोपियों में अख्तर अंसारी (जोबांग, लोहरदगा), रंजीत शर्मा (जुंगूर, मनिका), सिकेदर सिंह, सुरेंद्र सिंह व अजीत कुमार सिंह (तीनो बारियातू जागीर, लातेहार), कुंदन प्रसाद गुप्ता (अंधारबाग, पलामू), पंकज कुमार सोनी (शिवपुरी, लातेहार), मनीष कुमार पासवान (सारजा, पोलपोल, पलामू), अजय राम (सिंदुरिया, सतबरवा), अभय पासवान (भोगू, लहलहे, पलामू), अनिल कुमार सोनी (माईल मटलौंग, मनिका), राजेश कुमार सोनी (पाटन, पलामू), फुलटेस कुमार (नावागढ़, लातेहार), जिया बेगम (आबादबंज, पलामू) और विणा कुमारी (बिनगढ़ा, लातेहार) का नाम शामिल हैं. इस अभियान में प्रशिक्षु आइपीएस ललीत मीणा, एसडीपीओ अरविंद कुमार, पुनि सह थाना प्रभारी आशुतोष कुमार, पुअनि शुभम कुमार, श्रीनिवास कुमार सिंह, भानू प्रताप सिंह, अभिषेक कुमार, नीतिश कुमार, फगुनी पासवान, रंजीत राम, दिवाकर धोबी, मो शाहरूख, गौरव सिंह, राजरौशन सिन्हा, रोहित कुमार महतो, देवानंद कुमार, गौतम कुमार, दीपक नारायण सिंह, कुंदन कुमार, दिलीप कुमार दास, लालेश्वर पासवान, धमेंद्र सिंह सरदार, प्रदीप कुमार राय, राजकुमार तिग्गा, विश्वजीत तिवारी, सअनि कुबेर प्रसाद देव, विरेंद्र कुमार व राकेश निर्मल बैग समेंत लातेहार जिला सशस्त्र बल के जवान शामिल थे.

22 जिला जनसंपर्क पदाधिकारी इधर से उधर

उर्वशी पांडेय बनीं रांची की जिला जनसंपर्क पदाधिकारी

रांची । राज्य सरकार ने 22 जिला जनसंपर्क पदाधिकारियों का ट्रांसफर कर दिया है. गुरुवार को राज्य जनसूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने जारी किया है.

कौन कहां गए

नाम	कहां गए
आनंद	उप जनसंपर्क निदेशक, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल
संजीव कुजूर	उप जनसंपर्क निदेशक, पलामू प्रमंडल
रश्मि सिंहा	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जामताड़ा
उर्वशी पांडेय	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, रांची
ईशा खंडेलवाल	उप जनसंपर्क निदेशक, कोल्हान प्रमंडल, चाईबासा
सैयद राशिद अख्तर	सहायक निदेशक, जनसंपर्क निदेशालय, रांची
प्रभात शंकर	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, रामगढ़
सुनिल कुमार सिंह	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, धनबाद
रवि कुमार	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, कोडरमा
पलटू महतो	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, गुमला
अविनाश कुमार	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, सरायकेला-खरसावां
राहुल कुमार भारती	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, देवघर
पंचानन उरांव	जिला जजनसंपर्क पदाधिकारी, जमशेदपुर
शिवनन्दन बड़ाईक	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, लोहरदगा
रोहित कुमार	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, हजारीबाग
रोहित कन्डुलना	उप जनसंपर्क निदेशक, संथाल परगना प्रमंडल
साकेत कु. पाण्डेय	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, बोकारों
असीम कुमार	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, पलामू
अंजना भारती	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, गिरिडीह
चंदन	जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, लातेहार
शकील अहमद	प्रभारी जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, चतरा

कोल इंडिया मैराथन में दौड़ेंगे 8 हजार प्रतिभागी

खेल संवाददाता ।रांची

सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के द्वितीय कोल इंडिया मैराथन का आयोजन रविवार को रांची के मोरहाबादी में किया जाएगा. इस बार लगभग 8 हजार प्रतिभागी मैराथन में दौड़ लगाएंगे. इस वर्ष अब तक 7410 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है. इसमें पुरुष प्रतिभागियों की संख्या 6049 और महिला प्रतिभागियों 1361 है. इसके अलावा लगभग 500 सीसीएल के गेस्ट भी इस मैराथन भाग लेंगे. इस बार कोल इंडिया मैराथन के इनामी राशि में भी बढ़ोतरी की गयी है, जिसे 29.70 लाख से बढ़ाकर 33.12 लाख रुपये किया गया है. पहले सीसीएल मैराथन की तरह इस वर्ष भी दौड़ को चार श्रेणी में बांटा गया है. इसमें पूर्ण मैराथन, हाफ मैराथन, 10 किमी और 5 किमी की दौड़ शामिल हैं. पूर्ण मैराथन में 42.195 किमी और हाफ मैराथन 21.098 किमी का सफर तय करना होगा.

एशियाई मैराथन चैंपियन आज साझा करेंगी अनुभव

सीसीएल दरभंगा हाउस में शुक्रवार को 1992 एशियाई मैराथन चैंपियन डॉ सुनीता गोदारा अपने अनुभव को शेयर करेंगी साथ ही मैराथन के लिए टिप्स भी देंगी. बता दें डॉ सुनीता ने 26 देशों में अंतरराष्ट्रीय मैराथन में सर्वाधिक पदक जीतने का रिकॉर्ड अपने नाम किया. 1996 अटलांटा ओलंपिक में ओलंपिक मशाल धावक रही है. इसके साथ ही वह मैराथन करियर में कुल 1,30,000 किमी दौड़ चुकी है.

स्कूल में चलाया गया जागरुकता अभियान

गिरिडीह । गिरिडीह प्रखंड के पलौंजिया स्थित चिल्ड्रेन गार्डेन पब्लिक स्कूल परिसर में फाइलेरिया जागरूकता अभियान चलाया गया. कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य प्रशिक्षक लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, निदेशक प्रकाश कुमार वर्मा, प्राचार्य नीरज कुमार, बबलू कुमार, सुनील कुमार, मंटू कुमार, गंगा तिवारी, वर्षा कुमारी, सीमा कुमारी, मोहन कुमार, रंजन कुमार रविकांत कुमार, रोशन खातून समेत दर्जनों शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे. जागरुकता अभियान में मौर्य ने बच्चों को डीईसी और अल्बेंडराजोल खाने तथा फाइलेरिया भगाने का आग्रह किया. वहीं निदेशक रंजन कुमार ने बच्चों को जन-जन तक यह संदेश पहुंचाकर लोगों जागरूक करने को कहा.

हिन्द मजदूर किसान यूनियन की कमेटी गठित

डुमरी । हिन्द मजदूर किसान यूनियन की प्रखंड के सभी पंचायतों में कमेटी का गठन किया जा रहा है, इसी को लेकर यूनियन की बैठक गुरुवार को ठाकुरचक पंचायत में हुई, जिसकी अध्यक्षता रामेश्वर महतो और संचालन अपलु अंसारी ने किया. मुख्य अतिथि हिन्द मजदूर किसान यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री लालचन्द महतो एवं विशिष्ट अतिथि अनुमंडल अध्यक्ष गंगाधर महतो उपस्थित थे. मुख्य अतिथि ने यूनियन के नीति सिद्धांतों एवं कार्यों की जानकारी दी. बैठक में यूनियन की पंचायत कमेटी गठित की गयी जिसमें शाहिद अंसारी को अध्यक्ष व सुरजदेव महतो को उपाध्यक्ष चुना गया. इसके अलावा नुनुचंद रवानी को सचिव, शिवशंकर ठाकुर को उपसचिव, बरकत अंसारी को कोषाध्यक्ष, गुलाम मुरतजा को संगठन मंत्री बनाया गया.

ग्रामीणों से मिले समाजसेवी डॉ विजय

चक्रधरपुर। चक्रधरपुर प्रखंड की सुदूरवर्ती क्षेत्र होयोहातु पंचायत स्थित पहाड़ की ऊंची चोटी पर बसे लांजी गांव में स्थानीय ग्रामीण मुलभूत समस्याओं से जुझ रहे हैं. गुरुवार को पीपुल्स वेल्फेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई ऊंची पहाड़ों के बीच बसे लांजी गांव पहुंचकर ग्रामीणों की समस्याओं से रू-ब-रू हुए, जहां उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों के साथ बैठक किया. बैठक में मुख्य रूप से गांव के मुंडा काशीराम भूमिज भी उपस्थित हुये. इस दौरान गांव के मुंडा काशीराम भूमिज व स्थानीय ग्रामीणों ने समाजसेवी डॉ. विजय सिंह गागराई को गांव के टोलों में पक्की सड़क नहीं होने के कारण होने वाली परेशानियों से अवगत कराया. ग्रामीणों ने बताया कि लांजी गांव में कुल सात टोले हैं. जिसमें मुंडा टोला, लतारडीह, रेगोली, पकीलो, सरबलडीह, टूंटाडीह, तुपुंगउली टोला शामिल है.

शहीद जवानों को डीजीपी ने दी श्रद्धांजलि

संवाददाता। चतरा

जिले के सदर थाना क्षेत्र के बैरियो जंगल में टीपीसी उग्रवादी और पुलिस के बीच बुधवार को मुठभेड़ हुई थी. इस मुठभेड़ में जवान सिकेन्द्र सिंह और सुकन राम शहीद हो गए थे. गुरुवार को डीजीपी अजय कुमार सिंह, एडीजी अभियान समेत कई अधिकारी चतरा पहुंचे. इसके बाद डीजीपी समेत सभी अधिकारियों ने शहीद जवानों को श्रद्धांजलि दी.

डीजीपी ने शहीदों के परिजनों से की मुलाकात : डीजीपी ने शहीदों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सहायता राशि सौंपने के साथ ही हर संभव मदद का भरोसा दिया. इस दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने नक्सलियों को चेताते हुए कहा कि नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में हमारे दो जाबांज जवान शहीद हुए हैं.

उन्होंने कहा कि दोनों जवानों की शहादत को बेकार नहीं जाने दिया जाएगा. पुलिस की टीम के द्वारा इलाके की घेराबंदी कर लगातार सर्च अभियान चलाया जा रहा है.एक-एक करके नक्सलियों से बदला लिया जाएगा.

टीपीसी के सबजोनल कमांडर हरेंद्र गंझु दस्ते से हुई थी मुठभेड़

बैरियों-गम्हारतरी जंगल में पहले से घात लगाए बैठे टीएसपीसी के सबजोनल कमांडर हरेंद्र गंझु के दस्ते के साथ मुठभेड़ हुई थी. घटना में दो जवान मौके पर शहीद हो गये थे. साथ ही तीन अन्य जवान घायल हो गए थे, जिसमें एक जवान की गंभीर हालत को देखते हुए बेहतर उपचार के लिए एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया था. वहीं दो अन्य जवानों का सदर अस्पताल में उपचार कराया जा रहा है.

छात्रा की संदेहास्पद मौत के मामले में कोई कार्रवाई नहीं

गावां (गिरिडीह)। गावां थाना क्षेत्र के पिहरा के घाघरा में संचालित जामिया इस्लामिया दारूल फलाम लिलबनात पिहरा के छत्रावास में मंगलवार की शाम एक छात्रा की संदेहास्पद मौत के मामले में भारी ड्रामे के बाद अंततः छात्रा के परिजन व हॉस्टल संचालक के बीच बात बनने के बाद शव को बगैर पोस्टमार्टम के ही दफना दिया गया. इस दरम्यान लगभग 24 घंटे तक गिरीडीह व कोडरमा जिले की पुलिस शव को कब्जे में लेने की कोशिश करती रही. अंततः जैसे ही छात्रा के परिजन और हॉस्टल संचालक के बीच बात बनी उसके फौरन बाद बुधवार देर रात शव को दफना दिया गया. इस बीच लगभग 24 घंटे तक दोनो जिलों की पुलिस तमाशबीन बनी रही और शव को कब्जा कर लाने के लिए कोडरमा के डोमचांच के जानपुर पहुंची गिरीडीह के गावां पुलिस देर रात बैरंग लौट गई.

डीसी व एसपी ने सीमावर्ती क्षेत्रों का किया दौरा

बोकारो । जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने गुरुवार को लोकसभा आम निर्वाचन 2024 को लेकर जिले के सीमावर्ती क्षेत्रों का दौरा किया. उन्होंने पश्चिम बंगाल राज्य के सीमा से सटे चंदनकियारी प्रखंड क्षेत्र का जायजा लिया. वल्नरेबल रूट मैप के अनुसार क्षेत्र का दोनों पदाधिकारियों ने निरीक्षण किया. मौके पर चास अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रवीण कुमार सिंह, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी अजय वर्मा, अंचलाधिकारी रवि आनंद, संबंधित थानों के थाना प्रभारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, अजय कुमार समेत अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे.

पेज 1 का शेष...

राजनीति के दो अनमोल...

मंडल-कमंडल के अधिष्ठाताओं को एक साथ साधने का प्रयास : चलताऊ राजनीतिक भाषा में कहें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कर्पूरी जी और आडवाणी जी को भारत रत्न देने की घोषणा कर मंडल और कमंडल के अधिष्ठाताओं को एक साथ साधने का प्रयास किया है. शायद भाजपा पर यह आरोप भी चस्पा हो सकता है कि इस घोषणा के नेपथ्य में राजनीति है. अगर ऐसा है भी तो इसमें हर्ज क्या है ? भाजपा भी एक राजनीतिक पार्टी है और उसे भी राजनीति करने और राजनीतिक लक्ष्य साधने का पूरा हक है. सवाल उठता है कि क्या उसके साधनों की शुचिता पर भी संदेह है ? उसके अनुशंसित प्रतीकों पर सवाल तो उठाइए, देश की जनता खुद जवाब दे देगी. जब मोदी गरीबों को सबसे बड़ी जाति बता रहे हैं, तब उसके प्रामाणिक लाडले कर्पूरी ठाकुर को सर्वोच्च सम्मान देकर उन्हें एक उच्च प्रतिष्ठा दी है और गरीब गुरबों के स्वर को और गाढ़ा किया है. सरकारी आलमारियों में धूल फांक रही मंडल कमीशन की रिपोर्ट लागू करने की घोषणा वीपी सिंह ने 1990 में जरूर की थी, लेकिन पिछड़ों को बिहार में आरक्षण तो कर्पूरी ठाकुर ने मुख्यमंत्री रहते हुए ही दे दिया था.

आडवाणी ने दिया था नारा-सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनाएंगे : ठीक वैसे ही अयोध्या में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा नरेंद्र मोदी ने 22 जनवरी को जरूर की, लेकिन उसकी वैचारिक आधारशिला तो आडवाणी ने 1990 में अपनी रथयात्रा और बाद के कार्यक्रमों से ही रख दी थी. सौगंध राम की खाते हैं, मंदिर वहीं बनायेंगे वाला नारा सबसे पहले आडवाणी ने ही दिया था. आडवाणी ने चाल, चरित्र और चेहरा के माध्यम से भाजपा को पार्टी विथ डिफरेंस बनाने का प्रयास किया था. ऐसे में लालकृष्ण आडवाणी को सम्मान दिये बिना राम मंदिर निर्माण का यज्ञ पूरा कैसे होता ? कर्पूरी जी और आडवाणी जी को गुस्से में बहुत कम लोगों ने देखा होगा. इन दोनों ने एक संत की तरह अपनी आलोचनाएं हंसते हुए झेलीं. हां, जब संसद में कभी अटल जी पर असंगत या असंयत टिप्पणियां होती थीं, तो आडवाणी जी किसी को नहीं छोड़ते थे और अपने तार्किक भाषणों से सबकी बोलती बंद कर देते थे. कर्पूरी जी पढ़ते भी खूब थे और आडवाणी जी तो गजब के अध्यवसायी हैं. जो भी कोई नयी चर्चित किताब बाजार में आती थी, वह उनके हाथ में होती थी. बहरहाल कर्पूरी जी तो रहे नहीं और आडवाणी जी अपने जीवन के शतक से महज चार साल दूर हैं. ईश्रवर से प्रार्थना है कि वे स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों और अपने सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का प्रतिस्थापन देखते रहें. ये दोनों हमारे राष्ट्र की धरोहर हैं. इन्हें सम्मान देना समाज का भी सम्मान है और राष्ट्र का भी.

एसजीएफआई साइकिलिंग प्रतियोगिता का रांची के मेगा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में हुआ उद्घाटन

झारखंड की संतोषी ने जीता रजत, पहले दिन ही खुला खाता

खेल संवाददाता ।रांची

एसजीएफआई अंडर-14,17 और 19 साइकिलिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन गुरूवार को हुआ. प्रतियोगिता के पहले दिन झारखंड की झोली में एक रजत पदक आया, जो कि अंडर-19 बालिक वर्ग में संतोषी उरांव ने जीता. अंडर-19 बालिका वर्ग में महाराष्ट्र की स्नेहल माली ने स्वर्ण और महाराष्ट्र की ही स्नेहा ने कांस्य पदक जीता. अंडर-19 बालक वर्ग साइकिलिंग में दिल्ली के अक्षर त्यागी ने स्वर्ण पदक, राजस्थान के बजरंग ने रजत व आंध्रप्रदेश के कुम्मारा सुरेश ने कांस्य पदक जीता. झारखंड स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एवं झारखंड राज्य शिक्षा परियोजना परिषद की मेजबानी में आयोजित 67वीं राष्ट्रीय स्कूली खेल प्रतियोगिता के अंतर्गत अंडर- 14,17 व 19 बालक बालिका वर्ग साइकिलिंग प्रतियोगिता का उद्घाटन मेगा स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में विधायक दीपिका पांडेय और विधायक राजेश कच्छप ने किया. समारोह को संबोधित करते हुए विधायक दीपिका पांडेय ने 67वीं राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता 2023-24 के सफल मेजबानी के लिए राज्य शिक्षा परियोजना और खेल पदाधिकारियों को बधाई देते हुए खेल प्रतियोगिताओं के निरंतर आयोजन पर बल दिया. उन्होंने कहा कि इन प्रतियोगिताओं के सफल आयोजन से न केवल राज्य की सकारात्मक छवि देश के सामने उभरती है, बल्कि स्थानीय खेल प्रतिभाओं को भी अपने खेल प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है. विधायक राजेश कच्छप ने कहा कि इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के सफल प्रबंधन के लिए हम सब मिलकर काम करेंगे, सरकार ऐसे आयोजनों को बढ़ावा देने के लिए संकल्पित है. उद्घाटन समारोह में आईआरएस अशोक गोदरा, आयोजन सचिव धीरसेन सोरेंग समेत अन्य लोग उपस्थित थे.

खास बातें
- संतोषी ने अंडर-19 बालिका वर्ग में रजत जीता
- विधायक दीपिका व राजेश कच्छप ने किया उद्घाटन

दक्षिणी राज्यों का प्रतिवाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक तरह से विपक्ष मुक्त भारत का एलान कर दिया है. अपने लंबे संबोधनों के माध्यम से एक ओर जहां अगले चुनाव के एजेंडे को स्पष्ट किया है, वहीं दूसरी ओर एक बार फिर पहले प्रधानमंत्री नेहरू को खलनायक साबित करने के लिए अर्द्धसत्य का सहारा लिया है. दरअसल प्रधानमंत्री के लिए नेहरू एक ऐसी ग्रंथि के बतौर मौजूद हैं, जिन पर वे अक्सर देश विदेश में हमलावर होते रहते हैं. एक बार फिर प्रधानमंत्री ने उन तमाम सवालों को दरकिनाकर करने का प्रयास किया, जो इस समय लोकतंत्र, संविधान और आर्थिकी को ले कर पूछे जा रहे हैं. राज्य सभा में जिस समय प्रधानमंत्री का भाषण चल रहा था, ठीक उसी समय कर्नाटक के मुख्यमंत्री का जंतरमंतर पर धरना भी चल रहा था. कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया बुधवार को दल-बल के साथ नई दिल्ली पहुंचे. गुरुवार को ऐसा ही मोर्चा लेकर केरल के मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन जंतर-मंतर पहुंचे. इसके ठीक पहले तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने विजयन को पत्र लिख कर कहा है कि उनका राज्य न सिर्फ इस लड़ाई में केरल के साथ है, बल्कि इस बारे में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा सरकार की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के साथ खुद को भी संबंधित करेगी. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जंतर-मंतर के मुद्दों का समर्थन किया. इस घटनाक्रम के सार को समेटते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा है कि फिलहाल दक्षिणी राज्य अलग-अलग लड़ रहे हैं, लेकिन देर-सबेर उनका मोर्चा बनना तय है. संकेत हैं कि तेलंगाना भी इस संघर्ष से जुड़ेगा. इन सभी राज्यों की साझा शिकायत है कि केंद्र सरकार संविधान में निहित वित्तीय संघवाद की भावना का उल्लंघन कर रही है. जीएसटी के तहत उन राज्यों से जो टैक्स वसूला जाता है, उसमें उन्हें उचित हिस्सा नहीं मिल रहा है. स्टालिन का दावा है कि जीएसटी से पहले के समय की तुलना में तमिलनाडु को हर साल 20 हजार करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है.इस महीने पेश अंतरिम बजट के प्रावधानों से दक्षिणी राज्यों में असंतोष और बढ़ा है. इस बीच उन राज्यों में 2026 में संभावित लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर भी आशंका गहरा गई है. उन्हें भय है कि अगर आबादी को इसका आधार बनाया गया तो लोकसभा में उनके प्रतिनिधित्व का अनुपात घट जाएगा, जबकि उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों के प्रतिनिधित्व में भारी इजाफा होगा. उनका कहना है कि इस तरह उन्हें बेहतर विकास करने और जनसंख्या वृद्धि पर काबू पाने की सजा मिलेगी. कहा जा सकता है कि ये सारी गंभीर शिकायतें हैं. अगर केंद्र सरकार संवेदनशील है और बन रही परिस्थिति के संभावित परिणामों को समझती है, तो उसे तुरंत दक्षिणी सरकारों से संवाद कायम करते हुए उनकी शिकायतों को दूर करना चाहिए. दक्षिणी राज्यों का प्रतिवाद एक गंभीर मसला है. संसद में प्रधानमंत्री ने अपने भाषणों में इस सवाल को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया. प्रधानमंत्री को चुनाव में 400 पार की बात करते हुए दक्षिणी राज्यों से उठे सवाल पर संजीदगी दिखाने की जरूरत है.

> दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी जंतर-मंतर के मुद्दों का समर्थन किया. इस घटनाक्रम के सार को समेटते हुए कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा है कि फिलहाल दक्षिणी राज्य अलग-अलग लड़ रहे हैं, लेकिन देर-सबेर उनका मोर्चा बनना तय है.

सुभाषित

पातितोऽपि कराघातैरुत्पतत्येव कन्दुकः।
प्रायेण साधुवृत्तानाम-स्थायिन्यो विपत्तयः॥

हाथ से पटकी हुई गेंद जब जमीन पर गिरती है तो वह तत्काल ऊपर की ओर उछल जाती है. इसी प्रकार सज्जनों का समय जब बुरा हो जाता है तो वह थोड़े दिनों के लिए होता है. फिर तत्काल प्रगति की ओर उछाल भरने लगता है.

अंतरिम बजट में कहां गया किसान?

किसान सम्मन निधि की राशि पांच साल पहले ₹6000 सालाना तय हुई थी, आज उसकी कीमत ₹5000 से भी कम रह गई है. ऐसी चर्चा थी की सरकार इसे बढ़ाकर ₹9000 सालाना कर देगी. अभी भूमिहीन और बटाईदार किसान इस योजना की परिधि से बाहर हैं. उन्हें इसमें शामिल करने की आशा थी. कम से कम इतनी उम्मीद तो थी ही की सरकार इस योजना के लाभार्थी किसानों की संख्या में गिरावट को रोकेगी.

• देश-काल

योगेंद्र यादव

सरकार द्वारा चुनाव से दो महीने पहले प्रस्तुत अंतरिम बजट से यूं तो किसानों ने कोई बड़ी उम्मीद नहीं बांधी थी, कृषि संकट को देखते हुए किसानों को कुछ न्यूनतम अपेक्षाओं का अधिकार था, लेकिन वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने उस हल्की सी उम्मीद पर भी पानी फेर दिया. अपने भाषण में किसान का नाम तो कई बार लिया, लेकिन इस अंतरिम बजट में उसे अंतरिम राहत भी नहीं दी. न पैसा दिया और न ही कृषि क्षेत्र का पूरा सच ही देश के सामने रखा. उलटे कृषि और प्रमुख योजनाओं का बजट भी घटा दिया. बजट से दो दिन पहले संसद में प्रस्तुत आर्थिक समीक्षा दस्तावेज यह रेखांकित करता है कि इस वर्ष कृषि क्षेत्र में वृद्धि (ग्रॉस वैल्यू एडेड दर) केवल 1.8 प्रतिशत हुई है. यह दर पिछले वर्षों की कृषि वृद्धि की औसत दर की आधी भी नहीं है और इस वर्ष बाकी सब क्षेत्र में हुई वृद्धि की एक चौथाई के बराबर है. इसलिए किसानों और कुछ कृषि विशेषज्ञों की उम्मीद थी कि सरकार इस संकट को देखते हुए कुछ अंतरिम राहत देगी. किसान सम्मन निधि की राशि पांच साल पहले ₹6000 सालाना तय हुई थी, आज उसकी कीमत ₹5000 से भी कम रह गई है. ऐसी चर्चा थी की सरकार इसे बढ़ाकर ₹9000 सालाना कर देगी. अभी भूमिहीन और बटाईदार किसान इस योजना की परिधि से बाहर हैं. उन्हें इसमें शामिल करने की आशा थी. कम से कम इतनी उम्मीद तो थी ही की सरकार इस योजना के लाभार्थी किसानों की संख्या में गिरावट को रोकेगी. अफसोस की बात यह है कि इस योजना की राशि या लाभार्थियों की संख्या बढ़ाने की बजाय वित्त मंत्री ने पूरा सच भी संसद के सामने नहीं रखा. उन्होंने इस योजना के लाभार्थियों की संख्या 11.8 करोड़ बताई, जबकि सरकार के अपने आंकड़े के मुताबिक नवंबर 2023 में दी गई अंतिम किस्त केवल 9.08 करोड़ किसानों को गई है. यही नहीं, उन्होंने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के लाभार्थी किसानों की संख्या 4 करोड़. बताई, जबकि सरकार के अपने आंकड़े केवल तीन करोड़ 40 लाख की संख्या दर्शाते हैं. पिछले साल की तरह इस साल भी वित्त मंत्री ने इस सरकार द्वारा किसानों को किए गए सबसे बड़े वादे और दावे के बारे में चुप्पी बनाए रखी. वर्ष 2016 के बजट से पहले प्रधानमंत्री ने 6 वर्ष में किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था. यह अवधि फरवरी 2022 में पूरी हो गई. सरकार ने इसे खींचकर 2023 किया. लेकिन सात वर्ष तक आय डबल करने की डुगडुगी बजाने के बाद सरकार ने इस पर पूरी तरह चुप्पी बना ली. पिछले और इस बजट में इस जुमले का जिक्र भी नहीं हुआ, न ही सरकार ने यह आंकड़ा बताया कि किसान की आय आखिर कितनी बढ़ी या घटी. अर्थशास्त्रियों के अनुमान बताते हैं, इन सात सालों में किसने की आमदनी उतनी भी नहीं बढ़ी जितनी की पिछली सरकार के आखिरी सात सालों में बढ़ी थी.

देश के सभी किसान संगठन पिछले दो वर्ष से एमएसपी को कानूनी दर्जा दिए जाने का इंतजार कर रहे हैं. दिल्ली में किसान मोर्चा उठते वक्त सरकार ने किसानों को लिखित आश्वासन दिया था कि इस उद्देश्य के लिए एक कमेटी बनाकर सभी किसानों को एसपी सुनिश्चित की जाएगी, लेकिन आंदोलन समाप्त होने के दो वर्ष बाद भी कमेटी ने सुचारू रूप से काम करना भी शुरू नहीं किया है. ऊपर से वित्त मंत्री ने यह दावा भी जड़ दिया कि किसानों को पर्याप्त एसपी मिल रही है यानी कि सरकार का इसमें सुधार करने का कोई इरादा भी नहीं है. सच यह है कि इस सरकार के दस वर्ष में 23 में से 21 फसलों में एसपी वृद्धि की दर उतनी भी नहीं रही, जितनी की पिछली यूपीए सरकार के दस वर्ष में रही थी.

वित्त मंत्री ने किसानों के लिए गाजे बाजे के साथ की गई बड़ी योजनाओं की प्रगति रिपोर्ट भी नहीं रखी. वर्ष 2020 में सरकार ने एग्री इंफ्रास्ट्रक्चर फंड के नाम से एक लाख करोड रुपए की योजना की घोषणा की थी जिसे पांच साल में पूरा किया जाना था. अब चार साल बीतने के बाद उसे योजना में 22,000 करोड़ यानी एक चौथाई से भी कम फंड आवंटित हुआ है. इसी तरह ऐसा लगता है कि एग्रीकल्चर एक्सीलरेटर फंड पर ब्रेक लग गई है. सरकार की घोषणा पांच साल में 2516 करोड़ रु की थी, लेकिन अब तक सिर्फ़ 106 करोड़ आबंटित हुए हैं.

किसी को कुछ देना तो दूर की बात है, दरअसल सरकार ने इस बजट में किसान का हिस्सा छीन लिया है. पिछले चुनाव से पहले किसान सम्मन निधि की घोषणा के बाद देश के कुल बजट में कृषि बजट का हिस्सा 5.44% था. पिछले 5 सालों में यह अनुपात हर वर्ष घटता गया है. पिछले साल कुल बजट का 3.20% कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए प्रस्तावित था, लेकिन संशोधित अनुमान के हिसाब से वास्तविक खर्च 3.13% ही हुआ. इस साल के बजट अनुमान में इसे और घटाकर 3.08% कर दिया गया है. यह कोई छोटी कटौती नहीं है मसलन खाद की सब्सिडी पिछले साल में हुए 1.88 लाख करोड़ के खर्चे से घटकर 1.64 लाख करोड़ कर दी गई है, खाद्यान्न सब्सिडी 2.12 लाख करोड़ के खर्चे से घटकर 2.05 लाख करोड़ और आशा योजना का खर्च 2200 करोड़ से घटकर 1738 करोड़ कर दिया गया है. राज्यों को सस्ती दाल देने की योजना का आवंटन शून्य कर दिया गया है. मतलब कि पिछले दस वर्ष की तरह इस साल भी किसानों को बड़े-बड़े शब्द और बड़ा सा धोखा मिला है. इसीलिए संयुक्त किसान मोर्चा ने आगामी लोकसभा चुनाव में देश भर के किसानों को "भाजपा हराओ" का नारा दिया है.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

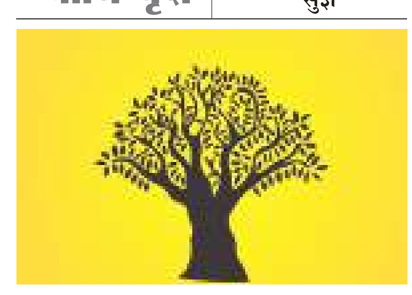

सत्य का अंश

हर नज़रिए में सत्य का अंश होता है. किन्तु, हर दृष्टिकोण को यथारूप स्वीकार करना मिथ्या हो सकता है. सत्य और मिथ्या का अंतर सदा ही चिंतन-मनन का विषय बना रहा है. कई बार एक दिशा से दिखनेवाला सत्य दूसरी दिशा से मिथ्या साबित हो जाता है. सापेक्षतावाद का सिद्धांत हमारे लिए नया नहीं है. हम इस सिद्धान्त को अच्छी तरह से जानते भी है. अनेकांत, वस्तुतः सत्य को जानने समझने का सर्वश्रेष्ठ उपकरण है, इसका कोई अन्य जोड़ नहीं है. बस सही समय पर इसका उपयोग नहीं हो पाता. "सबका अपना अपना दृष्टिकोण होता है" अनेकांत मार्ग पर बस यहां तक पहुंच कर पुनः लौट जाते हैं. पर अनेकांत का वास्तविक उपयोग तो इसके बाद शुरू होता है. अलग अलग दृष्टिकोण का अपेक्षा के आधार पर विश्लेषण करते हुए अन्ततः तो पूर्ण सत्य तक पहुंचना ही लक्ष्य होना चाहिए. हम अक्सर देखते हैं कोई व्यक्ति किसी की 'बात सुनने' में बड़ा धैर्य दिखाते हैं. दूसरों को 'समझते' हैं. उनका व्यवहार बड़ा 'परिपक्व' नज़र आता है. वे अपने कथन को बड़ा ही 'संतुलित' प्रस्तुत करते हैं. हम उसे साधु सज्जन या ज्ञानी की उपमा देते हैं. लेकिन यथार्थ में, वह जाने अनजाने में अनेकांत, अपेक्षावाद या कहें कि दृष्टिवाद का व्यवहार में प्रयोग कर रहे होते हैं. अगर अनजाने में ही सापेक्षतावाद रूपी साधन, उत्तम व्यक्तित्व प्रदान करने में समर्थ होता है तो इस सिद्धान्त के गहन विस्तृत अध्ययन और फिर उसके अनुपालन के बाद तो ज्ञानी बनाना सम्भव ही है. दो मित्र अलग अलग दिशा से आते हैं और पहली बार एक मूर्ति को अपने बीच देखते हैं. पहला मित्र कहता है यह पुरुष की प्रतिमा है, जबकि दूसरा मित्र कहता है नहीं यह स्त्री का बिंब है. दोनों में तकरार होती है. पहला कहे पुरुष है दूसरा कहे स्त्री है. पास से गुजर रहे राहगीर नें कहा 'सिक्के का दूसरा पहलू भी देखो'. मित्र समझ गए, उन्होंने स्थान बदल दिए. अब पहले वाला कहता है हां यह स्त्री भी है. और दूसरा कहता है सही बात है यह पुरुष भी है. वस्तुतः किसी कलाकार ने वह प्रतिमा इस तरह ही बनाई थी कि वह एक दिशा से पुरुष आकृति में तो दूसरी दिशा से स्त्री आकार में थी. यहां हम यह नहीं कह सकते कि दोनों सत्य थे. बस दोनों की बात में सत्य का अंश था. तो पूर्ण सत्य क्या था? पूर्ण सत्य वही था जो कलाकार ने बनाया. वह प्रतिमा एक तरफ स्त्री और दूसरी तरफ पुरुष था, यही बात पूर्ण सत्य थी.

अंतरिक्ष में वर्चस्व के लिए 'लग्रेंज' बिंदुओं पर दावे

• अंतरिक्ष

मुकुल व्यास

अंतरिक्ष अन्वेषण में लग्रेंज बिंदुओं के बढ़ते महत्व को देखते हुए भविष्य में इन स्थानों पर आधिपत्य कायम करने के लिए अंतरिक्ष की बड़ी शक्तियों में होड़ लग सकती है. फ्रेंच-इटालियन खगोलशास्त्री और गणितज्ञ जोसेफ-लुई लग्रेंज के नाम पर रखे गए इन स्थानों का खगोलीय पिंडों के अध्ययन और अवलोकन के लिए विशेष महत्व है. अंतरग्रहीय अंतरिक्ष में लग्रेंज प्वाइंट ऐसे स्थान हैं, जहां सूर्य और पृथ्वी जैसी दो पिंड प्रणालियों के गुरुत्वाकर्षण बल आकर्षण और प्रतिकर्षण के उन्नत क्षेत्र उत्पन्न करते हैं. इनका उपयोग अंतरिक्ष यान द्वारा स्थिति में बने रहने के लिए आवश्यक ईंधन की खपत को कम करने के लिए किया जा सकता है. ये ऐसे स्थान हैं, जहां दो खगोलीय पिंडों (जैसे पृथ्वी और सूर्य) का गुरुत्वीय खिंचाव एक छोटी वस्तु को उनके बीच स्थिर रूप से परिक्रमा करने के लिए आवश्यक सेंट्रिपेटल फोर्स को संतुलित करता है. इस गणितीय समस्या को 'जनरल थ्री-बॉडी प्रॉब्लम' के नाम से जाना जाता है. जोसेफ लग्रेंज ने 1772 में अपने पुरस्कृत पेपर में इस समस्या पर विस्तार से चर्चा की थी. ध्यान रहे कि सूर्य के अध्ययन के लिए भेजा गया भारत का आदित्य एल1 यान 6 जनवरी को लग्रेंज प्वाइंट 1 पर तैनात किया गया है. सूर्य और पृथ्वी-चंद्रमा सिस्टम में पांच अलग-अलग प्वाइंट हैं, जिन्हें एल1 से एल5 तक लेबल किया गया है. एल4 और एल 5 सूर्य के चारों ओर अपने कक्षीय पथ पर पृथ्वी (चंद्रमा सहित) से 60 डिग्री आगे और पीछे निश्चित स्थान पर स्थित है. यह स्थिरता उन्हें उपग्रहों और दूरबीनों के लिए आदर्श 'पार्किंग' स्थान बनाती है. चंद्रमा के अदृश्य हिस्से को देख सकने के कारण एल2 विशेष रूप से महत्वपूर्ण है. हम चंद्रमा के इस भाग को पृथ्वी से नहीं देख सकते. अंतरिक्ष यान अपनी स्थिति को एडजस्ट करने के लिए अधिक ईंधन की आवश्यकता के बिना इन क्षेत्रों में लंबे समय तक रह सकता है. इससे हमारे ग्रह और चंद्रमा का निरंतर अवलोकन किया जा सकता है. यहां से पृथ्वी के मौसम पैटर्न का अध्ययन करने के लिए एक आदर्श बिंदु मिलता है. वायुमंडलीय हस्तक्षेप की कमी और चंद्रमा से एल1 और एल2 की निकटता इन स्थानों को आदर्श पार्किंग स्थल भी बनाती है. जब अंतरिक्ष अनुसंधान, संचार और निगरानी की बात आती है तो जो कोई भी इन स्थानों को नियंत्रित करेगा, उसे महत्वपूर्ण लाभ मिलेगा.सूर्य के दृष्टिकोण से, एल 2 पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर पीछे है. यह पृथ्वी के समान गति से सूर्य की परिक्रमा करता है, लेकिन चंद्रमा से लगभग चार गुना अधिक दूर है. पृथ्वी के परिप्रेक्ष्य से चंद्रमा के पीछे, एल2 गहरे अंतरिक्ष का अबाधित दृश्य प्रदान करता है. यही वजह है कि जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप को यहां तैनात किया गया है. चीन ने पहले ही अपने चांगई 4 रोबोटिक यान से संचार के लिए एल2 पर चेचोव रिले उपग्रह भेज दिया है. ध्यान रहे कि चांग'ई 4 चंद्रमा के सुदूर हिस्से पर उतरने वाला पहला अंतरिक्षयान है. अमेरिका की नजर भी एल2 पर है, जहां उसने लूनर गेटवे जैसे मिशन की योजना बनाई है. लूनर गेटवे एक छोटा अंतरिक्ष स्टेशन होगा. यह चंद्रमा की परिक्रमा करने वाली एक बहुउद्देशीय चौकी के रूप में कार्य करेगा और चंद्रमा की सतह मिशनों के लिए आवश्यक सहायता प्रदान करेगा. लूनर गेटवे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करेगा. नासा गेटवे स्थापित करने के लिए वाणिज्यिक और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ काम कर रहा है. पिछले कुछ वर्षों में चीन का अंतरिक्ष कार्यक्रम काफी आगे बढ़ चुका है. चांग'ई 5 चंद्र नमूना वापसी मिशन और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर आगामी चांग'ई 6 मिशन उसके बड़े कदमों के दो उदाहरण हैं. चीन का चेंगगोंग अंतरिक्ष स्टेशन चालू है. चीन को निकट भविष्य में चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्री भेजने की भी उम्मीद है. अमेरिकी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष-आधारित संचालन की आवश्यकता को अच्छी तरह से समझती है और इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए जबरदस्त अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास कर रही है. अमेरिका व चीन गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रौद्योगिकियां भी विकसित कर रहे हैं, जिनमें पृथ्वी-चंद्रमा सिस्टम के लग्रेंज प्वाइंट्स का इस्तेमाल मंगल और उससे आगे के पड़ाव के लिए मिशन भेजने के लिए किया जाएगा. अंतरिक्ष अन्वेषण में अमेरिका और चीन के बीच चल रही प्रतिस्पर्धा के अलावा, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसी परियोजनाओं में कई देशों के बीच सहयोग भी है, जो ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को आगे बढ़ाता है. अंतरराष्ट्रीय समुदाय की भी लग्रेंज बिंदुओं में रुचि है.

> अमेरिकी समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अंतरिक्ष-आधारित संचालन की आवश्यकता को अच्छी तरह से समझती है और इस क्षेत्र में अमेरिकी प्रभुत्व को चुनौती देने के लिए जबरदस्त अंतरिक्ष क्षमताओं का विकास कर रही है. अमेरिका व चीन गहरे अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए प्रौद्योगिकियां भी विकसित कर रहे हैं.

आवश्यक हो गया है 'भू-मुक्ति आंदोलन'

• आंदोलन

रमाकांत नाथ

स्वतंत्र भारत में हुए अनेक आंदोलनों में से विनोबा भावे के नेतृत्व वाला 'भूदान आंदोलन' सबसे महत्वपूर्ण आंदोलनों में से एक है. इस आंदोलन के माध्यम से विनोबा भारत में क्रांति लाने में सफल रहे. विनोबा की क्रांति भारत की मूल समस्याओं के समाधान में एक बड़ा कदम थी. आर्थिक असमानता को दूर करने में आंदोलन के प्रयास उल्लेखनीय थे. आजादी के ठीक बाद एक और स्वतंत्रता आंदोलन आया, जिसे भारत के लोगों की आर्थिक मुक्ति कहा गया. भारत की राजनीतिक मुक्ति के बाद विनोबा के आर्थिक स्वतंत्रता के प्रयासों और 'भूदान आंदोलन' ने भारतीयों के मन में हलचल पैदा कर दी. विनोबा की भूदान यात्रा, भूदान यज्ञ का प्रचार और उसके बाद ग्रामदान, जिलादान, राज्यदान, संपत्तिदान और जीवनदान के आंदोलन ने पूरी दुनिया में सनसनी मचा दी. यह आन्दोलन कुछ ही दिनों में जन आन्दोलन में बदल गया. जिन लोगों ने भूमि दान करके अपनी उदारता का परिचय दिया, वे समाज के सामूहिक विकास में भाग लेने में सक्षम हुए, लेकिन भूदान की सफलता आर्थिक असमानता को दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं थी. सरकारी नीतियों ने अमीरों को और अमीर तथा गरीबों को और गरीब बनाने में मदद की है. इसके कारण अमीर-गरीब के बीच की खाई नहीं मिट सकी, विषमताएं समाप्त नहीं हो सकीं और करुणा से परिपूर्ण समतामूलक समाज संभव नहीं हो सका. वह दिन था, 18 अप्रैल 1951. आज के तेलंगाना राज्य के पोचमपल्ली गांव में बाबा विनोबा के अनुरोध और प्रोत्साहन से भारत के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा. उस दिन की घटना ने विश्व में जिस नये आन्दोलन को जन्म दिया, वह था 'भूदान आन्दोलन.' जब तेलंगाना की निराश्रित, अत्यंत गरीब जनता, भूख हड़ताल पर बैठी महिलाएं अपराध करने से नहीं हिचकिचाईं, जब संबंधित क्षेत्रों में खून के प्यासे लोगों का खून-खराबा होने लगा, तो संत विनोबा का हृदय टूट गया. उन्होंने तेलंगाना जाकर वहां के विद्रोहियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को समझा और वहां के गरीब लोगों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजने के प्रयास शुरू किये. इसके परिणामस्वरूप 'भूदान आन्दोलन' प्रारम्भ हुआ और स्थानीय जमींदार रामचन्द्र रेड्डी इसके पहले दानी बने. खूनी तेलंगाना से शांति और समृद्धि का जो संदेश विनोबा ने दिया, उसे भारत की जनता ने स्वीकार कर लिया. परिणामस्वरूप, बाबा विनोबा ने भूदान के लिए पूरे देश में भूमि एकत्र की और उसे भूमिहीन, बेघरों में वितरित किया. इस तरह उन्होंने गरीबी, अभाव और दरिद्रता को दूर करने में एक मजबूत योगदान दिया. विनोबा ने भारत के हर परिवार से अपना हिस्सा मांगा. विनोबा ने स्वयं को उस परिवार के सदस्य के रूप में प्रस्तुत किया और भारत की जनता ने भी विनोबा को अपने परिवार के सदस्य के रूप में स्वीकार कर लिया.भूदान आंदोलन के 73 वर्षों के बाद आज देश और दुनिया के अरबों लोगों के लिए जमीन एक और बड़ी समस्या बनकर उभरी है, जिसने मानव समाज के लिए जीवन-मरण की स्थिति पैदा कर दी है. जमीन में जहर घोलकर लोगों को विभिन्न बीमारियों से मारने, कंपनी पूंजी का विकास करने, कॉरपोरेट को मजबूत करने तथा शासन और शोषण की सारी रस्सियां अपने हाथों में रखने की योजना धीरे-धीरे हमारे देश और दुनिया भर में सफल हो रही है. इस योजना में विश्व के विकसित देशों को प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के देशों तथा तृतीय विश्व के देशों के लोगों की आजीविका को नष्ट करने का षडयंत्र रचा गया है. तीसरी दुनिया के भौगोलिक क्षेत्रों पर कब्ज़ा करने और वहां कॉर्पोरेट साम्राज्यवाद का नेतृत्व करने की योजनाओं पर काम चल रहा है. 'तीसरी दुनिया' की कृषि पद्धतियों को समाप्त करने का प्रयास भी ऐसा ही है. जब रासायनिक कृषि, कंपनी-संचालित कृषि और कॉर्पोरेट कृषि को पारंपरिक खेती, प्राकृतिक खेती और जैविक खेती के नुकसान के लिए बढ़ावा दिया जाता है और जब मानव-आधारित विकास को दफन कर दिया जाता है और पूंजी-आधारित विकास पर जोर दिया जाता है तब इस प्रणाली का विरोध किया जाना चाहिए. रासायनिक खेती, कंपनी संचालित खेती और कॉरपोरेट खेती के खिलाफ एक जोरदार जन आंदोलन की जरूरत है. इस दिशा में कुछ प्रयास किये जा रहे हैं, लेकिन यह एक सीमित वातावरण तक ही हैं. इसकी व्यापकता आवश्यक है. इसके लिए पारंपरिक, प्राकृतिक और जैविक खेती को आगे बढ़ाना होगा और खेतों और किसानों को कंपनियों या कॉरपोरेट पूंजीवाद के हाथों से मुक्त कराना होगा.

> इसके परिणामस्वरूप 'भूदान आन्दोलन' प्रारम्भ हुआ और स्थानीय जमींदार रामचन्द्र रेड्डी इसके पहले दानी बने. खूनी तेलंगाना से शांति और समृद्धि का जो संदेश विनोबा ने दिया, उसे भारत की जनता ने स्वीकार कर लिया. परिणामस्वरूप, बाबा विनोबा ने भूदान के लिए पूरे देश में भूमि एकत्र की और उसे भूमिहीन, बेघरों में वितरित किया.

मीडिया में अन्यत्र

ग्लोबल सप्लाई चेन पर ध्यान दे भारत

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बुधवार को यह अनुमान जताया कि 2030 तक वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग में कितना इजाफा हो सकता है. आईईए के मुताबिक मांग में इजाफे की सबसे बड़ी वजह भारत होगा, जो सबसे बड़े तेल आयातक के रूप में चीन को पछाड़कर शीर्ष पर आ जाएगा. इस समय भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक है और अनुमान है कि 2023 से 2030 के बीच यहां तेल की मांग में करीब 12 लाख बैरल प्रति दिन का इजाफा होगा. इस प्रकार इस अवधि में कच्चे तेल की मांग में कुल इजाफा 32 लाख बैरल प्रति दिन होगा. यानी वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की मांग वृद्धि में भारत करीब एक तिहाई का हिस्सेदार होगा. इस लिहाज से 2030 तक भारत में प्रतिदिन तेल की खपत 66 लाख बैरल हो जाएगी. आईईए के मुताबिक भारतीय अर्थव्यवस्था में परिवहन ईंधन के लिए मांग का बढ़ना जारी रहेगा जबकि अन्य देशों में यह या तो स्थिर है या इसमें गिरावट आ रही है.मांग में इस बढ़ोतरी को पूरा करने के लिए भारत का विदेशी आपूर्तिकर्ताओं पर निर्भर होना उसकी अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील विषय है. तेल कीमतों में वैश्विक वृद्धि के कारण बाहरी खाते और राजकोषीय स्थिति में अव्यवस्था की स्थिति बन सकती है. इससे मुद्रास्फीति में इजाफा होगा, वृद्धि में धीमापन आएगा और राजनीतिक उथल पुथल भी मच सकती है. आईईए ने अनुमान जताया है कि नए इलेक्ट्रिक वाहन तथा मौजूदा ऊर्जा संसाधनों का किफायती इस्तेमाल देश में मांग वृद्धि में करीब पांच लाख बैरल की कमी लाएंगे. सरकार सौर और पवन ऊर्जा क्षमताओं की स्थापना पर भी जोर दे रही है. परंतु इसके बाद भी भारत निकट भविष्य में तेल और गैस पर निर्भर रहेगा.इस समस्या को कम करने में दो ही बातें मदद कर सकती हैं. पहली बात, अगर घरेलू संसाधनों का सही ढंग से पता लगाया जाए और उनका समुचित इस्तेमाल किया जाए. दूसरा, अगर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर नियंत्रण किया जा सके. इसके लिए देश की बड़ी तेल एवं गैस कंपनियां खनन क्षेत्रों की खरीद कर सकती हैं. दोनों ही मोर्चों पर कुछ प्रगति हो रही है, लेकिन वह ऐसी कई वजह हैं जिनके चलते देश में तेल खनन बढ़ाया जाना चाहिए. नीति निर्माताओं को इस वजह से पीछे नहीं हटना चाहिए कि कहीं निजी क्षेत्र इससे बहुत अधिक लाभ न अर्जित कर ले. इसके अलावा भारतीय तेल कंपनियों को विदेश में भी प्रयास करने चाहिए.इस सप्ताह खबर आई कि ऑयल इंडिया लिमिटेड लीबिया में वहां की सरकारी तेल कंपनी के साथ मिलकर दोबारा परिचालन शुरू करने को लेकर चर्चा कर रही है. **(बिजनेस स्टैंडर्ड)**

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

फुल/फुल्ल/फूल

वह फूल नहीं है, बल्कि फुल पावर में है, इसलिए वह खेल के मैदान में फुल टाइम प्रजेंट रहता है. अंग्रेजी के दोनों शब्द यानी फुल और फूल का हिंदी भाषा में पर्याप्त प्रयोग होता है. दोनों शब्दों की अंग्रेजी में भी स्पेलिंग अलग है और हिंदी में भी. अंग्रेजी के फुल का मतलब है भरा हुआ, पूरा, संपूर्ण, अगर ह्रस्व उकार और दीर्घ ऊकार का फर्क समझने में भूल होती है तो अर्थ का अनर्थ होना स्वाभाविक ही है. तब फुल पावर वाला व्यक्ति भी फूल यानी फूलिश यानी मूर्ख हो जाता है. ये दोनों शब्द हिंदी भाषा मूल के भी हैं. संस्कृत में एक शब्द है फुल्ल. इसका अर्थ विशेषण के रूप में होता है विकसित, खिला हुआ, आनंद युक्त, प्रसन्न और संज्ञा पुल्लिंग के रूप में पुष्प या फूल. बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय लिखित भारत के राष्ट्रगान वंदे मातरम की यह पंक्ति देखिए-फुल्ल कुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्. यानी खिले हुए पुष्पों से पौधे सुशोभित हो रहे हैं. तत्सम फुल्ल शब्द का तद्भव रूप फूल है. वर्धा हिंदी शब्दकोश में फुल्ल शब्द को स्थान दिया गया है, लेकिन हिंदी के विभिन्न शब्दकोशों में फुल शब्द को मान्यता नहीं दी गयी है. फिर भी फुल से बननेवाले अनेक शब्दों का मतलब अवश्य ही समझाया गया है. जैसे फुलवाड़ी, फुलझड़ी फुलकी, फुलकारी, फुलाना, फुलेल आदि. हिंदी शब्द सागर के अनुसार फूल का मतलब गर्भाधानवाले पौधों में वह ग्रंथि जिसमें फल उत्पन्न करने की शक्ति होती है. फूल के और भी कई अर्थ होते हैं. जैसे पुष्प, सुमन, कुसुम, प्रफुल्लता, हर्ष, खुशी, उभार, दीपक की बत्ती का जला हुआ अंश, फूल के आकार की कोई वस्तु, आभूषण आदि, शव जलने के बाद बची हुई अस्थयां, तांबा और रांगा के योग से बननेवाली एक मिश्र धातु, सत्त, सार, वह मद्य जो पहली बार उतरा हो, कड़ी देशी शराब. इससे कई मुहावरे भी बने है. जैसे फूल सूंघ कर रहना यानी बहुत थोड़ा भोजन करना.

सच है दुनिया वालो कि हम हैं अनाड़ी

• तीर-तुक्का

सुशील यादव

लंबे समय से यह गाना सुनते आ रहे हैं- सब कुछ सीखा हमने, न सीखी होशियारी, सच है दुनिया वालो के हम हैं अनाड़ी. अब सोचता हूं कि यह जिसे होशियारी कहते हैं, कहां सीखी जाती है. बहुत सोचने पर भी यह आज तक पता नहीं चला? यूं तो हम हुनरमंद थे, धीरे-धीरे मन्द-हुनर के हो गये हैं. हमारे फेंके पासे से सोलह-अट्ठारह से कम नहीं निकलते थे, न जाने क्यों एन वक्त पर, पडना बंद हो गए. बिसात धरी की धरी रह गई. हमारे चारों तरफ हुजूम होता था. आठ –दस माइक से मुंह ढका रहता था. एक-एक शब्द निकलवाने के लिए मीडिया वाले खुद वेन लिए, हमारे कारवां के पीछे सुबहो-शाम भागते थे. सुबह से देर रात तक मुलाकातियों का दौर चलता था. हमने सब की सहूलियत को देखकर अलग-अलग टाइम स्लाट में अपनी दिनचर्या को बांट रखा था. सुबह भजन कीर्तन, मंदिर–मस्जिद वालों से मुलाक़ात, फिर उदघाटन, फीता कटाई के आग्रहकर्ताओं से भेंट ..... लंच तक ट्रांसफर- पोस्टिंग आवेदकों की सुनवाई, यथा आग्रह उनके बॉस या मिनिस्ट्री को फोन .... उसके बाद टेन्डर, ठेका लेने वालों से बातचीत, हिसाब-किताब. नाली, चबूतरा, रोड, पानी, बिजली जैसे अनावश्यक समस्याओं के लिए छोटी-छोटी समितियां, देखरेख में लगा दी जाती थीं. आप सोच सकते हैं, हमारे छोटे से पांच साला मंत्री रूपी कार्यकाल में ,घर के सामने चाय-समोसे के टपरे की आमदनी इतनी थी कि उसका दो मंजिला पक्का मकान तन गया. आप अंदाजा लगा लो कितनी भीड़, कितने लोगों से हम बावस्ता होते रहे ?जो हमारे दरबार चढा ,सबको सब कुछ, जी चाहा दिया.किसी से डायरेक्ट किसी चढोतरी की फरमाइश नहीं की. उस समय गदगद हुए चेहरों को देख के तो यूं लगता था कि लोग हमारे एहसान तले दबे हुए हैं. इनसे जब जो चाहो मांग सकते हो. ना नहीं करेंगे .....हम इलेक्शन में खड़े हुए. इन्हीं लोगों से इनके पास की सबसे तुच्छ चीज यानी व्होट , फकत अपने पक्ष में मांग बैठे. वे हमें न दिए. जाने कहां डाल आये. हमारी सुध न ली. जमानत तक नहीं बचा सके हम ....? तीस–पैंतीस साल की हमारी मेहनत पर पानी फेर देने वाला करिश्मा किसी अजूबे से हमें कम नहीं लगा. इस वक्त हम अकेले आत्म-चिंतन के दौर से गुजर रहे हैं. साथ बतियाने वाला एक भी हितैषी, शुभचिंतक, जमीनी कार्यकर्ता सामने नहीं है. चाय वाला मक्खियां मारने से बेहतर, कहीं और चला गया है. हमें लगता है, समय रहते हमें जरा सी होशियारी सीख लेनी चाहिए थी ....? अगर पहले ही यह चेतना आ जाती तो आज अकेले बैठ कर यह गीत के रूप में दिल की आह निकालने पर मजबूर नहीं होते-सबकुछ सीखा हमने न सीखी होशियारी.

धर्म अध्यात्म

छिन्नमस्तिका देवी की कहानी

देवी के कटे सिर से जुड़ी एक कहानी प्रचलित है जिसके अनुसार एक बार मां भवानी अपनी दो सहेलियों के साथ मंदाकिनी नदी में स्नान करने गईं थीं. स्नान करने के बाद सहेलियों को तेज भूख लगी. उन्होंने माता से भोजन मांगा. माता ने थोड़ा धैर्य रखने के लिए कहा, लेकिन वे भूख से व्याकुल हो उठीं. माता ने अपनी सहेलियों का यह हाल देख खड्ग से अपना ही सिर काट दिया. कटा हुआ सिर उनके बाएं हाथ में आ गिरा और खून की तीन धाराएं बह निकलीं. सिर से निकली दो धाराओं को उन्होंने अपनी सहेलियों की ओर बहा दिया. बाकी को खुद पीने लगीं. तभी से मां के इस रूप को छिन्नमस्तिका नाम से पूजा जाने लगा.

रजरप्पा नाम से जुड़ी कथा

पौराणिक कथा के अनुसार, प्राचीनकाल में छोटानागपुर में रज नामक एक राजा राज करते थे. राजा की पत्नी का नाम रूपमा था. इन्हीं दोनों के नाम से इस स्थान का नाम रजरूपमा पड़ा, जो बाद में रजरप्पा हो गया. झारखंड में सिर्फ रजरप्पा ही सिद्धपीठ है. यहां सिद्धि मनोरथ पूर्ण होती है. तंत्र-मंत्र सिद्धि के लिए यह भूमि प्रभावशाली मानी जाती है. गुप्त नवरात्रि में इस स्थान का विशेष महत्व बढ़ जाता है. गुप्त नवरात्रि का इंतजार विशेष रूप से साधक और तांत्रिकों को रहता है क्योंकि इसमें मनोवांछित फल की सिद्धि प्राप्त होती है. 'गुप्त नवरात्रि' मनाने और इनकी साधना का विधान देवी भागवत व अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है. माघ और आषाढ़ माह के नवरात्रों को गुप्त नवरात्र कहा जाता है.

मांगी जाती है मन्नत

यहां प्रतिदिन सुबह चार बजे माता का दरबार सजना शुरू होता है. दर्शन के लिए भक्तों की भीड़ सुबह से पंक्तिबद्ध खड़ी रहती है. शारदीय दुर्गा उत्सव में महानवमी की पूजा सबसे पहले संथालों आदिवासी द्वारा की जाती है। उन्हीं के द्वारा प्रथम बकरे की बलि देने की भी परंपरा है. दोनों बलि स्थानों के बीच में मनौतियां मांगने के लिए लोग रक्षासूत्र में पत्थर बांधकर पेड़ व त्रिशूल में लटकाते हैं. मनौतियां पूरी हो जाने पर उन पत्थरों को दामोदर नदी में प्रवाहित करने की परंपरा है.

तंत्र साधना के लिए प्रसिद्ध है रजरप्पा का

छिन्नमस्तिका मंदिर

तंत्र-मंत्र के दृष्टिकोण से 'गुप्त नवरात्रि' बहुत महत्वपूर्ण मानी जाती है. यह नवरात्रि बहुत गुप्त रूप से मनाई जाती है. इसलिए इसे गुप्त नवरात्रि कहा जाता है. इसमें दस महाविद्याओं की पूजा होती है. महाशक्ति की दस महाविद्याएं क्रमशः काली, तारा, षोड्शी, भुवनेश्वरी, छिन्नमस्ता, भैरवी, धूमावति, बगलामुखी, मातंगी और कमला हैं. जब गूढ़ तांत्रिक परंपरा की बात आती है तो छिन्नमस्ता को एक महत्वपूर्ण देवी के रूप में देखा जाता है. मां छिन्नमस्ता 10 महाविद्याओं में छठा रूप मानी जाती है. इस बार गुप्त नवरात्रि 10 फरवरी, माघ शुक्ल महीने की प्रतिपदा से शुरू हो रही है. इसका समापन 18 फरवरी 2024 को होगा. इस दौरान साधक मां छिन्नमस्ता या मां छिन्नमस्तिका की गुप्त तरीके से पूजा अर्चना करेंगे.

हिमकर श्याम

छिन्नमस्ता यानी बिना सिर वाली देवी. इस रूप में उन्हें माता चिंतपूर्णी देवी भी कहा जाता है. माता चिंतपूर्णी देवी सर्वोच्च देवी दुर्गा के कई रूपों में से एक हैं. पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, मां छिन्नमस्ता मनुष्य की हर चिंता को दूर कर उनकी मनोकामनाओं को पूर्ण करती हैं. रांची से करीब 80 किमी दूर रामगढ़ के रजरप्पा में स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर सिद्धपीठ माना जाता है. इस मंदिर में बिना सिर वाली देवी मां की पूजा की जाती है. मुख्य मंदिर के अलावा यहां महाकाली मंदिर, सूर्य मंदिर, दस महाविद्या मंदिर, बाबाधाम मंदिर, बजरंग बली मंदिर, शंकर मंदिर और विराट रूप मंदिर के नाम से कुल सात मंदिर हैं. मां छिन्नमस्तिका के रूप में मां दुर्गा भक्तों की समस्त मनोकामना पूरा करती हैं. भैरवी, भेड़ा और दामोदर नदी के संगम पर स्थित यह जाग्रत सिद्धपीठ तंत्र साधना का भी बड़ा केंद्र है. कहा जाता है कि दस महाविद्याओं की सिद्धि हासिल करने के लिए साधकों को यहां आना पड़ता है. यहां भारत के सभी हिस्सों से श्रद्धालु मां की आराधना के लिए पहुंचते हैं.

शास्त्रों के अनुसार असम के कामख्या मंदिर के बाद माता के सिद्धपीठों में छिन्नमस्तिका का स्थान है. इस मंदिर का वास्तु असम के कामख्या मंदिर के जैसा ही है. गर्भगृह में मां छिन्नमस्तिका एक हाथ में खड्ग और दूसरे में खड्ग से कटा अपना सर थामे विराजती हैं. गले से निकलती तीन रक्त धाराओं में से दो माता की सहचरी डाकिनी और शाकिनी ग्रहण कर रही हैं, वहीं तीसरा स्वयं उनके मुख में समा रहा है. बायां पांव आगे की ओर बढ़ाए हुए वे कमल पुष्प पर खड़ी हैं. माता के पैरों के नीचे ब्रह्म कमल के अन्दर रति और कामदेव की विपरीत रति मुद्रा है. मां का गला सर्पमाला तथा मुंडमाल से सुशोभित है. बिखरे और खुले केश, जिह्वा बाहर, आभूषणों से सुसज्जित मां नग्नावस्था में दिव्य रूप में हैं.

श्रीयंत्र का है आकार

छिन्नमस्तिका मंदिर अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए जाना जाता है. पूरा मंदिर श्रीयंत्र का आकार लिए हुए है. मंदिर को निर्माण षटकोण आकार के श्रीयंत्र के अनुसार हुआ है, जो स्वयंसिद्ध है और ऊर्जा से भरपूर है. लाल, नीले, पीले और सफेद रंगों के बेहतर समन्वय से मंदिर बाहर से काफी खूबसूरत लगता है. मुख्य मंदिर में चार दरवाजे हैं और मुख्य दरवाजा पूरब की ओर है. इस द्वार से निकलकर मंदिर से नीचे उतरते ही दाहिनी ओर बलि स्थान है, जबकि बाईं ओर नारियल बलि का स्थान है. मूर्ति चोरों ने यहां मां की असली प्रतिमा को खंडित कर आभूषण चुरा लिए थे. इसके बाद यह प्रतिमा स्थापित की गई. पुरातत्ववेत्ताओं की मानें तो पुरानी अष्टधातु की प्रतिमा 16वीं-17वीं सदी की थी, उस लिहाज से मंदिर उसके काफी बाद का बनाया हुआ प्रतीत होता है.

निर्माण काल को लेकर मतभेद

मंदिर के निर्माण काल को लेकर पुरातात्विक विशेषज्ञों में मतभेद है. किसी के अनुसार मंदिर का निर्माण छह हजार वर्ष पहले हुआ था तो कोई इसे महाभारत युग का मानता है. मंदिर के स्थापत्य शैली से लोग अनुमान लगाते हैं कि या तो यह बौद्धकालीन मंदिर है या गुप्तकालीन. यदि यह मंदिर गुप्तकालीन हुआ तो इसका निर्माण समुद्रगुप्त ने करवाया होगा, ऐसा अनुमान लगाया जाता है. अनुमान का आधार यह है कि उसने गुप्तकाल में छोटानागपुर में अनेक मंदिरों का निर्माण करवाया था. सुकुमार बसु ने अपनी किताब मां छिन्नमस्तिका में उल्लेख किया है कि इसी स्थान पर ऋषि कुलमणि महामान्य मेघा मुनि का आश्रम था. यहीं पर महाराज सुरथ ने मां छिन्नमस्तिका की पूजा कर सिद्धि प्राप्त की थी. शायद, उन्होंने ही इस मंदिर का निर्माण करवाया हो. एक कथा यह भी है कि मार्कंडेय मुनि ने महाभारत युग में मार्कंडेय पुराण की रचना की थी. उसमें वर्णित सुरथ, समाधि एवं मेघा की कथा उससे पूर्व की है. ऐसी स्थिति में मां का मंदिर महाभारत काल के आस-पास का होगा.

शान्ताकारं भुजंगशयन पद्मनाभं सुरेशं

विष्णु त्रिदेवों में से एक हैं. इनपर सृष्टि की रक्षा का भार है. विष्णु को आद्य देवसमूह में बहुत कम महत्व दिया गया है. ऋग्वेद में विष्णु गौण देवता माने गए हैं और उनकी स्तुति में केवल चार मन्त्र मिलते हैं. वेदों में उनके नाम का उल्लेख सौ बार हुआ है, जबकि इन्द्र, वरुण आदि के स्तुतिपरक मन्त्रों का बाहुल्य है.

निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव

ऋग्वेद में विष्णु देव

ऋग्वेद में एक स्थल पर विष्णु को शिपिविष्ट कहा गया है, जिसका अर्थ ,'प्रात :कालीन कोमल किरणों से युक्त' हो सकता है. प्रतीक-दृष्टि से विष्णु सूर्य के वाचक कहे गए हैं. शौनक ने 'विष्णु' शब्द की उत्पति 'विश' या 'वैविष' धातु से बतायी है, जिससे 'व्याप्ति' का अर्थ प्रकट होता है. विष्णु पुराण की उक्ति 'तमेव सृष्ट्वा तमनुप्राविशत्' से भी 'व्याप्ति' का बोध होता है. विष्णु के लिए ऋग्वेद में प्रयुक्त 'गिरिष्ठा' और 'कुचर : शब्दों को आधार मानते हुए उन्हें मेघश्रृंगों पर चमकने वाले सूर्य का प्रतीक माना गया है. विष्णु के लिए वेदों में 'उरुगाय', 'उरुक्रम', 'स्वदृश्', 'विभूतपुम्न' आदि विशेषणों या संज्ञाओं का प्रयोग हुआ है, जो उन्हें सूर्य का प्रतीक सिद्ध करती हैं. 'विष्णुसहस्रनाम' में विष्णु के एक हजार नामों का उल्लेख है.

विष्णु के दस अवतार

ब्राह्मण- ग्रन्थों में विष्णु का महत्त्व अधिक है. विष्णु पुराण में वे प्रतिपाद्य भगवान हैं और उन्हें सृष्टि का आदि कारण, नित्य, अक्षय, अव्यय तथा एकरस बतलाया गया है. वैदिक काल में इन्हें धन, बल और वीर्य का दाता कहा गया है. प्रजापति कश्यप के औरस और अदिति के गर्भ से इनकी उत्पत्ति बतायी जाती है. ये सृष्टि के कल्याण के लिए युग-युग में अवतरित होते हैं. विष्णु के दस अवतार बताए जाते हैं-मत्स्य, कूर्म या कच्छप, वराह, नृसिंह, वामन, परशुराम, राम, कृष्ण, बुद्ध और कल्कि. कल्कि भावी-अवतार है, जो अधर्म का पूरी तरह विनाश करके कृतयुग का आरम्भ करेगा. उनके दशावतारों में से प्रथम चार अर्धावतार-कोटि में आते हैं और अंतिम छह मानवीय कोटि में.

विष्णु मेघ सदृश श्याम वर्ण के हैं. इनके चतुर्भुज रूप की आराधना की जाती है. इनके हाथों में शंख, चक्र, गदा और पद्म या कमल हैं. लक्ष्मी इनकी पत्नी हैं. क्षीरसागर इनका निवास है. विष्णु की एक संज्ञा 'नारायण' है. 'नार' का अर्थ है जल. क्षीरसागर या 'नार' में जिसका निवास है, वह नारायण है. विष्णु के शंख का नाम पांचजन्य, चक्र का नाम सुदर्शन, गदा का नाम कौमोदिकी, तलवार का नाम नन्दक तथा धनुष का नाम शार्ङ्ग है. वक्ष का चिह्न श्रीवत्स है, मणि कौस्तुभ है तथा वाहन गरुड़ है.

साहित्य में विष्णु

काव्यजगत में विष्णु के अवतार-रूप राम तथा कृष्ण से संबंधित वृत्त को महत्व दिया जाता रहा है. कविता का संबंध भावलोक से है. वाल्मीकि कृत 'रामायण' और कालिदास कृत 'रघुवंशम्' में राम का भावगम्य रूप उरेहा गया है. हिन्दी-कविता के मध्ययुग में, जो भक्तिकाल भी कहलाता है, राम और कृष्ण भक्ति-धारा के कवियों ने राम और कृष्ण संबंधी काव्य रचे.

आधुनिक कविता में विष्णु के मानवेतर अवतार-रूपों में 'मत्स्य' और 'कच्छप' के संदर्भ मिलते हैं, किन्तु वे अप्रस्तुत के रूप में ही लिए गए हैं. प्रसाद का 'महाकच्छप सी धरणी' ऐसा ही प्रयोग है. 'महामत्स्य का एक चपेटा' में अवतार रूप का हल्का संकेत है. अज्ञेय की कई कविताओं में मछली के बिम्ब मिलते हैं और प्रायः सर्वत्र उससे अदम्य जिजीविषा का प्रतीकार्थ उभरता है.

वामन के तीन डगों में तीनों लोकों को माप लेने के मिथक का प्रयोग पन्त की 'पर्वत प्रदेश में पावस' कविताओं में देखा जा सकता है.

भक्ति काल की कविताएं अवतारवादी आस्था, भक्ति और दार्शनिक चिंतन की सीमाओं में बंधी रही हैं. आधुनिक युग में भी इस मनोदृष्टि की कमी नहीं है, लेकिन अधिकतर कवियों की प्रवृत्ति उनके निहितार्थ को रेखांकित करने की ओर रही हैण् मैथिलीशरण गुप्त का 'साकेत', निराला की 'राम की शक्ति पूजा', नरेश मेहता की संशय की रात' आधुनिक राम-काव्य हैं तो धर्मवीर भारती की 'कनुप्रिया' कृष्ण-काव्य.

अंत मे विष्णु की दो स्तुतियों का उल्लेख करना चाहूंगा-

शान्ताकारं भुजंगशयन पद्मनाभं सुरेशं
विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभांगम्
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यम्
वंदे विष्णु भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।।
यं ब्रह्मावरुणेंद्ररुद्रमरुतः स्तुवन्ति देवैः स्तवै
वेदै साङ्गपदकर्मोपनिषदैगार्यन्ति यं साम गाः
ध्यानावसस्थितत्दगेन मनसा पश्यन्ति यं योगिनो
यस्तां न विदु सुरासुरगणा देवाय तस्मै नमः।।

खुशी संदेश-05

ताकत का नहीं करें घमंड

मुकेश चौहान

एक वन में शक्तिशाली हाथी रहता था. उसे अपने बल पर बहुत घमंड था. वह रास्ते से आते-जाते सभी को डराता और उधम मचाता रहता. एक दिन मूसलाधार बारिश होने लगी. तेज़ बारिश से बचने के लिए हाथी एक बड़े गुफा में जा छिपा. गुफा के भीतर एक छोटी सी चींटी भी थी. उसे देखते ही हाथी हंसते हुए कहा- तुम कितनी छोटी हो, तुम्हे तो मैं एक फूंक मार कर चांद पर पहुंचा सकता हूं. चींटी नें हाथी को घमंड ना करने को समझाया पर हाथी अपनी ताकत के मद में चूर था. अचानक भूकंप आ गया और एक बड़ा सा पत्थर गुफा के मुहाने पर आ गिरा. अब हाथी के होश उड़ गए. वह पत्थर हटाने के लिए पूरी ताकत लगाया, पर पत्थर टस से मस नहीं हुआ. बारिश रुकते ही चींटी बोली, देखो- छोटे होने के कारण मैं सुराख से बाहर निकल जा रही हूं. पर तुम नहीं निकल पाओगे. चींटी बाहर निकल कर अन्य हाथियों को बुलाकर गुफा के द्वार पर गिरा पत्थर हटवा दिया. हाथी बाहर निकल आया. लब्बोलुआब यह, हर किसी में कुछ न कुछ गुण होता है. इसलिए यदि ईश्वर ने आपको कोई काबिलियत दी है तो कभी भी उस पर घमंड ना करें, हर कोई किसी न किसी रूप में काबिल है.

कर्जदार बना देती हैं ये पांच गलतियां

कई बार कर्ज लेना हमारी मजबूरी बन जाती है. बेशक इसके लिए प्रतिकूल परिस्थितियां जिम्मेदार होती हैं, लेकिन वास्तु शास्त्र में हमारी कुछ ऐसी आदतों/गलतियों का जिक्र किया गया है, जो हमें कर्जदार बनाती हैं. आइए ऐसी आदतों को पहचाने और उबरने के उपाय जानें-

- सूर्यास्त के बाद घर में झाड़ू न लगाएं. ऐसा करने मां लक्ष्मी का अनादर होता है. अगर झाड़ू लगाना ही पड़े तो उसे लगाने के बाद कचरा उठाने व फेंकने की जगह कूड़ा घर के किसी कोने में इकट्ठा करके रख दें.

- दूध, दही, नमक जैसी सफेद चीजें शाम के समय किसी को दान में न दें. ये एक गलती भी इंसान की आर्थिक स्थिति को बिगाड़ देती है.

- रात को खाने के बाद रसोई में जूठे बर्तन कभी न छोड़ें. रात में बर्तनों को साफ कर रखें और रसोई में गंदगी बिल्कुल न होने दें.
- बिस्तर पर बैठकर भोजन करने से भी इंसान कर्जदार हो जाता है. इसलिए हमेशा जमीन या डाइनिंग टेबल पर बैठकर ही भोजन करें.
- वास्तु के अनुसार, घर के मुख्य द्वार से मां लक्ष्मी का आगमन होता है. इसलिए दरवाजे पर कूड़ेदान या गंदगी बिल्कुल न रखें. ऐसा करने वाले लोग कर्जदार हो जाते हैं.

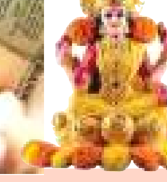

अपनाएं ये उपाय

मंगलवार को स्नान कर साफ वस्त्र पहनकर शिव मंदिर जाएं. शिवलिंग पर दूध व जल से अभिषेक करें. इसके बाद वहीं पर बैठकर ऋणमुक्तेश्वर मंत्र 'ॐ ऋणमुक्तेशर महादेवाय नमः' का जाप करें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

फुटबॉल : फ्रेंच कप के मौजूदा सत्र में एमबापे ने अपना 30वां गोल दागा

ब्रेस्ट को हराकर पीएसजी क्वार्टर फाइनल में

- लियोन व नीस की टीम भी क्वार्टर फाइनल में

भाषा । पेरिस

किलियान एमबापे ने मौजूदा सत्र का अपना 30वां गोल दागा, जिससे पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) ने ब्रेस्ट पर 3-1 से जीत के साथ फ्रेंच कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल अपनी जगह पक्की की. इस जीत के साथ ही टीम का अजेय क्रम 15 मैचों तक पहुंच गया. पीएसजी के साथ जून में मौजूदा अनुबंध के खत्म होने के बाद रीयल मैड्रिड जाने की अटकलों के बीच एमबापे इस सत्र में शानदार लय में है. 'ओप्टा' के आंकड़ों के मुताबिक फेंच कप के 28 मैचों में उन्होंने 35 गोल किये हैं और 15 गोल में दूसरे खिलाड़ियों की मदद की है. पिछले चार मैचों में उन्होंने 11 गोल दागे हैं. उन्होंने मैच के 34वें मिनट में टीम का खाता खोला जिसके तीन मिनट के बाद डानिलो परेरा ने टीम की बढ़त को दोगुना कर दिया. मध्यांतर के बाद एमबापे टीम को 3-0 से आगे करने से चूक गये जब उनका प्रयास क्रॉसबार से टकराकर विफल हो गया.

स्टीव मौनी ने 65वें मिनट में गोल कर ब्रेस्ट की वापसी कराई लेकिन कोनकालोस रामोस ने आखिरी क्षणों (90 दो मिनट) में पीएसजी को 3-1 से आगे कर दिया. अन्य मुकाबलों में सात बार के फ्रांस के चैंपियन लियोन ने लिली के खिलाफ 2-1 से जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की. नीस ने मोंटपेलियर को 4-1 से शिकस्त देकर अंतिम आठ में जगह बनायी.

15 मैचों तक पहुंचा पीएसजी का अजेय क्रम

3-1 से पीएसजी ने ब्रेस्ट को पराजित किया

11 गोल दागे हैं एमबापे ने पिछले चार मैचों में

कोपा डेल रे फुटबॉल टूर्नामेंट

सेमीफाइनल के पहले चरण में 1-0 से जीता एथलेटिक बिलबाओ

मैड्रिड । एथलेटिक बिलबाओ ने 'कोपा डेल रे' फुटबॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल के पहले चरण में 1–0 की जीत के साथ घरेलू मैदान पर एटलेटिको मैड्रिड के 28 मैचों के अपराजेय क्रम को समाप्त कर दिया. एलेक्स बेरेंगुएर ने यहां मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में पहले हाफ में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर एथलेटिक बिलबाओं को करीबी मुकाबले में जीत दिलायी. एटलेटिको मैड्रिड पिछले साल जनवरी में स्पेनिश लीग में बार्सिलोना के खिलाफ 1–0 की हार के बाद से मेट्रोपोलिटानो स्टेडियम में नहीं हारा था. कोच डिएगो सिमोन की टीम ने इस दौरान सिर्फ दो मुकाबले ड्रॉ खेले हैं. ये दोनों मैच स्पेनिश लीग में गेटाफे के खिलाफ थे. दोनों टीमों के बीच दूसरे चरण का सेमीफाइनल मैच 27 फरवरी को सोसिदाद के स्टेडियम में खेला जायेगा.

घरेलू मैदान पर एटलेटिको मैड्रिड के 28 मैचों का अजेय क्रम टूटा

ब्रीफ खबरें

नाइजीरिया व आइवरी कोस्ट फाइनल में

आबिदजान । सेबेस्टियन हॉलर के गोल के दम पर आइवरी कोस्ट ने 'अफ्रीका कप ऑफ नेशंस' फुटबॉल के सेमीफाइनल में कांगो को 1-0 से हराकर खिताबी मुकाबले में अपनी जगह पक्की की. फाइनल में आइवरी कोस्ट के सामने पुराने प्रतिद्वंद्वी नाइजीरिया की चुनौती होगी. चोट से उबर कर टूर्नामेंट का पहला मैच खेल रहे हॉलर ने बुधवार को मैच के 65वें मिनट में मैक्स ग्रैडेल के क्रॉस को गोल में बदला. नाइजीरिया ने एक अन्य सेमीफाइनल में अतिरिक्त समय में भी मैच 1-1 कर बराबरी पर छूटने के बाद दक्षिण अफ्रीका को पेनाल्टी शूटआउट में 4-2 से

अगले सप्ताह सत्र का पहला मैच खेलेंगे वुड्स

लॉस एंजिलिस । टाइगर वुड्स अगले हफ्ते रिवेरा में जेनेसिस इनविटेशनल में भागीदारी के साथ मौजूदा सत्र का आगाज करेंगे. वह इस टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे हैं. वह पिछले साल मास्टर्स टूर्नामेंट के बाद पहली बार प्रतिस्पर्धी मुकाबले में उतरेंग. वुड्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि वह 15 फरवरी से शुरू होने वाले 20 मिलियन डॉलर पुरस्कार राशि वाले वाले पीजीए टूर के अगले आयोजन का मेजबान बनने को लेकर उत्साहित है. रिवेरा गोल्फ कोर्स पर वुड्स ने पेशेवर के तौर पर बिना जीत दर्ज किये सबसे ज्यादा 12 मुकाबलों में भाग लिया है.

द.अफ्रीका के पूर्व गेंदबाज फिलैंडर भारतीय गेंदबाजों से प्रभावित, कहा-

बुमराह होंगे टी-20 विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

भाषा । जोहानिसबर्ग

सभी प्रारूपों में जसप्रीत बुमराह के हालिया प्रदर्शन से प्रभावित दक्षिण अफ्रीका के पूर्व मध्यम तेज गेंदबाज वेर्नोन फिलैंडर ने कहा है कि वह इस साल होने वाले टी-20 विश्व कप में भारत की सफलता की कुंजी रहने के साथ सर्वश्रेष्ठ तेज गेंदबाज भी साबित होंगे. इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट में नौ विकेट लेकर भारत को 91 रन से जीत दिलाकर श्रृंखला में 1-1 से वापसी कराने वाले बुमराह आईसीसी टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बन गए हैं. इससे पहले कपिल देव दिसंबर 1979 से फरवरी 1980 के बीच दूसरे नंबर पर पहुंचे थे. फिलैंडर ने भाषा को दिये विशेष इंटरव्यू में कहा कि बुमराह इस समय मुकम्मिल गेंदबाज है.

उनके पास जबर्दस्त कौशल है और उन्होंने सटीक गेंदबाजी का हुनर सीख लिया है, जिससे टेस्ट क्रिकेट में इतनी सफलता मिल रही है. पहले वह हर समय विकेट लेने वाली गेंद फेंकना चाहते थे, जिससे महंगे साबित होते थे लेकिन अब उनके प्रदर्शन में निरंतरता है. उन्होंने कहा कि वह ऐसे गेंदबाज हैं जिन्हें टी-20 क्रिकेट में भी कभी कमतर नहीं आंका जा सकता. वह नयी गेंद से स्विंग कराते हैं और बल्लेबाज को आगे बढ़कर खेलने के लिये मजबूर करते हैं. उनके यॉर्कर काफी धारदार होते हैं और टी-20 क्रिकेट में यही तो चाहिये. मुझे लगता है कि वह टी-20 विश्व कप में सबसे कामयाब तेज गेंदबाज होंगे. टी-20 विश्व कप जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में खेला जायेगा.

विश्व कप की तैयारी के लिए आईपीएल महत्वपूर्ण

फिलैंडर ने कहा कि आईपीएल टी–20 विश्व कप की तैयारी के लिये बेहतरीन प्लेटफॉर्म है लेकिन इसमें काफी मैच खेलने होंगे. यह सुनिश्चित करना होगा कि तेज गेंदबाजों का प्रबंधन बखूबी हो. अपने करियर में आईपीएल नहीं खेल सके फिलैंडर अब कोच या सलाहकार के रूप में इस लीग से जुड़ना चाहते हैं. उन्होंने कहा कि आईपीएल ऐसा टूर्नामेंट है जिससे आप कभी ना कभी जुड़ना जरूर चाहेंगे. शायद कोच और सलाहकार के तौर पर मेरे लिये दरवाजे खुलेंगे ताकि मैं युवा खिलाड़ियों के साथ अनुभव साझा कर सकूं. बेतवे दक्षिण अफ्रीका 20' की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मैदान में इतनी भीड़ पहली बार देखकर बहुत अच्छा लग रहा है.

क्या कहा

- इस समय सबसे मुकम्मिल गेंदबाज हैं बुमराह
- बुमराह ने सीख लिया है सटीक गेंदबाजी का हुनर

सीम का बखूबी इस्तेमाल करते हैं शमी

फिलैंड़र ने कहा कि मोहम्मद शमी की भी तारीफ करते हुए कहा कि वह गेंद को बखूबी स्विंग कराते हैं. द. अफ्रीका के लिये 64 टेस्ट में 224 विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा कि भारत के मौजूदा तेज गेंदबाजों से मैं काफी प्रभावित हूं. बुमराह के अलावा मोहम्मद शमी भी हैं जो सीम का बखूबी इस्तेमाल करते हैं. दक्षिण अफ्रीका में गेंदबाजी करना आसान नहीं होता, लेकिन भारत की सपाट पिचों पर गेंदबाजी करने के बाद उन्होंने जिस तरह यहां गेंदबाजी की, वह काबिले तारीफ है. फिलैंडर ने कहा कि विदेश में उम्दा प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाजों का टीम में होना भारत के लिये अच्छा संकेत है.

विराट की कप्तानी में गेंदबाज निखरे

भारत को ऑस्ट्रेलिया में जीतते देखकर अच्छा लगा, जिसका श्रेय विराट कोहली को भी जाता है. विराट की कप्तानी में गेंदबाजों के प्रदर्शन में निखार देखने को मिला था. वह 2019 में ऑस्ट्रेलिया में खेली गई श्रृंखला का जिक्र कर रहे थे जब विराट कोहली की कप्तानी में पहली बार भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में हराया था. फिलैंडर ने कहा कि कोहली उनके लिये सबसे कठिन बल्लेबाज साबित हुए हैं. भारत जैसे मजबूत बल्लेबाजी क्रम का सामना करना अच्छा लगता रहा है.

मुंबई ओपन : कोर्नीवा से हारीं श्रीवल्ली

मुंबई । भारतीय टेनिस खिलाड़ी श्रीवल्ली भादिमिपति यहां एलएंडटी मुंबई ओपन के दूसरे दौर के मुकाबले में रूस की 16 वर्षीय अलीना कोर्नीवा से हार गईं. भारतीय खिलाड़ी से 380 पायदान ऊपर रैंकिंग वाली कोर्नीवा ने बुधवार को क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) परिसर में श्रीवल्ली को दो घंटे 25 मिनट तक चले मुकाबले में 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया. मुंबई ओपन की शीर्ष पांच वरीयता प्राप्त खिलाड़ी प्रतियोगिता से बाहर हो गई हैं, जिससे छठी वरीयता प्राप्त दारजा सेमेनिस्टाजा टूर्नामेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी हैं. लातविया की दारजा ने फ्रांस की अमांडाइन हेसे को 2-6, 6-4, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई.

पटियाला में होगी राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप

नयी दिल्ली । अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन अब 28 फरवरी से पंजाब के पटियाला में किया जाएगा. पहले इस प्रतियोगिता का आयोजन 11 से 17 फरवरी के बीच ग्वालियर में किया जाना था लेकिन कुछ राज्य संघ ने समय कम होने के कारण इसमें भाग लेने में असमर्थता जताई थी. इसके बाद तदर्थ समिति ने इसे स्थगित कर दिया था. तदर्थ समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा कि अंडर-15 और अंडर-20 वर्ग की फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन और महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन अब 28 फरवरी से पांच मार्च तक पटियाला में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान में किया जाएगा.

तालमेल के दम पर विश्व कप जीतने का विश्वास : सहारन

भाषा । बेनोनी

लगातार पांचवीं बार अंडर-19 विश्व कप फाइनल में पहुंची भारतीय टीम के कप्तान उदय सहारन ने इसका श्रेय खिलाड़ियों के आपसी तालमेल को देते हुए कहा है कि फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके उनकी टीम इतिहास में नाम दर्ज कराने के लिये लालायित है. भारत का अंडर-19 विश्व कप में दबदबा इसी बात से साबित होता है कि पिछले नौ में से सात बार टीम फाइनल में पहुंची है. हर बार किसी खिलाड़ी ने जिम्मेदारी लेकर टीम को जीत तक पहुंचाया है. सहारन ने यहां विलोरमूर पार्क पर टीम के अभ्यास सत्र से इत कहा कि हमारी टीम के अच्छे प्रदर्शन का राज आपसी तालमेल है. हमारी बॉडिंग इतनी अच्छी है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल बहुत दोस्ताना है. सभी एक दूसरे पर भरोसा करते हैं और एक दूसरे की मदद को तत्पर रहते हैं. इसी से प्रदर्शन ग्राफ लगातार अच्छा रहा है. श्रीगंगानगर से निकले इस खिलाड़ी ने कहा कि बहुत गर्व की बात है कि हम लगातार पांचवीं बार फाइनल में पहुंचे हैं.

भारत का टूर्नामेंट में इतना दबदबा रहा है. हमारे सभी खिलाड़ी लय में हैं और अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं. अब तक टूर्नामेंट में छह मैचों में सर्वाधिक 389 रन बना चुके सहारन ने कहा कि फाइनल में सामने आस्ट्रेलिया हो या पाकिस्तान , फर्क नहीं पड़ता. हम विरोधी टीम पर फोकस नहीं कर रहे और अपने खेल पर ध्यान दे रहे हैं. हमने मैच दर मैच रणनीति बनाई है और हर मैच को संजीदगी से ले रहे हैं. यह पूछने पर कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ क्या बदला दिमाग में होगा क्योंकि सीनियर टीम पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल उससे हारी थी , उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं सोच रहे हैं. हम अपने खेल पर फोकस कर रहे हैं और हमें अपना सर्वश्रेष्ठ देना है. मैच हालात के हिसाब से खेल रहे हैं. हर मैच महत्वपूर्ण है क्योंकि यह विश्व कप है और सारी टीमें अच्छी है. अंडर-19 विश्व कप ने भारत को मोहम्मद कैफ, विराट कोहली, शुभमन गिल, रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी दिये हैं , क्या इस विरासत से अतिरिक्त दबाव महसूस करते हैं , यह पूछने पर उन्होंने कहा कि मैं इस बारे में कभी सोचता ही नहीं हूं. अतीत के बारे में सोचता नहीं हूं.

अंडर-19 विश्व कप

- लगातार पांचवीं बार फाइनल में पहुंचा है भारत
- पिछले नौ में से सात बार फाइनल में पहुंचा है भारत

कोहली की अनुपस्थिति पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन ने कहा-

श्रृंखला व विश्व क्रिकेट को झटका

भाषा । चेन्नई

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन का मानना है कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी का आगामी टेस्ट मैच में नहीं खेलना सिर्फ भारतीय टीम ही नहीं बल्कि श्रृंखला और विश्व क्रिकेट के लिए झटका है. हुसैन ने हालांकि भारतीय क्रिकेटर के व्यक्तिगत जिंदगी को प्राथमिकता देने का समर्थन किया. कोहली व्यक्तिगत कारणों से इंग्लैंड के खिलाफ पहले दो टेस्ट मैच से हट गये थे. उनके राजकोट और रांची में आगामी मुकाबलों में भी खेलने की संभावना नहीं है. धर्मशाला में अंतिम टेस्ट में भी उनका खेलना संदिग्ध है. पांच टेस्ट की श्रृंखला अभी 1-1 से बराबर है. हुसैन ने कहा कि हां, अभी पुष्टि नहीं हुई है. ये सब अटकलें हैं कि वह अगले दो टेस्ट मैच में खेलेंगे या नहीं.

हुसैन ने कहा कि यह भारत के लिए झटका होगा. यह श्रृंखला के लिए झटका होगा. यह विश्व क्रिकेट के लिए झटका होगा. कोहली की उपलब्धियों और क्रिकेट में योगदान की प्रशंसा करते हुए इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उन जैसा खिलाड़ी 15 साल तक खेल की सेवा करने के बाद अपने परिवार के साथ समय बिताने का हकदार है. उन्होंने कहा कि खेल को विराट कोहली जैसे खिलाड़ियों का भी ध्यान रखने की जरूरत है. वह पिछले 15 साल से अधिक समय से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं और अगर उन्हें परिवार के साथ रहने के लिए खेल से ब्रेक की जरूरत है तो हम उन्हें शुभकामनायें देते हैं. हुसैन ने कहा कि भले ही इस कारण हमें एंडरसन बनाम कोहली का दिलचस्प मुकाबला देखने को नहीं मिले जैसा हमने पिछले कुछ वर्षों में देखा है तो भी ठीक है, लेकिन कोहली और उनका परिवार और उनकी निजी जिंदगी सर्वोपरि है.

नीरज को दिया गया सम्मान

> स्विट्जरलैंड में मुझे जो प्यार और सराहना मिली है, उससे मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं. मैंने सपने में ऐसा नहीं सोचा था. –नीरज चोपड़ा

भाषा । लुसाने

भारत के ओलंपिक और विश्व चैंपियन भाला फेंक एथलीट नीरज चोपड़ा को स्विट्जरलैंड के जंगफ्राउजोक में मशहूर 'आइस पैलेस' में पट्टिका लगाकर सम्मानित किया गया जहां कई और स्टार खिलाड़ियों की पट्टिकायें लगी हुई हैं. चोपड़ा की शानदार उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए स्विट्जरलैंड पर्यटन ने एक बयान में कहा कि जंगफ्राउजोक ने स्मारक पट्टिका का अनावरण करने के लिए इस एथलीट का स्वागत किया. जंगफ्राउजोक को 'यूरोप का शिखर' कहा जाता है. चोपड़ा ने पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए अपना एक भाला भी दिया और इसे पट्टिका के साथ ही रखा गया है. इस तरह वह रोजर फेडरर और गोल्फर रोरी मैकलरॉय जैसे स्टार खिलाड़ियों के साथ शामिल हो गये जिनकी भी 'आइस पैलेस' में ऐसी स्मारक पट्टिकायें हैं.

- जंगफ्राउजोक के आइस पैलेस में पट्टिका लगाकर नीरज को किया गया सम्मानित

फुटबॉल

हांगकांग में प्रशंसकों को निराश करने बाद विस्सेल कोबे के खिलाफ मैदान में उतरे मेस्सी

लियोनेल मेस्सी की मौजूदगी के बावजूद इंटर मियामी की टीम हारी

भाषा । टोक्यो

हांगकांग में प्रशंसकों को निराश करने के बाद लियोनेल मेस्सी यहां विस्सेल कोबे के खिलाफ इंटर मियामी के प्रदर्शनी मैच के आखिरी 30 मिनट के लिए मैदान में उतरे लेकिन उनकी मौजूदगी टीम को जीत नहीं दिला सकी. मेस्सी के पास खेले गये इस मैच में गोल करने के दो मौके थे लेकिन उनका दोनों प्रयास विफल हो गया. मैच के 80वें मिनट में गोलकीपर शोता आरिया ने उनके प्रयास को विफल कर दिया जबकि उनके दूसरे प्रयास को विस्सेल कोबे की रक्षापंक्ति ने असफल कर दिया. नियमित समय में मुकाबला गोलरहित छूटने के बाद पेनल्टी शूटआउट में विस्सेल कोबे ने 4-3 से जीत दर्ज की. मेस्सी ने हालांकि पेनल्टी किक नहीं लगाया, जिससे स्टेडियम में मौजूद लगभग 29 हजार दर्शक ने निराशा में हूटिंग की. यह हूटिंग हालांकि हांगकांग से कम थी जहां प्रदर्शनी मैच में मेस्सी मैदान पर नहीं उतरे थे. वहां मेस्सी और इंटर मियामी को नाराज प्रशंसकों और सरकार दोनों की तीखी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा था. मेस्सी ने मंगलवार को ही संकेत दिया था कि वह चोट से उबर कर अच्छा महसूस कर रहे हैं और फिटनेस हासिल कर इस मैच के लिए मैदान पर उतरेंगे. इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने कहा कि मंगलवार शाम को अभ्यास के बाद, उन्होंने (मेस्सी) कहा कि वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और हम सहमत हुए कि वह 30 मिनट खेलेंगे. उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि मेस्सी ने पेनल्टी क्यो नहीं लगायी. कोच ने कहा कि मैच खत्म होने के बाद अब हम बहुत संतुष्ट हैं क्योंकि मेस्सी बहुत सहज दिख रहे थे.

हांगकांग सरकार ने इस मैच के तुरंत बाद सवाल किया कि मेस्सी जापान में कैसे खेल पाए और कुछ दिन पहले हांगकांग में क्यों नहीं खेल सके थे. हांगकांग संस्कृति, खेल और पर्यटन कार्यालय ने कहा कि सरकार को उम्मीद है कि आयोजक और टीमें हांगकांग के लोगों को उचित स्पष्टीकरण देने के साथ उनके सवालों का समाधान कर पायेंगे.

1 लियोनेल मेस्सी ने मैच में गोल करने के दो मौके गंवाए

2 पेनल्टी शूटआउट में विस्सेल कोबे ने दर्ज की जीत

3 पेनाल्टी शूटआउट में 4–3 से जीता विस्सेल कोबे

- मैच के आखिरी 30 मिनट के लिए मैदान पर उतरे मेस्सी

एलिमिनेटर में जेएसके ने पार्ल रॉयल्स को हराया

- जेएसके के सैम कुक ने चटकाए चार विकेट
- एकतरफा मुकाबले में नौ विकेट से जीता जेएसके

भाषा । जोहानिसबर्ग

कप्तान फाफ डु प्लेसी और सलामी बल्लेबाज एल डु प्लॉय के अर्धशतकों और सैम कुक के चार विकेट के दम पर जोहनिसबर्ग सुपर किंग्स (जेएसके) ने बुधवार को 'दक्षिण अफ्रीका 20' के एकतरफा एलिमिनेटर में पार्ल रॉयल्स को नौ विकेट से हरा दिया. फाफ डु प्लेसिस के टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने के फैसले के बाद सैम कुक (24 रन पर चार विकेट), नांद्रे बर्गर (26 रन पर तीन विकेट) और इमरान ताहिर (33 रन पर दो विकेट 2) ने रॉयल्स को 18.5 ओवर में सिर्फ 138 रन पर आउट कर दिया. जवाब में ल्यूस डु प्लॉय (43 गेंद 68) और डु प्लेसी (34 गेंद 55 नाबाद) ने अर्धशतक बनाकर जेएसके को 40 गेंद शेष रहते एक विकेट पर 139 रन तक पहुंचाया. लीग में अपना पहला मैच खेल रहे कुक ने जोस बटलर (10), मिशेल वान बुरेन (0), कोडी यूसुफ (11) और ओबेद मैककॉय (4) के विकेट लिए। कुक को घायल लिजाद विलियम्स की जगह टीम में जगह दी गई थी. 44 साल के अनुभवी स्पिनर ताहिर ने न सिर्फ दो विकेट लिए बल्कि दो शानदार कैच भी लपके. पार्ल रॉयल्स के लिए डेविड मिलर ने 40 गेंदों में 47 रन की पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए और डेन विलास के साथ चौथे विकेट के लिए 34 गेंदों में 44 रनों की साझेदारी की.

ब्रीफ खबरें

20 एकड़ में लगी पोस्ते की खेती को किया नष्ट

राहे। राहे प्रखंड क्षेत्र के कोम्बो गांव के आसपास के जंगल में एसएसबी 26वीं बटालियन के कमांडेंट एसडी शेरखाने के निर्देशानुसार 26वीं बटालियन ए कंपनी सताकी और अनगड़ा पुलिस के संयुक्त अभियान में 20 एकड़ में लगे पोस्ते की खेती को नष्ट किया गया. इस दौरान ग्रामीणों के बीच नशे से दूर रहने को लेकर जागरूक भी किया गया. अभियान में ए कंपनी के कमांडर शशि कुमार, सहायक उपनिरीक्षक भूपेंद्र कुमार, दीपक सिंह, मयांग मेरेन तथा अनगड़ा थाना के दारोगा संतोष गिरी और अन्य जवान शामिल थे.

पंचायती राज सदस्यों की एक दिवसीय ट्रेनिंग

मांडर। आगामी 10 फरवरी से 25 फरवरी तक एमडीए कार्यक्रम के तहत प्रखंड प्रमुख फिलिप सहाय एक्का की अध्यक्षता में सभी पंचायती राज संस्थान के सदस्यों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण किया गया. इसमें फाइलेरिया रोग के लक्षण हात, पाव अंडकोष, स्तन का फूलना के बारे में बताया गया. वहीं बचाव के लिए मच्छरदानी का प्रयोग, जलजमाव नहीं होने देना और एमडीए कार्यक्रम के दौरान दवाई का सेवन आदि उपाय बताए. प्रखंड के सभी मुखिया को लाउडस्पीकर के माध्यम से प्रचार करने एवं वार्ड मेंबर से चर्चा का निर्देश दिया.

डालसा की ओर से चला जागरूकता कार्यक्रम

सिल्ली/मुरी। सिल्ली प्रखंड के लोटा गांव में डालसा के निर्देष पर डोर-टू-डोर विधिक सेवा कार्यक्रम चलाया गया. इस क्रम में पीएलवी तारा मिंज व शीला देवी ने लोक अदालत की ग्रामीणों को जानकारी दी. वहीं अधिवक्ता सौरभ पांडेय ने विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन व पीड़ित मुआवजा के बारे में बताया. कार्यक्रम में वहीं, अधिवक्ता राजेश कुमार सिन्हा ने बाल-विवाह, दहेज प्रथा, डायन बिसाही, कन्या भ्रूण हत्या आदि विषय के संबंध में न्याय प्राप्त करने के उपाय के बारे में बताया. साथ ही 9 मार्च को आयोजित लगनेवाले राष्ट्रीय लोक अदालत के बारे में जानकारी दी गयी. तारा मिंज ने कहा कि न्यायालय में कोई भी वाद लंबित हैं, तो लोक अदालत के दिन अपने वादों का निबटरा करा सकते हैं.

घायलों के लिए मसीहा बने बीडीओ संग्राम मुर्मू

बेड़ो। बीडीओ संग्राम मुर्मू विकास योजनाओं के निरीक्षण के क्रम में घाघरा पंचायत जा रहे थे. इस बीच करांजी मोड़ के समीप सड़क दुर्घटना देख कर वहीं रूके और एंबुलेंस बुलाकर घायलों को अस्पताल से समन्वय स्थापित कर अस्पताल तक भिजवाया. इस दौरान मौजूद लोगों ने बीडीओ की मानव सेवा भावना की सराहना की. अस्पताल भेजने के उपरांत बीडीओ अपने तय कार्यक्रम के तहत घाघरा पंचायत पहुंचे. यहां उन्होंने पंचायत में चलाई जा रही कई विकास योजनाओं का निरीक्षण किया. निरीक्षण के क्रम में उन्होंने कहा कि किसी भी योजना की गुणवत्ता से किसी कीमत पर समझौता नहीं करें. उन्होंने विभिन्न योजनाओं के संबंध में मिली तृतीय का सुधार करने की हिदायत दी.

प्रतिभा खोज चयन परीक्षा में छात्रों का बेहतर प्रदर्शन

डकरा। विद्या भारती द्वारा आयोजित प्रांत स्तरीय प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर डकरा के भैया-बहनों का शानदार प्रदर्शन रहा. किशोर वर्ग के खोज प्रतियोगिता में विक्रम कुमार महतो को पूरे झारखंड प्रांत में तृतीय स्थान के साथ तीन हजार रुपये नगद राशि सह प्रमाण पत्र पुरस्कार मिला. वहीं प्रिया कुमारी को सांत्वना पुरस्कार के साथ एक हजार रुपये और बाल वर्ग के चयन प्रतियोगिता में प्रतिज्ञा कुमारी सिंह, खुशी कुमारी, सौम्या भगत को सांत्वना पुरस्कार के साथ एक हजार रुपये की नगद राशि सहित प्रमाण पत्र सामूहिक तौर पर दिया गया.

50 एकड़ में लगी मादक पदार्थ की खेती विनिष्ट

तमाड़। सशस्त्र सीमा बल 26 वीं वाहिनी के सहायक कमांडेंट सौमेन गोराई की अगुवाई में सहायक कमांडेंट अजीत कुमार उपाध्याय, सहायक कमांडेंट सिद्धार्थ आर ने किया. इस दौरान तुलसीडीह, राबो के आसपास क्षेत्र में अफीम की 48 एकड़ और गांजा की 2 एकड़ पर लगी अवैध मादक पदार्थ की खेती को नष्ट किया गया.

कांके अंचल के सीओ व सीआई की मिलीभगत से जमीन का दाखिल-खारिज भी कर दिया गया

आरयू की अर्जित जमीन भू-माफियाओं ने बेच डाली

संवाददाता। कांके

कांके अंचल में भ्रष्टाचार के मामले आये दिन उजागर होते रहते है. ताजा मामला भी कांके अंचल से जुड़ा है. अंचल अंर्तगत हल्का 6 के मौजा जमुआरी के खाता संख्या 10, प्लॉट संख्या 10 की रांची विश्वद्यालय द्वारा अर्जित की गयी जमीन भू-माफियाओं ने बिक्री कर दी. वहीं राजस्व उपनिरीक्षक व अंचल अधिकारी की मिलीभगत के बाद जमीन का दाखिल-खारिज भी कर दिया गया.

बतातें चले कि रांची विश्वविद्याल के नया कैंपस के निर्माण के लिये कांके अंचल के जमुआरी मौजा के कुल 11 खाता की 7.13 एकड़ जमीन रांची विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई थी. अंचल की मूल पंजी में यह जमीन भू-अर्जन वाद 9/03-04 द्वारा अर्जित एवं जिला भू-अर्जन पदाधिकारी रांची के पत्रांक 1561, दिनांक 16 दिसंबर 2010 एवं उपायुक्त के पत्रांक 1551, दिनांक 15 अक्टूबर 2010 के आदेश के बाद जमाबंदी खोली गयी थी. भू-माफियाओं की मदद से रैयतों द्वारा उक्त खाते की सारी जमीन बिक्री कर दी गयी. वहीं राजस्व उपनिरीक्षक परशुराम केरकेट्टा एवं तत्कालीन अंचलाधिकारी शिलवंत कुमार भट्ट ने दाखिल खारिज वाद संख्या 2355, 2502, 2359, 2502 वर्ष 2023-24 में लगभग 21 डिसीमल जमीन रंधावा सिंह, नंदा देवी, अनीता कुमारी एवं नरेश बहादुर सोनार के नाम से दाखिल-खारिज भी कर दिया.

वहीं जमुआरी मौजा के खाता 10 के प्लॉट संख्या 10 का कुल रकबा में से 1.10 एकड़ जमीन विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई थी. वर्तमान में

बड़ा गड़बड़झाला

- जमुआरी में की गई थी 7 .13 एकड़ जमीन की खरीदारी
- तबादला के एक माह बाद भी कांके में जमे हैं सीआई

राजस्व उपनिरीक्षक परशुराम केरकेट्टा को उपायुक्त ने 2 जनवरी को जारी पत्र में अविलंब सोनाहातू में प्रतिनियुक्त किया था. लेकिन परशुराम उपायुक्त के आदेश को ठेंगा दिखाते हुए कांके अंचल में ही जमे हुए हैं.

जेनरेटर, मैनीफोल्ड, ट्रांसफॉर्मर व पाइप लाइन समेत कई उपकरण लगाए

एसएनएमएमसीएच में 5 करोड़ का ऑक्सीजन प्लांट 4 वर्षों से बंद

- कुछ दिन चलने के बाद स्टैबलाइजर नहीं होने से एसएनएमएमसीएच के एक प्लांट को कर दिया बंद

राजा गुप्ता। धनबाद

सदर अस्पताल के बंद ऑक्सीजन प्लांट की तस्वीर

कोरोना काल के दौरान एसएनएमएमसीएच में मरीजों की जान बचाने के लिए 5 करोड़ की लागत से बना एक ऑक्सीजन प्लांट 4 वर्षों से बंद है. शुरुआत में कुछ दिन चलने के बाद वोल्टेज नियंत्रण करने के लिए स्टेबलाइजर नहीं होने से इस प्लांट को बंद कर दिया गया. चार साल में तीन लाख रुपये से एक स्टेबलाइजर तक नहीं खरीदा गया. अभी फिलहाल दो ऑक्सीजन प्लांट चालू है, यहां से अस्पताल में सेंट्रल इमरजेंसी समेत आईसीयू, सीसीयू समेत कई विभिन्न वार्डों में जरूरतमंद मरीजों का ऑक्सीजन से इलाज हो रहा है.

सूत्रों के अनुसार इसके अलावा निजी सप्लायर से ऑक्सीजन भरे हर महीने दर्जनों जंबो सिलेंडर भी मंगाया जाता है. जबकि जंबो सिलेंडर की जरूरत नहीं है. फिर भी कमीशन के चक्कर में जंबो सिलेंडर मंगाया जाता है. अस्पताल प्रबंधन चाहे तो मैनीफोल्ड कनेक्शन के माध्यम से जंबो सिलेंडर में ऑक्सीजन भर सकता है. इसकी सुविधा भी है, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है.

हर मिनट 1600 लीटर तैयार होता है ऑक्सीजन

जानकारों का कहना है कि एसएनएमएमसीएच के दो ऑक्सीजन प्लांट से हर मिनट 1600 लीटर ऑक्सीजन तैयार होता है. इस प्लांट से रोजाना सैकड़ों सिलेंडर में ऑक्सीजन भरा जा सकता है. विभाग को चाहिए था कि किसी कंपनी से खाली जंबो सिलेंडर खरीद कर रखे और उसमे प्लांट से जुड़े मैनीफोल्ड कनेक्शन के जरिए ऑक्सीजन भरकर रख ले. ताकि जरूरत पड़ने पर उसका इस्तेमाल करे. जबकि ऐसा नहीं हो रहा है. निजी सप्लायर को फायदा पहुंचाया जा रहा है.

कोरोना काल में 20 करोड़ रुपये की लागत से बने थे तीन प्लांट

सूत्रों के अनुसार एसएनएमएमसीएच परिसर में कोरोना काल में 20 करोड़ की लागत से तीन ऑक्सीजन प्लांट बना था. प्लांट चलाने के लिए तीन जेनरेटर, मैनीफोल्ड, ट्रांसफॉर्मर और पाइप लाइन समेत कई उपकरण लगाए गए थे. लोगों का कहना है कि पीएम केयर फंड से ऑक्सीजन प्लांट लगाया गया था. केंद्र सरकार की योजना भी फेल हो गई. बीच-बीच में दोनों ऑक्सीजन प्लांट में भी खराबी आ जाती है, लेकिन मुख्यालय को पत्र लिखने के बाद ही उसे ठीक कराया जाता है. इसमें 15 से 20 दिनों का समय लग जाता है.

चार साल बाद भी सदर अस्पताल का ऑक्सीजन प्लांट हैंडओवर नहीं

जानकारी के अनुसार सदर अस्पताल परिसर में भी कोरोना काल के समय प्रति मिनट 1000 लीटर क्षमता का ऑक्सीजन प्लांट बनाया गया था. चार साल बाद भी सिविल सर्जन को हैंड ओवर नहीं किया गया. सिविल सर्जन चंद्रभानु प्रतापन ने कहा कि प्लांट बनने के बाद कंपनी की ओर से उन्हें हैंडओवर नहीं किया गया.

शारीरिक शोषण के आरोप में कुल्ली मुखिया गिरफ्तार

इटकी। शादी का प्रलोभन देकर तीन बच्चों की मां विधवा महिला के साथ पांच वर्षों से यौन शोषण के आरोप में प्रखंड की कुल्ली पंचायत के मुखिया विनय उरांव को बेड़ो पुलिस ने गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है. जानकारी के मुताबिक बेड़ो थाना क्षेत्र की एक 36 वर्षीय विधवा महिला ने मुखिया पर शादी का झांसा देकर पांच वर्षों तक शारीरिक शोषण सहित कई गंभीर आरोप लगाए थे. वहीं, जब महिला ने शादी का दबाव डाला, तो मुखिया विनय उरांव ने इनकार कर दिया. महिला ने मुखिया पर डायन कह कर गाली-गलौज करने और गोली मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है. बेड़ो के प्रशिक्षु डीएसपी सह थाना प्रभारी विनीत कुमार किंडो ने कांड अंकित करते हुए आरोपी मुखिया को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया.

समाजसेवी विद्याधर शर्मा का निधन, अंत्योष्टि आज

रांची। शहर के सुप्रसिद्ध समाजसेवी विद्याधर शर्मा का गुरुवार रात करीब 8 बजे नागरमल मोदी सेवा सदन में आकस्मिक निधन हो गया. वे अपने पीछे चार पुत्र, दो पुत्रियां, पत्नी ,भाई बंधु, नाती, पोते, पोती सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए. वे मुख्य रूप से राजस्थान के चूरू शहर से कई वर्ष पूर्व रांची आये थे और यहां इन्होंने अपना खुद का व्यपार शुरू किया था. विद्याधर शर्मा रांची मारवाड़ी ब्राह्मण सभा के पूर्व मंत्री, रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन के संरक्षक, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के परामर्शदात्री सदस्य रहे थे. उनके निधन की सूचना पर आवास पर समाज के कई लोगों ने पहुंच कर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दी. स्व. विद्याधर शर्मा के पवन शर्मा ने बताया कि शुक्रवार को दिन के 2 बजे हरमू मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया जाएगा.

जमीन के मामलों का 7 दिनों के अंदर करें निष्पादन : सुदेश

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली प्रखंड मुख्यालय परिसर के सभागार में गुरुवार को समीक्षा बैठक हुई. अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख जितेंद्र बड़ाईक ने किया. बैठक में मुख्य रूप से पूर्व उपमुख्यमंत्री सह स्थानीय विधायक सुदेश कुमार महतो एवं सभी विभाग के पदाधिकारी एवं बैंक मैनेजर आदि उपस्थित रहे. विधायक ने सभी विभागों के कार्यों की विस्तारपूर्वक जानकारी ली.

उन्होंने अंचल विभाग के कर्मचारियों को आदेश दिया कि जमीन के मामले में किसी तरह का आवेदन को सात दिनों के अंदर निष्पादन करें. पंचायत सेवक को कहा कि सही लाभुक का चयन कर अबुआ आवास योजना का लाभ दिलाएं. प्रखंड मुख्यालय परिसर में ग्रामीणों को किसी समस्या से जूझना ना पड़े. अगर ग्रामीणों द्वारा शिकायत आती है, तो ली गई. मौके पर जिला परिषद उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, उप प्रमुख आरती देवी, बीडीओ रेनू बाला, सांसद प्रतिनिधि विनोद प्रसाद साहू, पूर्व जिप सदस्य सुशील महतो, गौतम कृष्णा साहू, सिल्ली रेफरल अस्पताल प्रभारी मुकेश कुमार, यूनियन बैंक के शाखा प्रबंधक दिनेश कुमार, आईडीबीआई के शाखा प्रबंधक कल्याण सिंह समेत प्रखंड के कर्मचारी उपस्थित थे.

मानव बलों की समस्याओं को लेकर जेबीवीएनएन एमडी से मिले बंधु तिर्की

समस्याओं के शीघ्र निदान का आग्रह

संवाददाता। बेड़ो

झारखंड स्टेट मानव दिवस एवं ऊर्जा मित्र समन्वय समिति रांची के एक प्रतिनिधिमंडल पूर्व मंत्री सह झारखंड कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की के नेतृत्व में जेबीवीएनएल के प्रबंध निदेशक केके वर्मा से मिला. इस दौरान छह सूत्री मांगों को रखते हुए मानव दिवस कर्मियों की सभी समस्याओं का निराकरण करने का आग्रह किया. बंधु तिर्की ने कहा कि बिजली विभाग में ग्रासरूट लेवल पर काम करने वाले झारखंड राज्य मानव दिवस कर्मी एवं ऊर्जा मित्र पूरी ईमानदारी से काम कर रहे हैं. इनकी मांगों पर गंभीरता पूर्वक विचार करते हुए समस्याओं का निराकरण किया जाए.

प्रतिनिधिमंडल में झारखंड राज्य मानव दिवस कर्मी एवं ऊर्जा मित्र समन्वय समिति रांची जिला के अध्यक्ष रुस्तम अंसारी, सदस्य लाल विश्वनाथ शाहदेव, असलम मियां एवं फिरोज खान ने अपनी मांगें रखी. कहा कि मानव दिवस कर्मियों का मानदेय पूर्व की भांति झारखंड ऊर्जा वितरण निगम द्वारा सीधे किया जाए. कार्यभार के अनुसार मानव बल के पद की स्वीकृत किया जाए. मानदेय का भुगतान कार्यरत कर्मचारियों की भांति नियमित रूप से किया जाए. किसी भी मानव दिवस कर्मियों को संबंधित विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक के बिना अनुमोदन प्राप्त किए काम से नहीं बैठाया जाए. मानव दिवस कर्मियों की कार्य अवधि 60 वर्ष तक किया जाए. कार्य हम सभी कर्मी 30 दिन काम के एवज में 26 दिने की जगह 30 दिनों का पूरा भुगतान किया जाए.

रखी बात

- जेबीवीएनएल के एमडी को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा
- जेयूवीएनएल से सीधे मानदेय भुगतान की रखी मांग

चुनाव तैयारी

उपायुक्त ने की लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन कार्यों की समीक्षा

वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए योजना बनाएं : डीसी

संवाददाता। रांची

रांची जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में गुरुवार को आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर निर्वाचन कार्यों से संबंधित समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गयी. बैठक में डीडीसी, एसडीओ, सभी विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी उपस्थित थे. जबकि सभी सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी एवं कर्मचारी ऑनलाइन जुडे. थे.

डीसी ने बैठक के दौरान विधानसभावार बूथों में एस्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी (एएमएफ) की जानकारी ली. सभी बूथों में पानी, बिजली, शौचालय, रैंप आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश उन्होंने सभी ईआरओ/एईआरओ को दिया. उपायुक्त ने कहा कि बूथों में भारत निर्वाचन आयोग के निदेशानुसार रैंप का निर्माण करायें. सभी ईआरओ को उन्होंने अपने-अपने स्तर से जांच कर बीएलओ ऐप के माध्यम से रिपोर्टिंग करवाने को कहा. उन्होंने कहा कि जिन विधानसभा क्षेत्र से वल्नरेबल मैपिंग-1 की रिपोर्ट आ चुकी है वो वल्नरेबल मैपिंग-2 की रिपोर्ट भी देने को कहा. डीसी ने लो वोटर टर्न आउट बूथों को लेकर संबंधित एईआरओ से बात की. ऐसे बूथों पर मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर निर्देश दिये. उन्होंने कहा कि वो स्वयं लो वोटर टर्न आउट बूथों का भ्रमण करेंगे. डीसी ने सभी ईआरओ/एईआरओ को 20 प्रतिशत से कम मतदान होनेवाले बूथों का भ्रमण कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में योजना बनाने का निर्देश दिये.

उन्होने मतदाताओं को जागरुक करने के लिए स्वीप गतिविधियों पर फोकस करने का निर्देश दिया. उन्होने कहा कि इलेक्शन डे त्यौहार जैसा होता है, सभी ईआरओ एवं एईआरओ बूथ पर आने के लिए अच्छी व्यवस्था कराकर रखें. कहा कि विशेषकर 80 प्लस, सीनियर सिटीजन, पीडब्ल्यूडी और थर्ड जेंडर वोटर को परेशानी न हो इसका ख्याल रखें. पीवीटीजी वोटर्स की जानकारी लेते हुए उपायुक्त ने कहा कि आदिम जनजाति के मतदाता लाइन लिस्ट में सबसे उपर होने चाहिए.

इपीआईसी का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराएं

डीसी ने सभी ईआरओ एवं एईआरओ को कहा कि सभी अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में मतदाताओं के इलेक्शन फोटो आईडेंटिटी कार्ड (इपीआईसी) का शत प्रतिशत वितरण सुनिश्चित कराने को कहा. डीसी ने कहा कि डाक के माध्यम से मतदाताओं तक इपीआईसी पहुंचाया जा रहा है. अधूरे पता के कारण अगर मतदाता पहचान पत्र डिलीवर नहीं हो पा रहा, तो इसका वितरण बीएलओ के माध्यम से सुनिश्चित कराएं.

न्यूज अपडेट

मुस्लिम समाज के सैकड़ों लोग भाजपा में शामिल

नामकुम। भाजपा खिजरी मंडल अध्यक्ष अशोक मुंडा की अध्यक्षता में गुरुवार को हुड़वा पंचायत के निशितपुर राईडी ग्राम में मुस्लिम एवं आदिवासी समुदाय के सैंकड़ों लोगों ने भाजपा का दामन थामा. मंडल अध्यक्ष अशोक ने गुलदस्ता व भाजपा का पट्टा पहना कर सभी को पार्टी की सदस्यता दिलाई. मुंडा ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में आम लोगों को आसानी से केंद्र की सभी योजनाओं का लाभ मिल रहा है. देश वह राज्य की जनता समझ चुकी है कि मोदी सरकार में सभी का विकास संभव है. भाजपा का दामन थामने वालों में जावेद खान, सुमन खान, मोइन खान, साजिद खान, लेलुन खातून, नाजा खातून, आसिफा खातून, आयशा खातून, चांदनी खातून, रोशन खातून, सलेहा खातून, साधु मुंडा, विशाल मंडा, सूरज कुमार, भोला लोहारा, करण मुंडा आदि शामिल थे.

सुदेश महतो ने पूर्व सैनिकों को किया सम्मानित

राहे। प्रखंड के बंसिया गांव में गुरुवार को कारगिल मेला का आयोजन किया गया. मेला कमेटी कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में हर वर्ष कारगिल टुसू मेला का आयोजन करता है. इस दौरान चौड़ल प्रदर्शनी, कृषि पैदवार प्रदर्शनी, मुर्गा लड़ाई, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो ने पूर्व सैनिकों तथा शहीद सैनिकों के परिवार एवं आश्रितों को भी सम्मानित किया गया. इस अवसर पर विधायक ने कहा कि शहीद सैनिकों के सम्मान में मेला का आयोजन उनके प्रति श्रद्धांजलि है. मौके प्रभारी संजय सिद्धार्थ, जिला परिषद उपाध्यक्ष बीणा चौधरी, सिल्ली प्रमुख जितेन्द्र बड़ाईक, गौतम साहू, बालेंदु महतो सहित मेला कमेटि के सभी सदस्य मौजूद थे.

बुंडू में चलती है बिना रजिस्ट्रेशन नंबर की वाहनें

बुंडू। प्रखंड क्षेत्र में बिना नंबर प्लेट की वाहनें चलती हैं. यहां चलनेवाली वाहनों का लोग रजिस्ट्रेशन और इंश्योरेंस नहीं कराते हैं. वाहनों के कागजात जैसे रजिस्ट्रेशन, इंश्योरेंस, फिटनेस और परमिट की जांच कोई अधिकारी नहीं करते हैं. शायद जांच करने का अधिकार स्थानीय अधिकारियों को नहीं है, लेकिन यही अधिकारी जहां अमदनी है, वहां जांच करने पहुंच जाते हैं. यह एक अजीब विडंबना है. इस बाबत यदि उन्हें कोई पूछता है कि बिना नम्बर प्लेट की वाहनें यहां कैसे चल रही है, तो उन्हें जबाब दिया जाता है कि यदि यहां बिना नंबर प्लेट की वाहन चलती है, तो डीटीओ को लिखित आवदेन दीजिए. बीते 6 फरवरी को बुंडू के बारूहातु गांव में एक ऑटो पलट गई, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गयी. सरकाा एमवी एक्ट में मृतक के आश्रितों को मुआवजा देने का प्रावधान दिया है, लेकिन जब उस वाहन का कोई कागजात ही नहीं रहेगा, तो मृतक के आश्रितों को मुआवजा कैसा मिल पाएगा. यह बड़ा सवाल है, जिस पर अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं.

न्याय यात्रा ने कार्यकर्ताओं भरा जोश : डॉ. बिरसा

ओरमांझी। राहुल गांधी के भारत जोड़ो न्याय यात्रा को झारखंड में सफल बनाने पर प्रदेश प्रवक्ता डॉ. बिरसा उरांव ने कार्यकर्ताओं आभार जताया है. उन्होंने न्याय यात्रा की सफलता का श्रय आम जनता एम कांग्रेस के सभी कर्मठ कार्यकर्ताओं को दिया है. उन्होंने कहा कि न्याय यात्रा को ऐतिहासिक बनाने में जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, मीडिया सहित अन्य कई लोगों का योगदान रहा. सभी के सहयोग से भारत जोड़ो न्याय यात्रा में ऐतिहासिक भीड़ जुटी. रांची लोकसभा सहित झारखंड की जनता पूरे जोश और उत्साह के साथ इस न्याय यात्रा में शामिल होकर न्याय का हक मिलने तक के आवाज को बुलंद किया. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की न्याय यात्रा रांची में ऐतिहासिक भीड़ के साथ झारखंड से विदा हुई. भारत जोड़ो न्याय यात्रा झारखंड में आगामी चुनाव में जीत पक्की करने के साथ-साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आम जनता में जोश भरने का काम किया है.

उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिद्दी में खेलकूद प्रतियोगिता

ओरमांझी। नो हेल्प टू बिग संस्था ने गुरुवार को कांके प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिद्दी में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित किया. संस्था की प्रोजेक्ट मैनेजर अरुणिमा सिंह की देखरेख में बच्चों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. इस संस्था द्वारा सरकारी स्कूली बच्चों को मुफ्त शिक्षा दी जा रही है। संस्था ने कल्चरल, एकेडमिक तथा खेलकूद के माध्यम से बच्चों को शिक्षा की ओर बढ़ाने का काम कर रही है. मौके पर मुख्य अतिथि अरुणिमा सिंह ने बच्चों को भविष्य में बेहतर करने की अपील की. कहा कि पढ़ाई के साथ खेल के क्षेत्र में बच्चे बेहतर कर क्षेत्र एवं देश का नाम रोशन कर सकते हैं. खेलकूद से मानसिक और शारीरिक विकास होता है. इस अवसर पर हुंदूर पंचायत की मुखिया रजनी देवी, प्रधानाचार्य राजेश कुमार साहू, गुलनाज परवीन, आशा कुमारी, उमा देवी, पुष्पा देवी, रंजू कुमारी,कृति कुमारी, गंधबाला देवी, सुनीता यादव प्रियंका कुमारी आदि शिक्षिकाएं उपस्थित थीं.

बदहाल शौचालय को दुरुस्त कर चालू करने की मांग

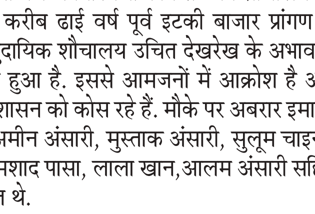

ईटकी। पूर्व जिप सदस्य सह झारखंड युवा मंच के केंद्रीय अध्यक्ष मसूद आलम की पहल पर प्रमुख किरण उरांव व उप प्रमुख परवेज राजा ने बदहाल शौचालय का निरक्षण किया. स्थानीय दुकानदारों एवं सब्जी विक्रेताओं की तकलीफ को देखते हुए पूर्व जिप सदस्य ने प्रशासन को आगाह करते हुए कहा कि अगर एक पखवारे के अंदर समस्या का समाधान नहीं किया जाता है, तो झारखंड युवा मंच अपनी निजी कोष से उक्त शौचालय का जीर्णोधार करेगा. ज्ञात होगी करीब ढाई वर्ष पूर्व इटकी बाजार प्रांगण में निर्मित प्रखंड का पहला सामुदायिक शौचालय उचित देखरेख के अभाव में पिछले चार माह से बंद पड़ा हुआ है. इससे आमजनों में आक्रोश है और स्थानीय जनप्रतिनिधि और प्रशासन को कोस रहे हैं. मौके पर अबरार इमाम, इरशाद हीरू, बिनोद सिन्हा,अमीन अंसारी, मुस्ताक अंसारी, सुलूम चाइना, विक्की खान, शाहिद मंटू, शमशाद पासा, लाला खान,आलम अंसारी सहित दर्जनों सब्जी विक्रेता उपस्थित थे.

भाजपा नेता ने की पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद

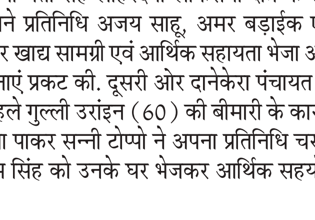

लापुंग। प्रखंड के बोकरंदा पंचायत अंतर्गत पबीरा गांव में पिछले दिनों लंबी बीमारी के कारण अस्पताल में 35 वर्षीय श्रवण महतो की मौत हो गई थी. पूरा परिवार गहरे सदमे में था. श्रवण महतो की मौत की खबर की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता सह लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सह संयोजक सन्नी टोप्पो ने अपने प्रतिनिधि अजय साहू, अमर बड़ाईक एवं विकास साहू को पबीरा भेजकर खाद्य सामग्री एवं आर्थिक सहायता भेजा और पीड़ित परिवार के प्रति संवेदनाएं प्रकट की. दूसरी ओर दानेकेरा पंचायत के कोयनारा गांव में कुछ दिन पहले गुल्ली उरांइन (60) की बीमारी के कारण मृत्यु हो गई थी. इसका सूचना पाकर सन्नी टोप्पो ने अपना प्रतिनिधि चरकु साहु, विजय सिंह तथा विक्रम सिंह को उनके घर भेजकर आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराया.

▼ ब्रीफ खबरें

गाजा पर इजराइल का हमला, 13 की मौत

राफा (गाजा पट्टी)। गाजा पट्टी के राफा में रातभर हुए इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई. ये हमले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा हमास की संघर्ष विराम शर्तों को खारिज करने के कुछ घंटों बाद हुए हैं. पट्टी की आधी से अधिक आबादी राफा भाग गई है, जो मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए मुख्य प्रवेश बिंदु भी है. मृतकों के शवों को कुवैती अस्पताल ले जाया गया. अस्पताल के अनुसार रात भर हुए हमलों में दो महिलाओं और पांच बच्चों सहित13 लोग मारे गए.

पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी ने कांग्रेस से इस्तीफा दिया

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने लगभग पांच दशकों तक पार्टी का सदस्य रहने के बाद कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया है. सिद्दीकी मुंबई में कांग्रेस के एक प्रमुख अल्पसंख्यक चेहरा थे जो कांग्रेस-राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की गठबंधन सरकार के समय मंत्री भी थे. पूर्व मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि मैं एक युवा के रूप में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी में शामिल हुआ और यह 48 वर्षों तक चलने वाली एक महत्वपूर्ण यात्रा रही है.

उप्र में पांच और हवाई अड्डे चालू होंगे : ज्योतिरादित्य

नयी दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को लोकसभा को अवगत कराया कि उत्तर प्रदेश में एक-दो माह में पांच और हवाई अड्डों का परिचालन शुरू हो जाएगा, जबकि जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा इस साल के अंत तक शुरू हो जाएगा. सरकार ने कहा कि जय प्रकाश नारायण और पूर्व पीएम चंद्रशेखर से संबद्ध बलिया क्षेत्र में हवाई अड्डे के लिए यदि राज्य सरकार की ओर से कोई प्रस्ताव आता है तो वह अवश्य विचार करेगी. नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने सदन में प्रश्नकाल के दौरान एक पूरक प्रश्न के उत्तर में यह बात कही.

चंदा जमा कर करवाया महिला का अंतिम संस्कार

शाहजहांपुर। शाहजहांपुर जिले में अपनी गर्भवती पत्नी की मौत के बाद पैसे के अभाव में उसके अंतिम संस्कार के लिये लोगों के सामने हाथ फैलाने वाले एक बेबस व्यक्ति की पुलिसकर्मियों और ग्रामीणों ने चंदा एकत्र करके मदद की. ग्रामीणों और पुलिसकर्मियों ने चंदे की राशि से शव की अंत्येष्टि करायी. गरीबी के चलते इलाज नहीं करा पाने की वजह से ही महिला की मौत हो गई. कला तहसील के खजूरी गढ़ी गांव में रहने वाले राम भजन की पत्नी सुनीता गर्भवती थी.

महिला कोच में यात्रा करने वाले 5 गिरफ्तार

नोएडा। हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग पर एक लोकल ट्रेन के महिला कोच में यात्रा करने के आरोपी पांच लोगों को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सुरक्षाकर्मियों ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया. इनके खिलाफ रेलवे अधिनियम की धारा के तहत कार्रवाई की गई है. गौतमबुद्ध नगर के दादरी स्टेशन पर तैनात आरपीएफ के निरीक्षक एस के वर्मा ने बताया कि हावड़ा-दिल्ली रेल मार्ग पर लोकल ट्रेन (गाड़ी संख्या 04184) अलीगढ़ से दिल्ली जा रही थी.

हिंदी बेल्ट भगवामय, 543 में 304 सीटों के साथ भाजपा बहुमत के पार

नई दिल्ली। देश में कुछ ही महीनों में लोकसभा चुनाव होने वाले हैं. उससे पहले देश के लोगों की प्रतिक्रिया जानने के लिए सी वोटर्स के 'मूड ऑफ द नेशन' सर्वे किया गया है. इस सर्वे में सभी 543 लोकसभा क्षेत्रों के करीब 35 हजार लोगों से सीधी बातचीत की गई. सर्वे में बताया गया है कि अगर देश में अभी चुनाव हो जाएं तो किस पार्टी को कितनी सीटें मिलेंगी? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार को तीसरा कार्यकाल मिलेगा या विपक्ष कुछ कमाल कर दिखाएगा? अब तक के नतीजे भाजपा की हैट्रिक लगने की ओर इशारा करते हैं. 543 सीटों पर हुए सर्वे के मुताबिक, भाजपा और उसके सहयोगी संगठन को 304 सीट, कांग्रेस को 71 सीट वहीं, अन्य को 168 सीट मिलने का अनुमान हैं.

यूपी में भाजपा गठबंधन को 80 में से 72 सीटें

यूपी में भाजपा गठबंधन को 80 में से 72 सीटें मिल रही हैं, जबकि उत्तराखंड की सभी पांचों सीट, हिमाचल की सभी चारों सीट, हरियाणा की 10 में से 8, पंजाब में दो, एमपी में 29 में से 27, जबकि छत्तीसगढ़ में 11 में से 10 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं. वहीं अगर साउथ की बात करें तो यहां कर्नाटक में भाजपा ने फिर अपना दम दिखाया है. सर्वे में भाजपा गठबंधन को 24 सीटें मिलती दिख रही हैं, वहीं तेलंगाना में तीन सीटें मिल रही हैं. आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल में भाजपा का खाता खुलता नहीं दिख रहा है. आंध्र प्रदेश में जहां टीडीपी की दमदार वापसी दिखाई दे रही है, वहीं, तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी को 17 में से 10 और केरल में कांग्रेस को 18 सीटें मिलती दिख रही हैं. इसके अलावा गुजरात में भाजपा तीसरी बार क्लीन स्वीप करने वाली है. वहीं, महाराष्ट्र में भाजपा गठबंधन को 22 सीटें मिलती दिख रही है.

झारखंड में भाजपा को 12 सीटें, कांग्रेस 0 पर

झारखंड में लोकसभा की 14 सीटें हैं. सर्वे के मुताबिक, राज्य में भाजपा को 12 सीटें मिलती हुई दिखाई दे रही हैं. जबकि झारखंड मुक्ति मोर्चा को सिर्फ दो ही सीटें मिल रही हैं. वहीं अन्य के खातों में सिर्फ एक सीट जा रही है. इसके अलावा झारखंड में कांग्रेस का खाता भी नहीं खुल रहा है. अगर वोट शेयर की बात करें तो भाजपा को 55.7 फीसदी, कांग्रेस को 29.9 फीसदी और अन्य के खाते में 14.4 फीसदी वोट मिल रहे हैं.

किस राज्य में किसे कितनी सीटें

राज्य	कुल सीटें	भाजपा	कांग्रेस	अन्य
उत्तर प्रदेश	80	72	1	7
बिहार	40	32	8	0
झारखंड	14	12	2	0
पश्चिम बंगाल	42	19	1	22
मध्य प्रदेश	29	27	2	0
छत्तीसगढ़	11	10	1	0
राजस्थान	25	25	0	0
गुजरात	26	26	0	0
गोवा	2	1	1	0
महाराष्ट्र	48	22	26	0
दिल्ली	7	7	0	0
केरल	20	0	20	0
तमिलनाडु	39	0	39	0
तेलंगाना	17	3	10	4
आंध्र प्रदेश	25	0	0	25
कर्नाटक	28	24	4	0
हिमाचल प्रदेश	4	4	0	0
हरियाणा	10	8	2	0
पंजाब	13	2	5	6
उत्तराखंड	5	5	0	0
जम्मू-कश्मीर	5	2	3	0
असम	14	12	2	0

नीतीश के पाला बदलने के बाद भी आरजेडी को हो सकता है फायदा

हिंदी पट्टी के राज्यों में भाजपा की बंपर जीत होते दिख रही है. लेकिन बिहार में 10 दिन पहले बनी एनडीए सरकार को बड़ा झटका मिलते दिख रहा है. जबकि आरजेडी को बंपर फायदा मिलने का अनुमान है. भाजपा अलायंस को 7 सीटों का नुकसान दिख रहा है. बिहार में विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक और एनडीए का वोट परसेंट बढ़ा है. लेकिन सीटों का फायदा विपक्ष को मिलने का अनुमान है. बिहार में कुल 40 सीटें हैं. सर्वे के मुताबिक, यहां एनडीए को 51.5% वोट शेयर मिलने का अनुमान है. जबकि इंडिया गठबंधन को 38% वोट मिलने की संभावना है. एनडीए के 32 सीटें जीतने का अनुमान है. जबकि इंडिया ब्लॉक 8 सीटें हासिल कर सकता है.

राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों की विदाई के अवसर पर पीएम ने दिया संदेश

सिंह का योगदान अविस्मरणीय : मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को देश के लिए पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के योगदान की सराहना की और कहा कि जब भी लोकतंत्र की चर्चा होगी तो उनके योगदान को याद किया जाएगा. राज्यसभा से सेवानिवृत्त हो रहे सदस्यों की विदाई के अवसर पर उच्च सदन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने शारीरिक अस्वस्थता के बावजूद सदन की कार्यवाही में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए मनमोहन सिंह की सराहना की और उनके दीर्घायु होने की भी कामना की. मनमोहन सिंह सहित उच्च सदन के 68 सदस्य फरवरी से मई महीने के बीच सेवानिवृत्त हो रहे हैं.

मनमोहन सिंह का बड़ा योगदान रहा: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस अवसर पर मैं विशेष रूप से डॉक्टर मनमोहन सिंह का स्मरण करना चाहूंगा. वह छह बार इस सदन के सदस्य रहे. वह अपने मूल्यवान विचारों से सदन की चर्चाओं को समृद्ध करते रहे. सदन के नेता के रूप में तथा प्रतिपक्ष में भी नेता के रूप में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है. मोदी ने कहा कि वैचारिक मतभेदों के कारण कभी बहस के दौरान छींटाकशी हो जाती है लेकिन वह बहुत अल्पकालीन होता है. उन्होंने कहा कि लेकिन इतने लंबे अरसे तक जिस प्रकार से उन्होंने इस सदन का मार्गदर्शन किया है... देश का मार्गदर्शन किया है...वह हमेशा...जब भी हमारे लोकतंत्र की चर्चा होगी... कुछ माननीय सदस्यों की चर्चा होगी... उसमें डॉक्टर मनमोहन सिंह के योगदान की चर्चा जरूर होगी.

पीएम ने की मनमोहन सिंह के दीर्घायु होने की कामना

पीएम ने कहा कि एक सांसद अपने दायित्व के लिए कितना सजग है, उसका वह उदाहरण है. वह प्रेरक उदाहरण था. इतना ही नहीं, मैं देख रहा था कि कभी कमेटी सदस्यों के चुनाव हुए तो भी वह व्हीलचेयर में वोट देने आए. सवाल यह नहीं है कि वह किसको ताकत देने के लिए आए थे... मैं मानता हूं वह लोकतंत्र को ताकत देने आए थे. उन्होंने मनमोहन सिंह के दीर्घायु होने की कामना की और कहा कि वह निरंतर हमारा मार्गदर्शन करते रहें और हमें प्रेरणा देते रहें. मनमोहन सिंह देश के चौदहवें प्रधानमंत्री थे. वर्ष 2004 से 2014 तक वह देश के प्रधानमंत्री रहे. मनमोहन सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था. आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका की आज भी सराहना होती है.

खास बातें

- फरवरी से मई महीने के बीच सेवानिवृत्त होंगे 68 सदस्य
- सदस्यों के कार्यकाल से सीखने का प्रयास करें

मनमोहन सिंह व्हीलचेयर में आए और मतदान किया

प्रधानमंत्री ने कहा कि जो भी सदस्य इस सदन में आता है, वह चाहे किसी भी दल का क्यों न हो, अपने कार्यकाल के दौरान वह अपनी प्रतिभा और व्यवहार के दर्शन जरूर कराता है. उन्होंने कहा कि ऐसे सदस्यों के कार्यकाल से मार्गदर्शक के रूप में सीखने का प्रयास होना चाहिए. सदन और विभिन्न समितियों में मतदान के अवसर पर मनमोहन सिंह की भागीदारी को याद करते हुए मोदी ने कहा कि वह इन अवसरों पर भी व्हीलचेयर पर आए और लोकतंत्र के प्रति भागीदारी सुनिश्चित की. उन्होंने कहा कि सभी को पता था कि विजय सत्ताधारी पक्ष की होने वाली है लेकिन डॉक्टर मनमोहन सिंह जी व्हीलचेयर में आए और उन्होंने मतदान किया.

प्रधानमंत्री का जन्म ओबीसी परिवार में नहीं हुआ : राहुल

भाषा। झारसुगुडा (ओडिशा)

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्म अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से ताल्लुक रखने वाले परिवार में नहीं हुआ और वह खुद को ओबीसी बताकर लोगों को 'गुमराह' कर रहे हैं. राहुल ने ओडिशा में 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' के तीसरे एवं अंतिम दिन यहां एक संक्षिप्त भाषण में कहा कि मोदी 'का जन्म ऐसे परिवार में हुआ जो सामान्य जाति की श्रेणी में आता है. कांग्रेस नेता ने कहा कि मोदी जी लोगों को यह कह कर गुमराह करते आ रहे हैं कि वह अन्य पिछड़ा वर्ग से हैं. मोदी का जन्म तेली जति में हुआ था, जिसे 2000 में गुजरात में भारतीय जनता पार्टी सरकार के कार्यकाल के दौरान ओबीसी में शामिल किया गया. इस प्रकार से मोदी जी जन्म से ओबीसी नहीं हैं. राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ओबीसी से जुड़े लोगों से हाथ तक नहीं मिलाते वहीं अरबपतियों को गले लगाते हैं. पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने यहां पुराने बस अड्डे से यात्रा फिर से शुरू की और एक खुली जीप में किसान चौक की ओर बढ़े. उनके साथ पार्टी नेता अजय कुमार और शरत पटनायक भी थे. यह यात्रा ओडिशा से अपराह्न छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगी.

उपद्रवियों को देखते ही गोली मारने के आदेश

हल्द्वानी में अवैध मदरसे पर बुलडोजर एक्शन के बाद बवाल

भाषा। हल्द्वानी

उत्तराखंड के हल्द्वानी में गुरुवार को बवाल हो गया. मलिका बगीचा स्थित मदरसे व मस्जिद पर प्रशासन के बुलडोजर एक्शन के बाद अराजक तत्वों ने पत्थरबाजी और आगजनी कर दी, जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हो गए. प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिसबल बुलाया गया है. उपद्रवियों को तितर-बितर करने के लिए पुलिसकर्मियों ने हवाई फायरिंग की और आंसू गैस के गोले भी दागे. हालात बेकाबू होते देख सीएम ने कड़े निर्देश जारी किए है. पुलिस को दंगाइयों को देखते ही गोली मारने के आदेश जारी हुए हैं. सीएम ने अधिकारियों को अराजक तत्वों से सख्ती से निपटने के आदेश दिए हैं. स्थिति को देखते हुए बनभूलपुरा जिलाधिकारी ने जिले में कर्फ्यू लगा दिया है.

सीएम पुष्कर धामी ने मामले को लेकर उच्च स्तरीय बैठक बुलाई है. बैठक में मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक के साथ पुलिस एवं इंटेलिजेंस के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ हालात की समीक्षा की गई.

चिकित्सा के क्षेत्र में पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नोरी ने कहा-

भारतीय बजट में सर्वाइकल कैंसर से जुड़ी घोषणा सराहनीय कदम

भाषा। वाशिंगटन

एक प्रतिष्ठित भारतीय-अमेरिकी कैंसर विशेषज्ञ (रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट) ने भारतीय बजट में सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए नौ से 14 वर्ष की लड़कियों के टीकाकरण को लेकर की गई घोषणा की बुधवार को सराहना की. डॉ. दत्तात्रेयुडु नोरी ने कहा कि बजट में सर्वाइकल कैंसर के लिए निवारक कार्यक्रमों पर जोर भारत में एक महत्वपूर्ण जन स्वास्थ्य समस्या को हल करने की दिशा में एक सराहनीय कदम है.

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 9-14 वर्ष की लड़कियों को टीका लगाने की पहल विशेष रूप से सराहनीय है, क्योंकि यह बीमारी देश में प्रतिदिन 150 से अधिक महिलाओं की जान ले लेती है. चिकित्सा के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए वर्ष 2015 में पद्मश्री से सम्मानित डॉ. नोरी ने कहा कि सर्वाइकल कैंसर भारत में महिलाओं में पाया जाना वाला दूसरा सबसे आम कैंसर है जिसके हर साल 85,000 से अधिक नए मामले सामने आते हैं और हर साल इससे लगभग 50,000 मौतें होती हैं. डॉक्टर नोरी ने 'मेमोरियल स्लोअन केटरिंग कैंसर सेंटर' और कॉर्नेल विश्वविद्यालय के 'न्यूयॉर्क-प्रेस्बिटेरियन अस्पताल' जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है.

किसानों का धरना खत्म, महाजाम से दिनभर परेशान रहे लोग

6 घंटे बाद खुला दिल्ली-नोएडा रूट

भाषा। नयी दिल्ली

उत्तर प्रदेश के किसानों का नोएडा एक्सप्रेसवे पर धरना खत्म हो गया है. इससे करीब 6 घंटे से लगा जाम भी खुल गया है. दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन के कारण महाजाम की स्थिति बन गई थी. दिल्ली नोएडा में लोग दिनभर जाम से परेशान रहे. जानकारी के मुताबिक किसान रात 8 बजे नोएडा कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के साथ मीटिंग करेंगे.

आश्वासन पर किसानों ने एक्सप्रेसवे छोड़ दिया : नोएडा कमिश्नर के आश्वासन पर किसानों ने एक्सप्रेसवे छोड़ दिया है. नोएडा कमिश्नर की निगरानी में एक कमेटी बनाई जाएगी. एक सप्ताह में किसानों की प्राधिकरण के अफसरों से बातचीत कराई जाएगी. इस बातचीत में शासन स्तर से मंत्री भी शामिल होंगे. नोएडा और ग्रेटर नोएडा प्राधिकरणों पर किसानों का धरना जारी रहेगा. बता दें कि पुलिस ने प्रदर्शन को देखते हुए रूट्स को डायवर्ट कर दिया था. क्रेन, बुलडोजर, वज्र वाहन और ड्रोन कैमरे से निगरानी भी की गई थी. किसानों के विरोध प्रदर्शन के चलते दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर लंबा जाम लग गया. वहीं, पुलिस लगातार किसानों से बात कर रही है, ताकि वो अपने प्रदर्शन को रोक दें. किसानों के प्रदर्शन से पहले सेक्शन 144 के तहत 5 से अधिक लोगों के एकसाथ जमा होने, धार्मिक और राजनीतिक सहित अन्य किसी भी प्रकार के जुलूसों पर रोक है.

किसानों ने क्यों खोला मोर्चा ? : किसान संगठन दिसंबर 2023 से नोएडा और ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण द्वारा अधिग्रहीत अपनी जमीनों के बदले बढ़ा हुआ मुआवजा और भूखंड देने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं. किसान समूहों ने अपनी मांगों को लेकर राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन पर दबाव बढ़ाने के लिए 7 को 'किसान महापंचायत' बुलाया और 8 को संसद तक विरोध मार्च निकालने का ऐलान किया था.

कॅरियर-काउंसिलिंग

द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग से घर बैठे कर सकते है इंजीनियरिंग की पढ़ाई

रजनीश प्रसाद। रांची

यदि आप इंजीनियरिंग की पढ़ाई करना चाहते हैं और क्लास नहीं कर पा रहे हैं, तो ऐसे में आप द इंस्टिट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग में नामांकन करा सकते हैं. यह एक चार्टर्ड इंजीनियरिंग संस्थान है. नामांकन के बाद क्लास नहीं करना होता है. छात्र घर पर ही पढ़ाई कर केवल परीक्षा दे सकते हैं. इसकी परीक्षा पास करना भी काफी कठिन होता है. इसकी पढ़ाई और इसकी डिग्री की मान्यता भारत समेत अन्य देशों में भी है. इस संस्थान से पढ़ने के बाद छात्र नाम से पहले सीई(चार्टर्ड इंजीनियर) लिख सकते हैं.

द इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग के पूरे भारत में फैले 125 केंद्रों, 6 विदेशी चैप्टर, 7 मंचों और एक विंग इंजीनियरिंग स्टाफ कॉलेज ऑफ इंडिया (ईएससीआई), हैदराबाद के माध्यम से अपनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति के साथ एक शताब्दी से अधिक समय से इंजीनियरिंग बिरादरी की सेवा कर रहा है. संस्थान में 2 लाख से अधिक की कॉर्पोरेट सदस्यता के साथ 15 इंजीनियरिंग विषय शामिल हैं. आईईआई को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन के रूप में मान्यता दी गयी है. भारत का और अपना स्वयं का शोध करने के अलावा, इंजीनियरिंग संस्थानों और विश्वविद्यालयों के यूजी / पीजी / पीएचडी छात्रों को अनुदान सहायता प्रदान करता है. आईईआई के पास वैश्विक इंटरनेशनल प्रोफेशनल इंजीनियर्स अलायंस के तहत भारत के लिए इंटरनेशनल प्रोफेशनल इंजीनियर्स रजिस्टर हैं. संस्थान प्रोफेशनल इंजीनियर्स (पीई) प्रमाणन भी प्रदान करता है.

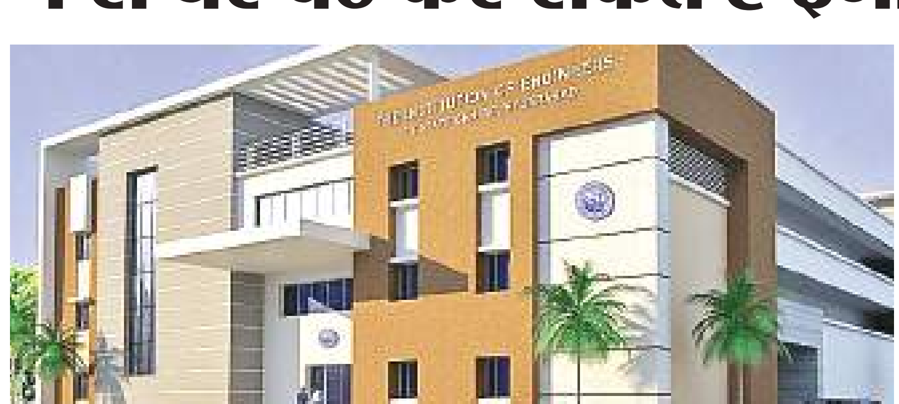

इन ब्रांचों में होती है पढ़ाई

1. केमिकल इंजीनियरिंग
2. सिविल इंजीनियरिंग
3. कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
4. इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
5. इलेक्ट्रॉनिक एंड कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग
6. मैकेनिकल इंजीनियरिंग
7. मैटेरिएल साइंस एंड मेट्रोलॉजिकल साइंस
8. माइनिंग इंजीनियरिंग
9. प्रोडक्शन इंजीनियरिंग
10. टेक्सटाइल इंजीनियरिंग

देश भर में कहां-कहां हैं सेंटर

- अहमदाबाद
- इलाहाबाद
- अनपरा
- बेंगलुरु
- बेलापुर
- भिलाई
- भोपाल
- भुवनेश्वर
- चंडीगढ़
- चेन्नई
- कोचीन
- कोयंबटूर
- देहरादून
- दिल्ली
- दुर्गापुर
- गुवाहाटी
- हैदराबाद
- जयपुर
- जम्मू
- जमशेदपुर
- कानपुर
- करनाल
- खड़गपुर
- कोलकाता
- कोझीकोड
- लखनऊ
- लुधियाना
- मुंबई
- नागपुर
- पटना
- पुणे
- रांची
- रुड़की
- शिमला
- श्रीनगर
- तिरुवंतपुरम
- तिरुचेरापल्ली
- वाराणसी
- विशाखापत्तनम

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)